किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक
समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 283 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) बुधवार 22 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

कोयला आयात घटाने की बड़ी तैयारी, सरकार ने बदली पूरी रणनीति

घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर, 132 कोयला ब्लॉक आवंटित; 15 खदानों से उत्पादन शुरू, विकास की समयसीमा भी घटाई

मुख्य बिंदु

- कोयला आयात घटाने के लिए सरकार की नई रणनीति।
- 132 कोयला ब्लॉक आवंटित, 15 में उत्पादन शुरू।
- विकास अवधि 51 से घटकर 40 और 66 से घटकर 52 महीने।
- 100% एफडीआई और निजी निवेश को बढ़ावा।
- सिंगल विंडो क्लियरेंस और पीएमयू से परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार।
- आधुनिक तकनीक से कोयला उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर।

समाज जागरण

नई दिल्ली। देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और कोयले के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए केंद्र सरकार ने खनन क्षेत्र में व्यापक सुधारों की शुरूआत की है। सरकार ने कोयला उत्पादन बढ़ाने, नई खदानों के विकास में तेजी लाने और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कई नीतिगत एवं प्रशासनिक कदम उठाए हैं। इन उपायों का लक्ष्य गैर-जरूरी कोयला आयात को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना और घरेलू उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।

सरकार ने कोयला ब्लॉकों के विकास की नियमित समीक्षा की व्यवस्था लागू की है। साथ ही खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2021 के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। खनन परियोजनाओं को तेज गति देने के लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस पोर्टल और परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) की स्थापना की गई है, ताकि आवंटियों को सभी आवश्यक स्वीकृतियां समय पर मिल सकें।

जून 2020 में शुरू की गई वाणिज्यिक कोयला खनन नीति के तहत अब तक 132 कोयला ब्लॉक आवंटित किए जा चुके हैं। इनमें 23 ब्लॉकों को खदान खोलने की अनुमति मिल चुकी है, जबकि 15 ब्लॉकों में व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो चुका है। शेष ब्लॉकों में निर्धारित समयसीमा के अनुसार विकास कार्य तेजी से चल रहा है।

सरकार ने खनन परियोजनाओं की समयसीमा में भी महत्वपूर्ण कमी की है। पूर्ण रूप से खोजे गए कोयला ब्लॉकों के विकास की अवधि 51 महीने से घटाकर 40 महीने तथा आंशिक रूप से खोजे गए ब्लॉकों की अवधि 66 महीने से घटाकर 52 महीने कर दी गई है। इससे नई खदानों से उत्पादन जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

कोयले के बेहतर उपयोग और स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कोयला गैसीकरण और द्रवीकरण परियोजनाओं को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। वहीं, 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए स्वचालित मार्ग, पारदर्शी राजस्व साझाकरण मॉडल और उदार बोली शर्तों के माध्यम से निजी निवेशकों को आकर्षित करने की रणनीति अपनाई गई है।

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) आधुनिक मास प्रोडक्शन तकनीक, सतत खनन मशीनों, लॉन्गवॉल और हाईवॉल तकनीक के जरिए उत्पादन क्षमता बढ़ा रही है। दूसरी ओर सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) नई परियोजनाओं के साथ कोयला निकासी और परिवहन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रही है। सरकार का विश्वास है कि इन सुधारों और नई नीतियों के प्रभाव से आने वाले वर्षों में घरेलू कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और भारत कोयला आयात पर अपनी निर्भरता को काफी हद तक कम करने में सफल होगा।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज क्विज लॉन्च,

15 अगस्त तक मिलेगा भाग लेने का मौका

माय भारत पोर्टल पर 20 प्रश्नों की ऑनलाइन प्रतियोगिता, सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र और विजेताओं को सीमावर्ती क्षेत्रों के भ्रमण का अवसर

समाज जागरण

नई दिल्ली। 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह और 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत युवा कार्य विभाग ने माय भारत पोर्टल पर 'भारत का राष्ट्रीय ध्वज क्विज-2026' शुरू किया है। यह ऑनलाइन क्विज 15 अगस्त, 2026 तक आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास, महत्व, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रभक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

युवा कार्य विभाग के अनुसार, पिछले वर्ष आयोजित राष्ट्रीय ध्वज क्विज को मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के बाद इस वर्ष भी इसका आयोजन किया गया है। क्विज के माध्यम से युवाओं को तिरंगे के इतिहास, विकास, ध्वज संहिता और राष्ट्रीय प्रतीकों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि उनमें जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना मजबूत हो।

इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिन्हें प्रतिभागियों को 10 मिनट के भीतर हल करना होगा। क्विज भाषिणी तकनीक के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक पंजीकृत उपयोगकर्ता केवल एक बार ही इसमें भाग ले सकेगा। हर सही उत्तर पर एक अंक मिलेगा, जबकि गलत उत्तर के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं होगा।

प्रश्नों में भारत के राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास, तिरंगे के विकास, उससे जुड़े प्रमुख व्यक्तित्वों, भारतीय ध्वज संहिता-2002, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम-1971 तथा राष्ट्रीय प्रतीकों से संबंधित विषय शामिल किए गए हैं।

क्विज में भाग लेने वाले सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। वहीं, 21 से 29 वर्ष आयु वर्ग के पात्र प्रतिभागियों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वालों का चयन कंप्यूटर आधारित रैंडम प्रक्रिया से किया जाएगा। चयनित युवाओं को भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों अथवा अन्य उपयुक्त स्थानों के शैक्षणिक भ्रमण का अवसर मिलेगा।

युवा कार्य विभाग ने देशभर के युवाओं से बड़ी संख्या में इस क्विज में भाग लेने की अपील करते हुए कहा है कि यह पहल डिजिटल शिक्षा, राष्ट्र निर्माण और सक्रिय नागरिकता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय ध्वज क्विज 15 अगस्त, 2026 तक माय भारत पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी।

उत्तर मैसिडोनिया की संसद में राष्ट्रपति मुर्मु ने संसदीय सहयोग पर दिया जोर

नई दिल्ली/स्कोप्ये। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तर मैसिडोनिया की संसद को संबोधित करते हुए दोनों देशों के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत उत्तर मैसिडोनिया को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार मानता है। राष्ट्रपति ने युवा सांसदों के आदान-प्रदान, व्यापार एवं निवेश बढ़ाने की आवश्यकता बताई और 'वसुधैव कुटुंबकम' के संदेश के माध्यम से वैश्विक शांति, सहयोग और साझा समृद्धि का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्तर मैसिडोनिया की राष्ट्रपति डॉ. गोडार्ना सिलजानोव्स्का-दावकोवा सहित भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी उपस्थित रहे।

पीएम आवास मार्च पर सियासी घमासान, सुरक्षा व्यवस्था पर छिड़ी बहस

राहुल गांधी-प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का विरोध मार्च, भाजपा ने सुरक्षा प्रोटोकॉल पर उठाए सवाल; कांग्रेस बोली- लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग

समाज जागरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास की ओर कांग्रेस के विरोध मार्च को लेकर राजधानी की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के जन्मदिन के अवसर पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में पार्टी सांसदों और नेताओं ने विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च करने का प्रयास किया। सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें निर्धारित क्षेत्र में रोक दिया, जिसके बाद मौके पर कुछ देर तक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन हुआ।

घटना के बाद भाजपा ने इसे प्रधानमंत्री की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए कहा कि संसद और जंतर-मंतर जैसे निर्धारित प्रदर्शन स्थलों के बजाय प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च करना सुरक्षा प्रोटोकॉल के विपरीत है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि इस तरह की गतिविधियां संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने का प्रयास हैं। वहीं कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है और विपक्ष जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से अपना संवैधानिक अधिकार इस्तेमाल कर रहा था। पार्टी का कहना है कि सरकार विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है।

इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विरोध प्रदर्शन की सीमा, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों के बीच संतुलन को लेकर यह मामला आने वाले दिनों में भी चर्चा का विषय बना रहेगा।

मुख्य बातें

- प्रधानमंत्री आवास की ओर कांग्रेस का विरोध मार्च।
- राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने किया नेतृत्व।
- सुरक्षा एजेंसियों ने निर्धारित क्षेत्र में रोका।
- भाजपा ने सुरक्षा प्रोटोकॉल का मुद्दा उठाया।
- कांग्रेस ने प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताया।
- घटना के बाद सत्ता और विपक्ष के बीच बयानबाजी तेज।

विदेशी आक्रांताओं का नहीं होगा महिमामंडन: सीएम योगी

बहराइच। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में 352 करोड़ रुपये से अधिक की 70 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए कहा कि 'नए भारत' के 'नए उत्तर प्रदेश' में किसी विदेशी आक्रांता का स्मारक या उसके नाम पर मेला स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब महाराजा सुहेलदेव के नाम पर भव्य आयोजन होंगे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन किया, जबकि उनकी सरकार सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रनायकों को सम्मान दे रही है।

पर्यटन विकास के लिए 5,756 करोड़ की 117 परियोजनाओं को मंजूरी

समाज जागरण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पिछले दो वर्षों में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए 5,756.62 करोड़ रुपये की 117 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। लोकसभा में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि इन परियोजनाओं के तहत पर्यटन स्थलों का विकास, यात्रियों की सुविधाओं का विस्तार और डिजिटल प्रचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार स्वदेश दर्शन 2.0, प्रशाद योजना सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्यों को वित्तीय सहायता दे रही है। साथ ही इंक्रेडिबल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-वीजा, 247 पर्यटक हेल्पलाइन और आध्यात्मिक, ग्रामीण, चिकित्सा व साहसिक पर्यटन जैसे विशेष क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। (इनपुटः पीआईबी)

देर रात रिहा हुए अखिलेश यादव, यूपी में सपा कार्यकताओं का जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को देर रात पुलिस द्वारा छोड़े जाने के बावजूद उत्तर प्रदेश के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन जारी रहा। लखनऊ में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विधानसभा पहुंचकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और घेराव का प्रयास किया। प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल और वरिष्ठ नेता राजपाल कश्यप के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। वहीं इटावा में भी सपा कार्यकर्ता शास्त्री चौराहे पर धरने पर बैठ गए। प्रदेश सचिव गोपाल यादव के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में कार्यकताओं ने पुलिस कार्रवाई के खिलाफ जमकर विरोध जताया।

भारत टेक्स 2026: टेक्सटाइल निवेश के प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरा उत्तर प्रदेश

योगी सरकार की यूपी टेक्सटाइल नीति-2022 के तहत 8 कंपनियों को प्रोत्साहन राशि और 'लेटर ऑफ कम्फर्ट' वितरित

समाज जागरण

नई दिल्ली/लखनऊ, 21 जुलाईः योगी सरकार की नीतियों के कारण अंतरराष्ट्रीय टेक्सटाइल एक्सपो 'भारत टेक्स 2026' में उत्तर प्रदेश ने देश के अग्रणी टेक्सटाइल और परिधान विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विशेष 'उत्तर प्रदेश राज्य सत्र' में नीति-निमार्ताओं, उद्योगपतियों और निवेशकों के समक्ष राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियों और विकसित होते औद्योगिक इकोसिस्टम का खाका खींचा गया। सत्र में मुख्य रूप से यूपी को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने के विजन और योगी सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्र, खादी एवं ग्रामोद्योग तथा रेशम उद्योग मंत्री राकेश सचान ने किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आधुनिक, नवाचार आधारित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी टेक्सटाइल उद्योग के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार नीतिगत सुधारों और उद्योग-अनुकूल वातावरण के माध्यम से टेक्सटाइल वैल्यू चेन में निवेश आकर्षित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध हथकरघा विरासत के साथ-साथ गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग और टेक्निकल टेक्सटाइल्स को बढ़ावा देकर देश का प्रमुख टेक्सटाइल हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सत्र के दौरान राज्य की टेक्सटाइल नीतियों, उत्पादन क्लस्टरों तथा रोजगार सृजन की संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग नीति-2022' के तहत चार स्थापित इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन देना और चार नए निवेशकों को 'लेटर ऑफ कम्फर्ट' जारी करना रहा। यह कदम राज्य सरकार की उद्योग-अनुकूल नीतियों और नए निवेश को धरातल पर उतारने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वित्तीय प्रोत्साहन के तहत मेरठ की के.डी. प्रिंट्स प्राइवेट लिमिटेड को 2.37 करोड़, मुरादाबाद की जी.ओ. पॉलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड को 1.26 करोड़, बुलंदशहर की पैट्रोनस अपैरल्स प्राइवेट लिमिटेड को 80 लाख तथा बुलंदशहर की ही विनटेक्स इंडस्ट्रीज को 74 लाख की वित्तीय सहायता दी गई। इस राशि से इन इकाइयों के उत्पादन विस्तार, तकनीकी उन्नयन और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बल मिलेगा।

इसके साथ ही, चार प्रमुख कंपनियों- चाहत एक्सपोर्ट्स एलएलपी (16.18 करोड़), अवंती ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड (3.18 करोड़), आर्टेक्स मिल्स प्राइवेट लिमिटेड (2.10 करोड़) और रचित प्रिंट्स लिमिटेड (1.40 करोड़) को 'लेटर ऑफ कम्फर्ट' प्रदान किए गए। यह पहल निवेशकों को समयबद्ध प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर मंत्री राकेश सचान ने पीएम मित्र पार्क लखनऊ एवं संत कबीर पार्क के संभावित मास्टर डेवलपर्स के साथ संवाद किया। इन बैठकों में पार्कों के बुनियादी ढांचे के विकास तथा परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा हुई। विभाग के अधिकारियों द्वारा उत्तर प्रदेश की टेक्सटाइल नीतियों एवं निवेश अवसरों पर विस्तृत प्रस्तुतियों के साथ उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता, सतत विनिर्माण और राज्य को परिधान उद्योग के पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव, हथकरघा एवं वस्त्र अनिल कुमार सागर, आयुक्त एवं निदेशक, एमएसएमई, हथकरघा एवं वस्त्र के. विजयेंद्र पांडियन तथा इन्वेस्ट यूपी की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं उद्योग प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राम मंदिर विवाद की आंच के बीच बीजेपी का 2027 मिशन, बूथ से चुनावी शंखनाद

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े विवाद ने उत्तर प्रदेश की राजनीति का तापमान बढ़ा रखा है। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार और बीजेपी को घेरने की तैयारी में है, जांच की दिशा और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं और मामला अब अदालत तक पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 27 जुलाई को होनी है, जबकि राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए नई विशेष जांच टीम गठित करने का फैसला किया है। राजनीतिक रूप से यह विवाद बीजेपी के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकता है। लेकिन पार्टी ने इस पूरे माहौल का जवाब किसी नए राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से देने के बजाय अपना ध्यान सीधे संगठन पर केंद्रित करने का फैसला किया है। बीजेपी अब राम मंदिर चढ़ावा विवाद की राजनीतिक गर्मी से आगे निकलकर 2027 के विधानसभा चुनाव की असली जमीन तैयार करने में जुट गई है बूथ।22 जुलाई को उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों में एक साथ बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। यह तारीख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार इतने बड़े स्तर पर पार्टी अपने बूथ नेटवर्क को एक साथ परखने जा रही है। बीजेपी के पास उत्तर प्रदेश में करीब 1.62 लाख बूथ अध्यक्ष हैं। इन्हीं बूथों को पार्टी अपनी चुनावी मशीनरी की सबसे निचली, लेकिन सबसे निर्णायक इकाई मानती है। सम्मेलन में केवल भाषण नहीं होंगे, बल्कि बूथ अध्यक्षों की मौजूदगी, उनके कामकाज और चुनावी तैयारियों का वास्तविक परीक्षण किया जाएगा। यानी 22 जुलाई को बीजेपी अपने कार्यकताओं की भीड़ नहीं जुटा रही है, बल्कि अपने संगठन की जमीनी हालत का हिसाब लेने जा रही है। पार्टी ने बूथ अध्यक्षों को उनके बूथ नंबर के हिसाब से बैठाने की व्यवस्था की है। कुर्सियों पर नाम की जगह बूथ नंबर दर्ज होगा। मंच से किसी भी बूथ अध्यक्ष को अचानक बुलाया जा सकता है और उससे उसके बूथ से जुड़े सवाल पूछे जा सकते हैं। पार्टी यह जानना चाहती है कि जिस व्यक्ति के हाथ में बूथ की जिम्मेदारी है, क्या वह वास्तव में अपने इलाके के मतदाताओं, कार्यकताओं और चुनावी समीकरण से परिचित है। यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि उत्तर प्रदेश में 2027 का चुनाव अभी दूर है, लेकिन बीजेपी की तैयारी चुनावी साल के इंतजार पर निर्भर नहीं रहना चाहती। पार्टी की रणनीति साफ है पहले बूथ को मजबूत करो, फिर विधानसभा क्षेत्र की चुनावी रणनीति तैयार करो। जहां बूथ अध्यक्ष सक्रिय हैं, वहां संगठन को और मजबूत किया जाएगा। जहां निष्क्रियता या कमजोरी मिलेगी, वहां सुधार, जिम्मेदारी में बदलाव या नए कार्यकताओं को आगे लाने पर विचार किया जा सकता है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के हालिया उत्तर प्रदेश दौरे के बाद पार्टी के इस संगठनात्मक अभियान को और गति मिली है। जुलाई की शुरूआत में लखनऊ में पार्टी कार्यकताओं के बीच नबीन ने राम मंदिर चढ़ावे के विवाद को लेकर विपक्ष पर हमला बोला था। उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर धार्मिक आस्था से जुड़े मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, अखिलेश यादव ने नितिन नबीन के उत्तर प्रदेश दौरे को लेकर राजनीतिक तंज किया। इस तरह विवाद का राजनीतिक असर साफ दिखाई देने लगा था।लेकिन बीजेपी अब इस मुद्दे को अपनी चुनावी रणनीति का स्थायी केंद्र नहीं बनाना चाहती। पार्टी को पता है कि अगर चुनावी राजनीति लगातार आरोप-प्रत्यारोप के इर्द-गिर्द घूमती रही तो संगठनात्मक तैयारी पीछे छूट सकती है। यही वजह है कि पार्टी ने राजनीतिक नैरेटिव को विवाद से संगठन की ओर मोड़ने की कोशिश शुरू की है। संदेश यह है कि जांच और राजनीतिक बहस अपनी जगह चलती रहेगी, लेकिन चुनावी तैयारी रुकने वाली नहीं है।22 जुलाई के सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में बूथ अध्यक्षों से संवाद करेंगे। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी सीतापुर के लहरपुर में कार्यक्रम में शामिल होंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बरेली शहर और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शाहजहांपुर की जलालाबाद विधानसभा में बूथ सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह वाराणसी में रहेंगे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और स्वतंत्र देव सिंह समेत कई वरिष्ठ नेताओं को भी अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है।यह व्यवस्था अपने आप में एक राजनीतिक संदेश है। बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व यह दिखाना चाहता है कि 2027 का चुनाव केवल मुख्यमंत्री या प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी नहीं होगा। मंत्री, विधायक, संगठन पदाधिकारी और बूथ अध्यक्ष सभी को एक ही चुनावी ढांचे में काम करना होगा। पार्टी ने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को भी कार्यक्रम में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि संगठन अब चुनावी तैयारी को पूरी तरह सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में आगे बढ़ाना चाहता है। इस अभियान का दूसरा बड़ा हिस्सा बीजेपी का डेटा आधारित संगठन है। पार्टी ने सदस्यता अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश में करीब 2.5 करोड़ प्राथमिक सदस्य बनाए थे। अब इन सदस्यों की जानकारी को बूथ और मंडल स्तर पर व्यवस्थित करने की कोशिश हो रही है। इसका उद्देश्य केवल यह बताना नहीं है कि पार्टी के कितने सदस्य हैं, बल्कि यह पता लगाना है कि इनमें से कितने लोग वास्तव में सक्रिय हैं और चुनाव के समय पार्टी के लिए काम कर सकते हैं।यही बदलाव बीजेपी की चुनावी रणनीति को पहले के मुकाबले अधिक संगठित बनाता है। किसी बूथ पर कितने कार्यकर्ता सक्रिय हैं, किन इलाकों में पार्टी की पकड़ कमजोर है, किस सामाजिक समूह तक संगठन की पहुंच कम है और किन मतदाताओं से नियमित संपर्क नहीं हो रहा इन सवालों का जवाब डेटा और जमीनी सत्यापन के जरिए खोजा जाएगा। 1.62 लाख बूथ अध्यक्षों की सक्रियता का आकलन इसी बड़ी योजना का हिस्सा है।राम मंदिर चढ़ावा विवाद ने बीजेपी को राजनीतिक रूप से रक्षात्मक स्थिति में डालने की कोशिश जरूर की है। विपक्ष इस मुद्दे को विधानसभा के आगामी मॉनसून सत्र में भी उठा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच से जुड़े सवालों ने भी मामले को और गंभीर बना दिया है। ऐसे में बीजेपी के सामने चुनौती दोहरी है। एक तरफ उसे मंदिर से जुड़े विवाद पर राजनीतिक और कानूनी सवालों का सामना करना है, दूसरी तरफ उसे 2027 की चुनावी मशीनरी को कमजोर नहीं पड़ने देना है।

यही कारण है कि 22 जुलाई का सम्मेलन बीजेपी के लिए महज संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं है। यह एक तरह से पार्टी का पहला बड़ा जमीनी ऑडिट है। मंच पर मुख्यमंत्री और बड़े नेता होंगे, लेकिन असली परीक्षा उन बूथ अध्यक्षों की होगी जो चुनाव के दिन पार्टी की पूरी रणनीति को जमीन पर उतारते हैं। मतदाता सूची से लेकर घर-घर संपर्क तक, लाभार्थियों से संवाद से लेकर मतदान के दिन की व्यवस्था तक, बूथ अध्यक्ष की भूमिका चुनावी नतीजों पर सीधा असर डालती है।उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां 403 विधानसभा सीटें हैं और हर क्षेत्र में अलग सामाजिक और राजनीतिक समीकरण हैं, वहां किसी भी पार्टी के लिए एक समान रणनीति काम नहीं कर सकती। बीजेपी अब इसी स्थानीय अंतर को समझने के लिए बूथ स्तर तक पहुंचना चाहती है। पार्टी के लिए चुनौती यह भी है कि 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद विपक्षी दलों ने अपने संगठन को फिर से मजबूत करने की कोशिश तेज की है। समाजवादी पार्टी का पीडीए सामाजिक समीकरण और कांग्रेस की संगठन विस्तार की कोशिश बीजेपी के सामने अलग-अलग राजनीतिक चुनौतियां खड़ी करती हैं।ऐसे में बीजेपी की रणनीति का केंद्र एक बार फिर वही पुराना लेकिन प्रभावी मॉडल है बड़ा नेता ऊपर, मजबूत संगठन नीचे और चुनावी तैयारी लंबे समय तक। फर्क इतना है कि इस बार पार्टी बूथ अध्यक्षों की मौजूदगी और सक्रियता को केवल संगठनात्मक रिपोर्ट के आधार पर स्वीकार नहीं करना चाहती। वह उन्हें सामने बैठाकर परखना चाहती है।22 जुलाई को 403 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाला यह अभियान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यहीं से यह तय होगा कि बीजेपी का संगठन कागज पर कितना बड़ा है और जमीन पर कितना सक्रिय। राम मंदिर विवाद की राजनीतिक आंच के बीच बीजेपी ने अपना जवाब तैयार कर लिया है।

जब तिरंगा बना भारत की पहचान

महेन्द्र तिवारी

राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस भारतीय इतिहास का एक ऐसा गौरवपूर्ण अवसर है, जो हमें स्वतंत्रता संग्राम की महान विरासत, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की याद दिलाता है। प्रत्येक वर्ष 22 जुलाई को मनाया जाने वाला यह दिवस उस ऐतिहासिक निर्णय का स्मरण कराता है, जब 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने भारत के वर्तमान तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में औपचारिक रूप से स्वीकार किया। यह निर्णय केवल एक ध्वज के चयन तक सीमित नहीं था, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र की सामूहिक चेतना, आत्मसम्मान और भविष्य की दिशा का उद्घोष था, जो सदियों की दासता के बाद स्वतंत्रता की दहलीज पर खड़ा था। इस अवसर पर संविधान सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रीय ध्वज संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इसके साथ ही भारत को ऐसा राष्ट्रीय प्रतीक मिला, जो आज भी करोड़ों भारतीयों की आशाओं, आकांक्षाओं और राष्ट्रीय गौरव का प्रतिनिधित्व करता है।

किसी भी राष्ट्र का ध्वज केवल रंगों से बना हुआ वस्त्र नहीं होता। वह उस देश के इतिहास, संस्कृति, संघर्ष, मूल्यों और भविष्य की आकांक्षाओं का जीवंत प्रतीक होता है। जब कोई नागरिक अपने राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक देखता है, तो उसके मन में स्वाभाविक रूप से अपने देश के प्रति प्रेम, सम्मान और समर्पण का भाव जागृत होता है। भारत का तिरंगा भी इसी भावना का प्रतीक है। यह हमें बताता है कि हमारी पहचान केवल किसी क्षेत्र, भाषा, जाति या धर्म से नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक राष्ट्र के नागरिक होने से है।

भारत का राष्ट्रीय ध्वज तीन समान क्षैतिज पट्टियों से बना है। सबसे ऊपर गहरा केसरिया रंग है, जो साहस, त्याग और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक माना जाता है। मध्य में सफेद रंग है, जो सत्य, शांति और पारदर्शिता का संदेश देता है। सबसे नीचे हरा रंग है, जो समृद्धि, प्रकृति, कृषि, विकास और जीवन की निरंतरता का प्रतीक है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र अंकित है, जिसमें चौबीस तीलियां हैं। यह चक्र सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ के धर्मचक्र से प्रेरित है। अशोक चक्र निरंतर गति, न्याय, धर्म, कर्तव्य और प्रगतिशील जीवन का संदेश देता है। इसका अर्थ यह है कि कोई भी राष्ट्र तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह निरंतर कर्म, नैतिकता और विकास के मार्ग पर चलता रहे।

तिरंगे का वर्तमान स्वरूप एक लंबी ऐतिहासिक यात्रा का परिणाम है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अनेक प्रकार के राष्ट्रीय ध्वज प्रस्तावित किए गए। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों में कई क्रांतिकारियों और राष्ट्रवादियों ने ऐसे ध्वज तैयार किए, जो भारत की स्वतंत्रता की आकांक्षा को व्यक्त करते थे। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने महात्मा गांधी के समक्ष एक ध्वज का प्रारूप प्रस्तुत किया। समय के साथ उसमें परिवर्तन हुए। वर्ष 1931 में कांग्रेस ने एक तिरंगे ध्वज को स्वीकार किया, जिसमें मध्य में चरखा था। यही ध्वज आगे चलकर स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज का आधार बना। 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने निर्णय लिया कि चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को स्थान दिया जाएगा, जिससे ध्वज राष्ट्रीय और सार्वभौमिक मूल्यों का अधिक व्यापक प्रतिनिधित्व कर सके।

राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण का निर्णय ऐसे समय लिया गया, जब भारत स्वतंत्रता प्राप्ति से कुछ ही सप्ताह दूर था। देश विभाजन की पीड़ा, सांप्रदायिक तनाव और अनिश्चित भविष्य जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा था। ऐसे समय में एक ऐसा राष्ट्रीय प्रतीक आवश्यक था, जो पूरे देश को एक सूत्र में बांध सके। तिरंगा इसी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनकर सामने आया। इसने भारतवासियों को यह विश्वास दिलाया कि विविधताओं से भरे इस विशाल देश की आत्मा एक है और उसका भविष्य भी साझा है।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। यहां सैकड़ों भाषाएं बोली जाती हैं, अनेक धर्मों का पालन किया जाता है, अलग-अलग परंपराएं, पहनावे, भोजन और जीवन शैली देखने को मिलती हैं। फिर भी जब राष्ट्रीय ध्वज लहराता है, तब यह सभी भेदभाव स्वतः गौण हो जाते हैं। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हम सबसे पहले भारतीय हैं। यही भावना भारत की लोकतांत्रिक शक्ति और राष्ट्रीय एकता की सबसे बड़ी आधारशिला है। जब भी किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय खिलाड़ी पदक जीतते हैं और तिरंगा ऊंचा उठता है, तब करोड़ों भारतीयों की आंखें गर्व से भर जाती हैं। चाहे ओलंपिक हो, विश्व कप हो, अंतरिक्ष अभियान हो, वैज्ञानिक उपलब्धियां हों या वैश्विक मंचों पर भारत की सफलता, हर उपलब्धि के साथ तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की उपलब्धि का प्रतीक बन जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक भारतीय अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ महसूस करता है।

भारतीय सशस्त्र बलों के लिए तिरंगे का महत्व और भी अधिक है। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिक इसी ध्वज की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। अनेक वीर सैनिकों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया, लेकिन तिरंगे की शान को कभी झुकने नहीं दिया। जब किसी शहीद का पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर अपने घर पहुंचता है, तब वह दृश्य पूरे राष्ट्र को भावुक कर देता है और प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्य की याद दिलाता है।

राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका वास्तविक सम्मान तभी है, जब हम अपने दैनिक जीवन में संविधान के आदर्शों का पालन करें। ईमानदारी, अनुशासन, परिश्रम, सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण, कानून का सम्मान और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा जैसे व्यवहार ही तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धा के प्रतीक हैं। यदि कोई नागरिक राष्ट्रहित को व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर रखता है, तो वही राष्ट्रीय ध्वज का वास्तविक सम्मान करता है।

भारत में राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और उसके उचित उपयोग के लिए ध्वज संहिता बनाई गई है। समय के साथ इसमें परिवर्तन भी किए गए हैं ताकि नागरिक अधिक सहजता से राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त कर सकें। हालांकि ध्वज का उपयोग करते समय उसकी गरिमा और सम्मान बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक और कानूनी दायित्व है। राष्ट्रीय ध्वज कभी भी किसी प्रकार के अपमान, व्यावसायिक दुरुपयोग या अनुचित प्रदर्शन का माध्यम नहीं बनना चाहिए।

राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस विशेष रूप से नई पीढ़ी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक अवसर है। आज के युवाओं के सामने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, उद्योग, रक्षा, खेल और नवाचार जैसे अनेक क्षेत्र खुले हुए हैं। यदि युवा अपने ज्ञान, प्रतिभा और परिश्रम के माध्यम से भारत को विश्व में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं, तो यही तिरंगे के प्रति उनकी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। केवल हाथ में तिरंगा लेकर उत्सव मनाना पर्याप्त नहीं है। आवश्यक यह है कि उसके आदर्शों को अपने व्यक्तित्व और कार्यों में भी उतारा जाए।

विद्यालयों और महाविद्यालयों में राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस का आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और नागरिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का उत्कृष्ट माध्यम बन सकता है। इस अवसर पर ध्वज के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम, संविधान सभा की भूमिका, राष्ट्रीय प्रतीकों के महत्व और नागरिक कर्तव्यों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। इससे विद्यार्थियों में इतिहास के प्रति सम्मान और भविष्य के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित होता है।

आज जब भारत विश्व मंच पर तेजी से अपनी पहचान मजबूत कर रहा है, तब राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और भी बढ़ जाता है। चंद्रयान, आदित्य मिशन, डिजिटल प्रगति, आर्थिक विकास, वैश्विक कूटनीति और खेलों में उपलब्धियां यह सिद्ध करती हैं कि भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। इन सभी सफलताओं के केंद्र में वही तिरंगा है, जो हमें निरंतर प्रगति, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा देता है।

राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए संकल्प लेने का भी दिन है। यह हमें स्मरण कराता है कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व भी है। जिस तिरंगे को लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की विरासत प्राप्त है, उसकी गरिमा बनाए रखना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। जब तक भारत का प्रत्येक नागरिक सत्य, ईमानदारी, परिश्रम, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को अपने जीवन का आधार बनाए रखेगा, तब तक तिरंगा सदैव गर्व के साथ लहराता रहेगा। यही राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस का सबसे बड़ा संदेश है और यही स्वतंत्र भारत की अमर पहचान भी है। जय हिंद।

जंतर-मंतर की तीन तस्वीरें 2027 में बीजेपी के लिए बड़ा सियासी खतरा बनेंगी

दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोमवार को जो तस्वीर बनी, वह महज एक विरोध प्रदर्शन की तस्वीर नहीं थी। संसद से जंतर-मंतर तक हाथों में तख्तियां लेकर बढ़ते समाजवादी पार्टी के सांसद, पुलिस कार्रवाई से परेशान युवाओं के बीच बैठी डिंपल यादव, सरकार पर सीधे सवाल उठाती इकरा हसन और आक्रामक तेवरों में नजर आतीं प्रिया सरोज इन तीन चेहरों ने उत्तर प्रदेश की 2027 की राजनीति की एक संभावित तस्वीर जरूर सामने रख दी है। सवाल यह नहीं है कि सोमवार के प्रदर्शन में कौन शामिल हुआ। असली सवाल यह है कि क्या अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी अब अपनी राजनीति को तीन अलग-अलग महिला चेहरों के जरिए नई सामाजिक और भौगोलिक जमीन पर उतारने की तैयारी कर रही है ?सोमवार को नीट परीक्षा और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सवालों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र और युवा जुटे थे। संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन प्रदर्शनकारियों ने सरकार से परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और युवाओं के सवालों पर संवाद की मांग की। इसी प्रदर्शन के समर्थन में समाजवादी पार्टी के सांसद संसद परिसर से जंतर-मंतर की ओर मार्च करते हुए पहुंचे। डिंपल यादव के साथ इकरा हसन और प्रिया सरोज की मौजूदगी ने इस पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक रूप से और ज्यादा महत्वपूर्ण बना दिया। डिंपल यादव ने छात्रों के सवालों का समर्थन किया और कहा कि युवाओं की आवाज सुनी जानी चाहिए। प्रदर्शन से जुड़ी तस्वीरों में वह आंदोलनकारियों के बीच दिखाई दीं।

यही तस्वीरें अब उत्तर प्रदेश की राजनीति में पढ़ी जा रही हैं। वजह साफ है। 2027 का विधानसभा चुनाव अब दूर की बात नहीं है। चुनाव आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में तय समय पर होने हैं। राज्य में 403 विधानसभा सीटें हैं और इस चुनाव का असर सिर्फ लखनऊ तक सीमित नहीं रहेगा। उत्तर प्रदेश का चुनाव देश की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा।समाजवादी पार्टी के लिए 2024 का लोकसभा चुनाव एक बड़ा राजनीतिक मोड़ था। पार्टी ने उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में 37 पर जीत हासिल की, जबकि बीजेपी 33 सीटों पर रह गई और कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 255 सीटें जीती थीं और समाजवादी पार्टी 111 सीटों पर रही थी। यानी 2024 के लोकसभा चुनाव ने राज्य की राजनीतिक जमीन पर विपक्ष के लिए नई संभावनाएं पैदा कर दीं। अब अखिलेश यादव की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक गठजोड़ को 403 विधानसभा सीटों तक कैसे पहुंचाया जाए।यहीं डिंपल यादव की भूमिका सबसे पहले सामने आती है। मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव अब सिर्फ यादव परिवार की राजनीतिक विरासत से जुड़ा चेहरा नहीं रह गई हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने मैनपुरी सीट पर 2,21,639 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। यह जीत बताती है कि उनका व्यक्तिगत राजनीतिक प्रभाव लगातार मजबूत हुआ है। उनका अंदाज अखिलेश यादव की आक्रामक राजनीति से अलग है। वह तीखे भाषणों की जगह संयमित भाषा, महिला मुद्दों और संवेदनशील राजनीतिक छवि के जरिए अपनी जगह बनाती हैं।

बीजेपी की राजनीति में महिला मतदाताओं का महत्व पिछले एक दशक में लगातार बढ़ा है। उज्ज्वला, आवास, शौचालय, राशन और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों के जरिए बीजेपी ने महिलाओं के बीच एक मजबूत राजनीतिक आधार बनाया है। ऐसे में समाजवादी पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह महिला मतदाताओं तक अपनी सीधी पहुंच बनाए। डिंपल यादव इस चुनौती का जवाब बन सकती हैं। उनके पास पार्टी का पारंपरिक आधार है, लेकिन उनकी छवि उस आधार से आगे जाने की क्षमता भी रखती है।दूसरा चेहरा इकरा हसन का है। कैराना से लोकसभा पहुंचीं इकरा हसन पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक अलग तरह की आवाज बनकर उभरी हैं। उनका राजनीतिक अंदाज सीधे सवाल पूछने वाला है। पश्चिमी यूपी में किसान, युवा, शिक्षा, रोजगार और अल्पसंख्यक राजनीति एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। यहां कोई भी राजनीतिक चेहरा तभी मजबूत होता है, जब वह स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय बहस से जोड़ सके। इकरा हसन के सामने यही अवसर है।उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी युवा पहचान है। उत्तर प्रदेश में 2027 का चुनाव उस पीढ़ी के बीच लड़ा जाएगा, जिसके लिए सरकारी नौकरी और प्रतियोगी परीक्षाएं जीवन का सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा हैं। नीट विवाद, पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता पर सवालों ने युवाओं के बीच बेचैनी पैदा की है। जंतर-मंतर का प्रदर्शन इसी असंतोष को राजनीतिक आवाज देने की कोशिश था। ऐसे मुद्दों पर इकरा हसन जैसे चेहरे सीधे युवाओं से जुड़ सकते हैं।

तीसरा चेहरा प्रिया सरोज का है। मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज 18वीं लोकसभा की सबसे युवा सांसदों में शामिल हैं। पीआरएस इंडिया के अनुसार उनकी उम्र 27 वर्ष है और लोकसभा में उनकी उपस्थिति 97 प्रतिशत दर्ज की गई है। यह आंकड़ा उनके संसदीय कामकाज को लेकर उनकी सक्रियता दिखाता है। वह सिर्फ युवा चेहरा नहीं हैं, बल्कि पूर्वांचल के उस सामाजिक और राजनीतिक भूगोल से आती हैं, जहां जातीय प्रतिनिधित्व आज भी चुनावी समीकरणों का सबसे बड़ा आधार है।अखिलेश यादव का पीडीए पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक फॉमूर्ला 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा की राजनीति का केंद्रीय संदेश बना। लेकिन कोई भी राजनीतिक फॉमूर्ला केवल नारों से जमीन पर मजबूत नहीं होता। उसके लिए चेहरे चाहिए। डिंपल यादव महिला और पिछड़े वर्गों के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ा सकती हैं। इकरा हसन अल्पसंख्यक और युवा राजनीति की आवाज बन सकती हैं। प्रिया सरोज वंचित और दलित-पिछड़े सामाजिक समूहों के बीच पार्टी की नई पीढ़ी का चेहरा बन सकती हैं। यही इस तिकड़ी की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत है। यह सिर्फ तीन सांसदों का साथ नहीं है। यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल को जोड़ने वाली संभावित राजनीतिक रेखा है। डिंपल के पास अनुभव और स्वीकार्यता है। इकरा के पास बेबाकी और युवा ऊर्जा है। प्रिया के पास नई पीढ़ी की राजनीतिक पहचान है। अगर सपा इन तीनों चेहरों को अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार सक्रिय करती है, तो यह प्रयोग पार्टी के लिए चुनावी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है।

हालांकि बीजेपी के लिए चुनौती को केवल इन तीन महिला सांसदों की लोकप्रियता से जोड़ना जल्दबाजी होगी। राजनीति में वायरल तस्वीरें वोट में तभी बदलती हैं, जब उनके पीछे संगठन खड़ा हो। 2024 में समाजवादी पार्टी की सफलता के बावजूद 2027 का विधानसभा चुनाव पूरी तरह अलग होगा। लोकसभा चुनाव में मुद्दों का प्रभाव व्यापक होता है, जबकि विधानसभा चुनाव में बूथ स्तर की मशीनरी, स्थानीय उम्मीदवार और जातीय समीकरण निर्णायक होते हैं। सपा को यह साबित करना होगा कि डिंपल, इकरा और प्रिया की लोकप्रियता सिर्फ संसद और सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है।बीजेपी के पास भी मजबूत संगठन, सत्ता का अनुभव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चेहरा है। 2022 में बीजेपी ने 403 में से 255 विधानसभा सीटें जीती थीं। इसलिए सपा के सामने सिर्फ सरकार के खिलाफ माहौल बनाने की चुनौती नहीं है। उसे सत्ता के मजबूत संगठनात्मक ढांचे को चुनौती देनी होगी। यही कारण है कि तीनों महिला सांसदों की भूमिका केवल भाषणों या प्रदर्शनों से तय नहीं होगी। उन्हें गांव, कस्बे, विश्वविद्यालय, महिला समूह और युवा संगठनों के बीच लगातार दिखाई देना होगा।फिर भी जंतर-मंतर की तस्वीर को नजरअंदाज करना बीजेपी के लिए आसान नहीं होगा। क्योंकि इस तस्वीर में तीन ऐसे राजनीतिक संदेश एक साथ दिखाई दिए, जिन पर 2027 का चुनाव टिक सकता है युवा असंतोष, महिला राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक प्रतिनिधित्व। अगर इन तीनों मुद्दों को सपा लगातार जमीन पर ले जाती है, तो अखिलेश यादव का पीडीए फॉमूर्ला केवल जातीय समीकरण नहीं रहेगा, बल्कि नए चेहरों और नए मुद्दों के साथ एक व्यापक राजनीतिक अभियान बन सकता है।

डिंपल यादव की संवेदनशीलता, इकरा हसन की बेबाकी और प्रिया सरोज की युवा ऊर्जा फिलहाल एक राजनीतिक संभावना है। इसे चुनावी ताकत में बदलना समाजवादी पार्टी की रणनीति पर निर्भर करेगा। लेकिन इतना जरूर है कि सोमवार को जंतर-मंतर पर जो तस्वीर बनी, उसने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया सवाल जरूर खड़ा कर दिया है क्या 2027 में बीजेपी के सामने अखिलेश यादव का सबसे बड़ा हथियार सिर्फ पीडीए नहीं, बल्कि उसके साथ खड़ी यह नई महिला राजनीतिक तिकड़ी भी होगी ?उत्तर प्रदेश के चुनाव में अभी कई महीने बाकी हैं। गठबंधन बदलेंगे, उम्मीदवार बदलेंगे, मुद्दे बदलेंगे और चुनावी नारों का रंग भी बदलेगा। लेकिन राजनीति में कुछ तस्वीरें समय से पहले संकेत दे देती हैं। जंतर-मंतर की वह तस्वीर भी शायद ऐसी ही तस्वीर है। अगर समाजवादी पार्टी ने इन तीनों चेहरों को सिर्फ संसद की सीमाओं में बंद नहीं रखा और उन्हें उत्तर प्रदेश की जमीन पर लगातार उतारा, तो डिंपल यादव, इकरा हसन और प्रिया सरोज 2027 के चुनाव में बीजेपी के लिए सिर्फ विपक्षी सांसद नहीं, बल्कि एक ऐसा राजनीतिक मोर्चा बन सकती हैं, जिसे नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

'नए भारत' के 'नए यूपी' में किसी विदेशी आक्रांता का स्मारक या मेला नहीं होगा : मुख्यमंत्री योगी

बहराइच में 352 करोड़ की 70 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, 7,000 करोड़ के फोरलेन कॉरिडोर की घोषणा; बोले- अब सुहेलदेव के नाम पर होंगे भव्य आयोजन

समाज जागरण

बहराइच, 21 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बहराइच के महसी और नानपारा विधानसभा क्षेत्रों को 352 करोड़ रुपये से अधिक की 70 विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए कहा कि 'नए भारत' के 'नए उत्तर प्रदेश' में किसी विदेशी आक्रांता का स्मारक या उसके नाम पर मेला स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बहराइच में अब गाजी मियां के नाम पर नहीं, बल्कि महाराजा सुहेलदेव के नाम पर भव्य मेले और आयोजन होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने महाराजा सुहेलदेव जैसे महान राष्ट्रनायक की उपेक्षा की और विदेशी आक्रांता सालार मसूद (गाजी मियां) के नाम पर मेले आयोजित कराए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने इस परंपरा को समाप्त कर महाराजा सुहेलदेव के सम्मान को पुनर्स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि चित्तौरा में महाराजा सुहेलदेव का भव्य स्मारक भी इसी सोच का परिणाम है।

बहराइच बना 'इंस्परेशनल डिस्ट्रिक्ट'

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी पिछड़े जिलों में गिने जाने वाला बहराइच अब तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। नीति आयोग की नई रैंकिंग में जनपद ने बुनियादी ढांचे में पहला, कृषि में दूसरा और शिक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर नीति आयोग ने जिले को 21 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता भी दी है। उन्होंने कहा कि बहराइच अब एस्पिरेशनल नहीं, इंस्परेशनल डिस्ट्रिक्ट बन चुका है।

7,000 करोड़ के फोरलेन कॉरिडोर से बदलेगी तस्वीर

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 102 किलोमीटर लंबे बाराबंकी-बहराइच एक्सेस कंट्रोल्ड फोरलेन कॉरिडोर के निर्माण के लिए 7,000 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा घाघरा (सरयू) नदी पर बाढ़ सुरक्षा की 22 परियोजनाओं के लिए 115 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। नेपाल सीमा स्थित रुपईडीहा में इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जबकि बहराइच-खलीलाबाद रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य भी जारी है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और पुनर्वास पर भी जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज, ऋषि बालार्क अस्पताल, 12 कस्तूरबा विद्यालयों का इंटर स्तर तक उन्नयन, 32 नए राजकीय हाईस्कूल और इंटर कॉलेज, दो राजकीय बालिका इंटर कॉलेज तथा दो मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण कराया जा रहा है। भरथापुर में 500 विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के लिए नई कॉलोनी भी विकसित की जा रही है।

सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकारों का ध्यान विकास की बजाय तुष्टिकरण और परिवारवाद पर रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौर में कानून व्यवस्था खराब थी, दंगे होते थे और विकास कार्य प्रभावित रहते थे। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति लागू है और बेटियों व व्यापारियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वन्यजीवों से सतर्क रहने की अपील

कतर्नियाघाट वन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने लोगों से टाइगर, तेंदुआ, मगरमच्छ और अन्य वन्यजीवों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने वन विभाग और प्रशासन को गश्त बढ़ाने, प्रकाश व्यवस्था बेहतर करने और ग्रामीणों को जागरूक करने के निर्देश दिए।

मुख्य बातें

352 करोड़ रुपये की 70 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास।
'नए यूपी' में विदेशी आक्रांताओं के नाम पर स्मारक या मेला नहीं होगा।
महाराजा सुहेलदेव के नाम पर भव्य मेले और आयोजन कराने की घोषणा।
बाराबंकी-बहराइच फोरलेन कॉरिडोर के लिए 7,000 करोड़ रुपये स्वीकृत।
नीति आयोग की रैंकिंग में बहराइच बुनियादी ढांचे में प्रथम स्थान पर।
जिले को 21 करोड़ रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि।
मेडिकल कॉलेज, स्कूल, बाढ़ सुरक्षा, रेल लाइन और लॉजिस्टिक कॉरिडोर सहित कई विकास परियोजनाओं का उल्लेख।
अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति दोहराई।
वन्यजीव प्रभावित क्षेत्रों में लोगों से सतर्क रहने की अपील।

वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की पांच मोटरसाइकिल और अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण

नोएडा। थाना इकोटेक प्रथम पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की पांच मोटरसाइकिल तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान जसवंत उर्फ भोला पुत्र ओमवीर सिंह (35 वर्ष) निवासी फतेहगढ़, थाना अहमदगढ़, जनपद बुलंदशहर (वर्तमान निवासी ग्राम लुक्सर, थाना इकोटेक प्रथम, गौतमबुद्धनगर) के रूप में हुई है। उसे निमार्णाधीन तिराहा, ग्राम लुक्सर के पास से गिरफ्तार किया गया।
पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 317(2), 317(5), 345(3) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। बरामद मोटरसाइकिलों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है तथा आरोपी के अन्य आपराधिक मामलों और संभावित साथियों के बारे में भी जांच की जा रही है।

पीसी-पीएनडीटी अधिनियम का सख्ती से हो पालन, फायर एनओसी समय से कराएं नवीनीकरण: डीएम

पीसी-पीएनडीटी समिति की समीक्षा बैठक में 10 अस्पतालों व 23 अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नवीनीकरण पर चर्चा, श्रमिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 21 जुलाई। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पीसी-पीएनडीटी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में 50 बेड से अधिक क्षमता वाले 10 अस्पतालों और 23 अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नवीनीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। इस दौरान पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी अनुपालन और स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।
बैठक में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. चंदन सोनी ने नवीनीकरण से संबंधित प्रस्तावों की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन अस्पतालों और अल्ट्रासाउंड केंद्रों ने अभी तक फायर एनओसी का नवीनीकरण नहीं कराया है, वे इसे प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करें। उन्होंने कहा कि उपजिलाधिकारी के स्थलीय निरीक्षण और जांच के बाद नियमानुसार नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

जिलाधिकारी ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी को निर्देशित किया कि संबंधित संस्थानों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर समयबद्ध तरीके से फायर एनओसी का नवीनीकरण सुनिश्चित कराया जाए।
उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों एवं अल्ट्रासाउंड केंद्रों में महिला मरीजों के लिए चेंजिंग रूम, पीसी-पीएनडीटी अधिनियम से संबंधित चेतावनी बोर्ड, सीसीटीवी कैमरे तथा अधिकृत चिकित्सक का फोटो अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिनियम के उल्लंघन अथवा शिकायत मिलने पर संबंधित केंद्र के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।
बैठक में अस्पताल संचालकों को श्रमिक बहुल क्षेत्रों की पहचान कर एक सप्ताह के भीतर स्वास्थ्य शिविरों की कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। शिविरों में श्रमिकों और उनके परिवारों को उपलब्ध कराई जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का स्पष्ट विवरण देने तथा गंभीर मरीजों को अस्पतालों से जोड़कर उनके उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।
जिलाधिकारी ने कहा कि पीसी-पीएनडीटी अधिनियम का प्रभावी पालन, अस्पतालों में निर्धारित मानकों का अनुपालन और श्रमिकों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभागों और संस्थानों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करना होगा।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, एसडीएम न्यायिक दादरी पूर्वा शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी आर.के. सिरोहा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य बातें

10 अस्पतालों और 23 अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नवीनीकरण प्रस्तावों की समीक्षा।
फायर एनओसी का समयबद्ध नवीनीकरण कराने के निर्देश।
अस्पतालों में महिला चेंजिंग रूम, सीसीटीवी और चेतावनी बोर्ड अनिवार्य।
पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई।
श्रमिक बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाने की कार्ययोजना एक सप्ताह में मांगी गई।
गंभीर मरीजों को अस्पतालों से जोड़कर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का करें व्यापक प्रचार, लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करें: डीएम

समीक्षा बैठक में लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश, अब प्रति जोड़ा एक लाख रुपये की मिलेगी सहायता

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 21 जुलाई। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना की प्रगति, शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक पात्र जोड़ों के आवेदन प्राप्त कर लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी ने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर को योजना के तहत 40 जोड़ों का लक्ष्य मिला है। इसके लिए सभी अधिशासी अधिकारियों,

खंड विकास अधिकारियों एवं जिला पंचायत को विशेष अभियान चलाकर पात्र लाभार्थियों के आवेदन कराने के निर्देश दिए गए हैं।
बैठक में नवीन शासनादेश की जानकारी देते हुए बताया गया कि अब प्रति जोड़ा उपहार सामग्री पर 21 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। पहले चांदी के सामान के लिए निर्धारित 4 हजार रुपये की राशि समाप्त कर इसे सीधे लाभार्थी कन्या के बैंक खाते में भेजा जाएगा। इससे बैंक खाते में मिलने वाली सहायता राशि 60 हजार से बढ़ाकर 64 हजार रुपये कर दी गई है। विवाह आयोजन के लिए 15 हजार रुपये की राशि पूर्ववत रहेगी। इस प्रकार प्रति जोड़ा कुल एक लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।
समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्तमान में योजना के तहत 07 आवेदन लंबित हैं, जिनमें नगर पंचायत दनकौर के 2, विकासखंड बिसरख के 4 तथा नगर पालिका परिषद दादरी का 1 आवेदन शामिल है। जिलाधिकारी ने सभी लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर सत्यापन कर पात्र जोड़ों का विवाह समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

मुख्य बातें

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की समीक्षा बैठक आयोजित।
जनपद को 40 जोड़ों का लक्ष्य आवंटित।
प्रति जोड़ा 1 लाख रुपये की सहायता मिलेगी।
कन्या के बैंक खाते में 64 हजार रुपये सीधे हस्तांतरित होंगे।
7 लंबित आवेदनों का शीघ्र सत्यापन कर निस्तारण के निर्देश।
योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार और लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति पर जोर।

बैठक में तहसीलदार जेवर प्रतीक चौहान, ईओ दादरी शालिनी गुप्ता, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

बीमा पॉलिसी के नाम पर साइबर ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नामी बीमा कंपनी का एजेंट बनकर लोगों को लगाते थे चूना, लैपटॉप और 8 मोबाइल बरामद; 10 लाख रुपये की ठगी का खुलासा

समाज जागरण

नोएडा। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने बीमा पॉलिसी के नाम पर लोगों से साइबर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक लैपटॉप, चार स्मार्टफोन और चार की-पैड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और तकनीकी जांच के आधार पर नोएडा से गिरफ्तार किया गया।
पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमिरुद्दीन (34) और मुशीर अंजुम (32), निवासी शाहीन बाग, दिल्ली के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों नामी बीमा कंपनियों का एजेंट बनकर लोगों को अधिक मुनाफे और मैच्योरिटी का झांसा देते थे तथा उनके बैंक खातों में रकम जमा कराकर धोखाधड़ी करते थे। वारदात के बाद इस्तेमाल किए गए सिम कार्ड तोड़कर फेंक देते थे ताकि पहचान न हो सके। जांच में पता चला है कि आरोपियों ने विभिन्न म्यूल बैंक खातों के माध्यम से अब तक करीब 10

लाख रुपये की ठगी की है। इन खातों के संबंध में एनसीआरपी पोर्टल पर तमिलनाडु, महाराष्ट्र और ओडिशा से कुल सात शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 319(2), 338, 238(सी) तथा आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

10 लाख की स्मैक के साथ युवती गिरफ्तार, झुग्गी और फैक्ट्री क्षेत्रों में करती थी सप्लाई

समाज जागरण

नोएडा। थाना फेस-1 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 280 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक युवती को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने स्मैक बिक्री के 4,200 रुपये नकद भी बरामद किए हैं।
पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्ता की पहचान अफसाना उर्फ बेबी पुत्री सिकंदर (19 वर्ष), निवासी जे.जे. कॉलोनी, सेक्टर-9, थाना फेस-1, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। उसे सेक्टर-8 क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में अभियुक्ता ने बताया कि वह अपनी बुआ नूरी के कहने पर स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर झुग्गी-झोपड़ियों और फैक्ट्री क्षेत्रों में बेचती थी। पुलिस के अनुसार नूरी इस मामले में वांछित है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने अभियुक्ता के खिलाफ धारा 8/21(सी)/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही पूरे तस्करी नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

घरों में चोरी करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार, अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण

नोएडा। थाना बीटा-2 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए घरों में चोरी करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान विमल उर्फ बिट्टू भाटी पुत्र नबाब सिंह, निवासी ग्राम मसौता, थाना सिकंदराबाद, जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई है। उसे एनपीसीएल कार्यालय के सामने से गिरफ्तार किया गया।
पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर बंद पड़े मकानों की रेकी करता था और मौका मिलते ही सोने-चांदी के आभूषण तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाता था। पकड़े जाने के डर से वह अपने साथ अवैध हथियार भी रखता था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने कुछ समय पहले थाना दादरी और बीटा-2 क्षेत्र में हुई मकान चोरी की घटनाओं

में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इस मामले में उसके गिरोह के अन्य सदस्यों को 19 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनके कब्जे से करीब 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद हुए थे।
पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके आपराधिक इतिहास की जांच करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एंबुलेंस में गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 64 किलो गांजा के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण

नोएडा। थाना फेस-1 पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 64 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 13 लाख रुपये बताई जा रही है, तथा तस्करी में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की मारुति इको एंबुलेंस बरामद की है।
पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओमवीर सिंह पुत्र श्यामलाल, निवासी ग्राम नागर, थाना अछनेरा, जनपद आगरा (उम्र 48 वर्ष) के रूप में हुई है। उसे झुंडपुरा बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उड़ीसा से विशेष किस्म का गांजा एंबुलेंस में छिपाकर लाता था। एंबुलेंस होने के कारण टोल प्लाजा और पुलिस चेकिंग में आसानी से निकल जाता था। इसके बाद वह दिल्ली में गांजे को

छोटे-छोटे पैकेट बनाकर सप्लाई करता था और उससे होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल अपने शौक पूरे करने में करता था।
पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

इकोटेक-2 के उद्योग विहार एक्सटेंशन में शुरू हुआ डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण

औद्योगिक क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को मिलेगी गति, इकोटेक-2 को आदर्श औद्योगिक सेक्टर के रूप में विकसित करने की तैयारी

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उद्योग विहार एक्सटेंशन, इकोटेक-2 में मंगलवार से डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन सेवा शुरू कर दी है। इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (आईबीए) की लंबे समय से चली आ रही मांग पर प्राधिकरण ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यह सुविधा शुरू कराई है। उद्यमियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए प्राधिकरण का आभार जताया।
प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने सेवा की शुरूआत कराई। इस दौरान एजीएम आर.डी. पांडेय, वरिष्ठ प्रबंधक (स्वास्थ्य) चेतराम सिंह, स्वास्थ्य एवं वर्क सर्किल की टीम तथा आईबीए अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय, कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, वरिष्ठ उद्यमी चंचल कुमार और जेड रहमान सहित अन्य उद्यमी मौजूद रहे। इस अवसर पर प्राधिकरण की टीम ने उद्योग विहार एक्सटेंशन का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान सफाई, कूड़ा निस्तारण, ड्रेनेज व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को एक सप्ताह के भीतर

बेहतर करने का आश्वासन दिया गया। प्राधिकरण ने क्षेत्र में सड़क सुधार, अतिक्रमण हटाने, पौधरोपण, ग्रीन बेल्ट विकास, स्ट्रीट लाइट, श्रमिक सुविधा केंद्र और सार्वजनिक शौचालय जैसी सुविधाएं विकसित कर इकोटेक-2 को आदर्श औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना पर भी चर्चा की।
आईबीए अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय ने उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और प्राधिकरण की पूरी टीम की सराहना की। वहीं एसीईओ ने बताया कि जल्द ही अन्य औद्योगिक सेक्टरों में भी चरणबद्ध तरीके से डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन सेवा शुरू की जाएगी।

अब सेक्टरों में पहुंचेगी प्राधिकरण की टीम, मौके पर सुनेंगी समस्याएं और करेंगी समाधान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने आवासीय सेक्टरों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नया अभियान शुरू किया है। सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर गठित प्राधिकरण की टीम अब प्रत्येक सेक्टर में जाकर निवासियों की शिकायतें सुनेगी और उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करेगी। इस अभियान की शुरूआत मंगलवार को सेक्टर अल्फा-1 से हुई।
सीईओ के निर्देश पर एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट के लिए प्रोजेक्ट, स्वास्थ्य, उद्यान, विद्युत एवं जल-सीवर विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की है। टीम नियमित रूप से विभिन्न सेक्टरों का दौरा करेगी।
मंगलवार को परियोजना विभाग के डीजीएम विजय कुमार रावल के नेतृत्व में टीम ने सेक्टर अल्फा-1 का निरीक्षण किया। इस दौरान सेक्टर की आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष शेर सिंह भाटी एवं अन्य पदाधिकारियों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया।

फिरोजाबाद में फार्मर रजिस्ट्री अभियान तेज, 85% किसानों का पंजीकरण पूरा, हर गुरुवार लगेंगे विशेष शिविर

समाज जागरण

फि रोजाबाद । जिलाधिकारी द्वारा जारी संशोधित आदेशानुसार जनपद में शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य 3,03,341 के सापेक्ष अब तक 2,56,797 (85%) किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण की जा चुकी है। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि भविष्य में उर्वरक, बीज, पीएम-किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न शासकीय अनुदान एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री को अनिवार्य कर दिया गया है। अवशेष कृषकों को आच्छादित करने के उद्देश्य से जनपद में प्रत्येक गुरुवार को विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है।

प्रत्येक गुरुवार को प्रातः 07:00 बजे से सायंकाल 06:00 बजे तक ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सचिवालय, जनसुविधा केंद्र (CSC) अथवा सार्वजनिक स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे।

तहसील सदर, टूंडला, शिकोहाबाद, जसराना एवं सिरसागंज में उप ज़िलाधिकारी , तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को सुपर नोडल व नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

जनपद के ऐसे 289 गांव जहाँ फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति कम है, वहाँ विशेष टीम लगाकर कृषकों की खतौनी, नाम मैपिंग एवं अंश निर्धारण की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराया जाएगा।

शिविर में कार्यरत प्रत्येक वीएलई / जनसेवा केंद्र संचालक प्रतिदिन न्यूनतम 60 फार्मर रजिस्ट्री तैयार करना सुनिश्चित करेंगे।

शिविर स्थल पर फार्मर रजिस्ट्री के साथ-साथ पात्र परिवारों की फैमिली आईडी तथा आयुष्मान कार्ड भी तैयार किए जाएंगे। फैमिली आईडी का पर्यवेक्षण संबंधित खण्ड विकास अधिकारी एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण का पर्यवेक्षण मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा किया जाएगा। अभियान की दैनिक समीक्षा एवं निगरानी हेतु विकास भवन में एक नियंत्रण कक्ष क्रियाशील किया गया है, जिसका संचालन जिला कृषि अधिकारी के स्तर से प्रातः 06:00 बजे से सायंकाल 08:00 बजे तक किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी नामित अधिकारी, कर्मचारी, लेखपाल, ग्राम विकास अधिकारी, कृषि विभाग के तकनीकी सहायक, सीएससी ऑपरेटर व संबंधित कार्मिक अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। यदि किसी भी स्तर पर कार्य में लापरवाही या शिथिलता पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 337 जोड़े शादी के पवित्र बंधन में बंधे।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आज 337 जोड़े जब परिणय सूत्र में बंधें तो गंगा-जमुना तहजीब का यह अनुपम दृश्य हर किसी के दिल को छू गया, शायद ही इन गरीबों परिवारों और नव दंपतियों ने कभी यह कल्पना की होगी कि उनकी शादी का यह पवित्र समारोह इतने भव्य और सम्मानजनक तरीके से जे०एम०आर० रिजॉर्ट इन्दुमयी में आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रशासन द्वारा यह निरंतर प्रयास किया जा रहा है कि गरीब परिवारों को सम्मान और अधिकार मिले, जिसके वह सही मायनों में हकदार है, जिला प्रशासन ने पूरी संवेदनशीलता और आत्मीयता के साथ इन बेटियो के विवाह का आयोजन संपन्न कराया, ताकि उनके जीवन में खुशियों का नया सवेरा आ सके और वह सम्मान पूर्वक अपने नए जीवन की शुरूआत कर सकें, इस भव्य आयोजन में 274 हिंदू परिवार की बेटियों का विवाह कराया गया, जबकि 63

मुस्लिम परिवारों की बेटियों का निकाह संपन्न कराया गया।

सरकार द्वारा प्रत्येक जोड़े के लिए एक लाख धनराशि की व्यवस्था की गई है, जिसमें 64 हजार सीधे कन्या के खाते में जमा किए जाएंगे, जबकि 21 हजार की उपहार सामग्री प्रदान किए जाते हैं, शेष धनराशि कार्यक्रम के आयोजन, भोजन तथा टेंट पंडाल आदि की व्यवस्था में खर्च की जाती हैं।

इस मांगलिक अवसर पर बोलते हुए टूंडला विधायक प्रेमपाल धनगर ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से उन गरीब माता-पिता की चिंता दूर हुई है जो अपनी बेटियों व बच्चों की शादी के खर्च को लेकर परेशान रहते थे, हमारी सरकार का यह प्रयास है कि गरीब बेटियों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव उपस्थित हो।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने कहा कि आज 337 जोड़ों ने दंपति जीवन में प्रवेश किया है इसलिए मैं उनके नवजीवन हेतु उन्हें बधाई देता हूं और मेरी यह उम्मीद है कि नव दंपति अपने जीवन में सद्भाव और सहयोग के साथ जीवन यापन करेंगे।

इस अवसर पर विभिन्न स्कूल की आई हुई बच्चियों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह के दौरान अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहनलाल गुप्ता, परियोजना निदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी, उपनिदेशक कृषि सत्येंद्र सिंह, डीसी मनरेगा तूलिका श्रीवास्तव, बीएसए अनिल कुमार, खंड विकास अधिकारी नवीन कुमार आदि मौजूद रहे।

एस एस पी ने कावड़ यात्रा मार्ग का किया निरीक्षण।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। कांवड़ यात्रा मार्ग का सोमवार रात एसएसपी ने पुलिस फोर्स के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें यात्रा मार्ग पर निरंतर निगरानी

और पुलिस गश्त के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखने के साथ पुलिस तैनात की जाए।

एसएसपी आदित्य लांग्हे ने सोमवार रात 11 बजे टूंडला क्षेत्र से प्रारंभ होकर थाना पचोखरा, थाना रजावली, जनपद एटा बार्डर, थाना नारखी क्षेत्र से होते हुए ककरऊ, कोठी कोटला एवं आसफाबाद चौराहे तक संपूर्ण कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान पूरे कांवड़ मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, संवेदनशील स्थलों, बैरिकेडिंग, डायवर्जन व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। कांवड़ मार्ग पर निरंतर पुलिस गश्त एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए, संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए निर्धारित डायवर्जन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। इसके अतिरिक्त असामाजिक एवं अराजक तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न होने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान सीओ टूंडला अरुण चौरसिया, इंस्पेक्टर टूंडला बैजनाथ सिंह, रजावली थानाध्यक्ष बृज किशोर सिंह, थानाध्यक्ष नारखी राकेश गिरी उपस्थित रहे।

गढ़ी गोपालमे कम्पोजिट विद्यालय पर बैठक का आयोजन।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। टूंडला विकास खण्ड के कम्पोजिट विद्यालय गढ़ी गोपाल में शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन उत्साह एवं सहभागिता के साथ संपन्न हुआ। बैठक में एसआरजी डॉ. जया शर्मा एवं सुभाष चंद्र की उपस्थिति में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नवाचार और शिक्षक नेतृत्व को सशक्त बनाने पर सार्थक चर्चा की गई।

बैठक में सरिता शर्मा ने 10 प्रभावी शिक्षण पद्धतियों, नीलेश ने Catch-up शिक्षण तथा संकुल शिक्षक संजय यादव ने छात्रों में पठन संस्कृति (Reading Culture) के विकास पर व्यवहारिक एवं प्रेरक प्रस्तुतियाँ देकर शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों से अवगत कराया।

इस अवसर पर एसआरजी डॉ. जया शर्मा ने Catch-up कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि समूह आधारित गतिविधियों एवं

सहभागितापूर्ण शिक्षण के माध्यम से प्रत्येक बच्चे तक पहुँच बनाकर निर्धारित लर्निंग आउटकम प्रभावी ढंग से प्राप्त किए जा सकते हैं। वहीं सुभाष चंद्र ने शिक्षक संकुल बैठकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मंच शिक्षकों के अनुभव, नवाचार और श्रेष्ठ शिक्षण प्रथाओं के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी शिक्षकों को निरंतर सीखने, सहयोगात्मक कार्य संस्कृति अपनाने तथा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया। बैठक के अंत में सभी शिक्षकों ने नवाचार, सहयोगात्मक अधिगम और उत्कृष्ट शिक्षण संस्कृति को विद्यालयों में सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि जब शिक्षक साथ सीखते हैं, तभी विद्यालय बदलते हैं और समाज प्रगति की नई दिशा प्राप्त करता है। यह संकुल बैठक शिक्षकों के लिए सीखने, साझा करने और विद्यालयों में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रेरणादायी मंच साबित हुई।

बैठक में वैभव मणि,शशि भूषण, प्रतिष्ठा शर्मा,अतुल अग्रवाल,हाकिम सिंह,महावीर पुष्कर,दिनेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कर्णवास की जात में गई किशोरी को सांप ने डसा, झाड़-फूंक में गंवाया समय, अस्पताल पहुंचने से पहले गई जान

समाज जागरण

बबराला नगर में कर्णवास की जात करने गई 13 वर्षीय किशोरी की सांप के डसने से मौत हो गई। रात में सांप के काटने के बाद परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक और तंत्र-मंत्र के भरोसे रहे। जब तक उसे चिकित्सालय पहुंचाया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक घटना से पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

नगर के रेलवे क्रॉसिंग लाइन पार स्थित शिवपुरी मोहल्ला निवासी रामकिशन की 13 वर्षीय पुत्री वंशिका सोमवार शाम अपनी दादी मालती देवी और पड़ोसियों के साथ कर्णवास में जात करने गई थी। रात में सभी लोग एक प्रसाद विक्रेता की झोपड़ी में विश्राम कर रहे थे। वंशिका

अपनी दादी और अन्य महिलाओं के बीच सो रही थी। तभी रात करीब नौ बजे किसी ओर से एक विषैला सांप झोपड़ी में घुस आया और सो रही वंशिका के पैर में डस लिया।

परिजनों के अनुसार, रात में घटना के बाद सुबह वंशिका को घर लाया गया, जहां ओझा-तांत्रिकों से झाड़-फूंक कराई गई। हालत बिगड़ने पर उसे बहजोई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

वंशिका की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह घर की सबसे बड़ी संतान थी। उसकी छोटी बहन तान्या अब अकेली रह गई है। पिता रामकिशन पिछले दो वर्षों से लापता हैं। ऐसे में मां कुसुम और दादी मालती देवी पर बेटी की असमय मौत ने गहरा आघात पहुंचाया है। घर में मातम पसरा है और मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई।

यह घटना एक बार फिर इस बात की गंभीर याद दिलाती है कि सांप के डसने पर झाड़-फूंक नहीं, बल्कि तत्काल अस्पताल पहुंचकर उपचार ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी और वैज्ञानिक उपाय है। थोड़ी-सी देरी भी जानलेवा साबित हो सकती है।

महिला स्वास्थ्य कर्मी द्वारा धमकी देने के बाद स्वास्थ्यकर्मी की हालत बिगड़ी।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से संबंधित सरकारी ट्रामासेंटर मैं बिगत 5 दिन पूर्व स्वास्थ्य कर्मियों में आपस में कहां सुनी हो गई थी। जिसमें महिला स्वास्थ्यकर्मी द्वारा झूठा मुकदमा कराने की धमकी के बाद स्वास्थ्यकर्मी की हालत बिगड़ गई परिजनों उसे उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए जहां से उसे एम आई सीयू वार्डमे रेफर कर दिया है।

ट्रामा सेंटर इंचार्ज वीरेश कुमार की विगत 5 दिन पूर्व परमानेंट महिला स्वास्थ्य कर्मी से कहां सुनी हो गई थी जिसमें महिला स्वास्थ्य कर्मी ने वीरेश से कहा मुकदमा तुम्हारे खिलाफ लिखवा दूंगी यह सुनकर वीरेश मानसिक तनाव में आ गया परिजनों के अनुसार उसे दौरे पडने लगे जिसे परिजनों मे हड़कंप मच गया वहां उसे आनंन-फानन में उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे 200 सैया स्थित एम आई सीयू विभाग में रेफर कर दिया जहां उसका उपचार जारी है।

15 अगस्त से लागू होगी नगर निकायों की ओटीएस योजना, ब्याज व सरचार्ज पर मिलेगी 100 प्रतिशत छूट

समाज जागरण

गुन्नौर और बबराला नगर पंचायतों सहित प्रदेश के सभी नगर निकायों में गृहकर, जलकर एवं सीवरकर के बकायेदारों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। उत्तर प्रदेश शासन ने एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू करने का निर्णय लिया है। यह योजना 15 अगस्त से 15 दिसंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी, जिसके तहत बकाया कर जमा करने पर ब्याज एवं सरचार्ज में शत-प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी।

नगर पंचायत बबराला के अधिशासी अधिकारी अमरेश तिवारी ने बताया कि योजना का उद्देश्य करदाताओं को राहत प्रदान करने के साथ-साथ नगर निकायों के लंबित राजस्व की प्रभावी व समयबद्ध वसूली सुनिश्चित करना है। योजना का लाभ 1 अप्रैल 2026 तक के बकाया गृहकर, जलकर एवं सीवरकर पर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत करदाता मूल बकाया राशि जमा कर ब्याज एवं सरचार्ज की पूरी छूट प्राप्त कर सकेंगे। यदि किसी करदाता पर अधिक बकाया है तो उसे अधिकतम तीन किस्तों में भुगतान करने की सुविधा भी दी जाएगी। पहली किस्त योजना लागू होने के 30 दिनों के भीतर जमा करनी होगी, जबकि शेष राशि दो मासिक किस्तों में अदा की जा सकेगी। ईओ ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन किया जा सकेगा। नगर निकायों द्वारा विशेष शिविर लगाकर नागरिकों को योजना की जानकारी दी जाएगी तथा आवेदन प्रक्रिया में सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे शासन की इस राहतकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में अपना बकाया कर जमा करें, जिससे ब्याज और सरचार्ज से पूर्ण छूट का लाभ मिल सके तथा अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से भी बचा जा सके।

नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर बंद रहने से यात्री परेशान

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर आज सुबह से रिजर्वेशन काउंटर बंद रहने के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अपने-अपने गंतव्य के लिए यात्रा करने वाले यात्रियों का आरक्षण नहीं हो पाने से स्टेशन पर असंतोष और नाराजगी का माहौल बना हुआ है।

इस संबंध में भाजपा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता रितेश सैन ने रेलवे के उच्च अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से समस्या से अवगत कराया। अधिकारियों ने जल्द से जल्द समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

रितेश सैन ने बताया कि उच्च

अधिकारियों ने यह भी कहा कि इस प्रकार की स्थिति में स्टेशन मास्टर को तत्काल अधिकारियों को अवगत कराना चाहिए। उनका आरोप है कि स्टेशन स्तर पर समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया, जिसके कारण यात्रियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और उनमें भारी आक्रोश व्याप्त है।

यात्रियों ने मांग की है कि रेलवे प्रशासन रिजर्वेशन काउंटर को शीघ्र संचालित कराए तथा भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो, इसके लिए आवश्यक और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करे। भाजपा नेता रितेश सैन ने कहा कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो यात्रियों के हित में रेलवे के सक्षम अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को और मजबूती से उठाया जाएगा।

राह चलती युवतियों पर अश्लील फब्तियां कसने वाला शोहदा गिरफ्तार

समाज जागरण

बबराला कस्बा में राह चलती महिलाओं और युवतियों पर अश्लील फब्तियां कसने व अभद्र इशारे करने वाले एक युवक को बबराला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296 के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, रविवार शाम उपनिरीक्षक आकाश कुमार महिला कांस्टेबल निशा रानी और मीनाक्षी सिंह के साथ कस्बा बबराला में वांछित अपराधियों की तलाश एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान शंभू दयाल वाली पुलिया के पास एक युवक राह गुजर रही महिलाओं और युवतियों पर अश्लील इशारे करते हुए अभद्र गाने गा रहा था।

पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम हैदर पुत्र नसीम अहमद, निवासी मोहल्ला धोबी, कस्बा बबराला, थाना बबराला, जिला संभल, उम्र 19 वर्ष बताया। तलाशी में उसके पास से 150 रुपये बरामद हुए, जिन्हें मौके पर ही वापस कर दिया गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने महिलाओं पर अश्लील इशारे करने और अभद्र गीत गाने की बात स्वीकार की तथा माफी मांगने लगा। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर बीएनएस की धारा 296 के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तारी के दौरान उच्चतम न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन किया गया तथा आरोपी के परिजनों को भी नियमानुसार सूचना देने की कार्रवाई की गई।

जल संचयन व संचारी रोगों से बचाव की जानकारी दी एवं जागरूक किया

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नजीबाबाद । साहनपुर स्थित राजा चरत सिंह इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने विद्यार्थियों को जल संचयन व संचारी रोगों से बचाव की जानकारी दी। प्रधानाचार्य ने कहा कि अत्यधिक दोहन के कारण भूगर्भ जल में निरंतर गिरावट आ रही है। अगर समय रहते जल संचयन और संरक्षण नहीं किया गया तो भविष्य में बूंद बूंद पेयजल को हम तरस जाएंगे। इस बरसात के मौसम में जल संचयन करना है। स्वयं जागरूक रहते हुए दूसरों को जागरूक करना है।

प्रधानाचार्य ने संचारी रोगों से बचाव हेतु स्वच्छ परिवेश बनाने और जल ठहराव न होने देने के बारे में बताया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से जल संचयन,संरक्षण व संचारी रोगों के प्रति जागरूक किया। अरुण दीक्षित, अनीता त्यागी, योगाचार्य अरुण राजपूत, महक, दिया, राधिका, अभिषेक मौजूद रहे।

आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही पर जिलाधिका सख्त

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता मे आईजीआरएस एवं फैमिली आईडी की प्रगति की ऑनलाइन समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

आईजीआरएस की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि कतिपय विभागों द्वारा शिकायतों पर शत-प्रतिशत असंतोषजनक फीडबैक प्राप्त हुए हैं। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा औपचारिकता स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयावधि के भीतर तथ्यों के आधार पर गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण से पूर्व संबंधित अधिकारी स्वयं स्थलीय सत्यापन कर शिकायतकर्ता की समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें, ताकि शिकायतों की पुनरावृत्ति न हो।

फैमिली आईडी योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर जिलाधिकारी द्वारा खंड विकास अधिकारी जलीलपुर, अफजलगढ़, कोतवाली एवं नूरपुर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान चलाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने तथा कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी जसजीत कौर के निदेशों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, खाद्य पदार्थों के 13 नमूने जांच हेतु भेजे गए

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर जिलाधिकारी जसजीत कौर के निदेशों के अनुपालन में जनपद बिजनौर में आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर व्यापक जांच एवं प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में विभागीय टीम ने जनपद के विभिन्न कांवड़ मार्गों पर स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य कारोबारकताओं को स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए जागरूक किया। साथ ही कांवड़ यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 13 नमूने संग्रहित कर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए।

अभियान के दौरान तहसील चांदपुर से मावा के 5 नमूने, मिश्रित दूध एवं चमचम का एक-एक नमूना, तहसील बिजनौर से तैयार चाय का एक नमूना, नगर पालिका नजीबाबाद क्षेत्र से मावा का एक नमूना, तहसील नगीना से मैकरोनी, घेवर एवं बेसन

का एक-एक नमूना तथा तहसील धामपुर से ब्रिटानिया न्यूट्रीचॉइस बिस्कुट का एक नमूना लिया गया। सभी नमूनों को परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने खाद्य कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा एवं मानकों का पूर्णतः पालन करने तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की अपील की।

इस दौरान विभाग द्वारा विशेष रूप से कुट्टू के आटे के संबंध में खाद्य कारोबारियों को जागरूक करते हुए निर्देशित किया गया कि पुराने अथवा खुले कुट्टू के आटे का विक्रय न करें। उच्च प्रोटीन युक्त होने के कारण कुट्टू के आटे में नमी एवं फफूंद लगने की संभावना अधिक रहती है। पैक्ड कुट्टू के आटे का उपयोग उसकी निर्धारित वैधता अवधि, विशेषकर पैकिंग के सात दिनों के भीतर ही करने की सलाह दी गई।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह विशेष अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा मिलावट एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पर मिला वृद्ध अधेड महिला का अज्ञात शव, शिनाख्त नहीं

समाज जागरण

बबराला थाना क्षेत्र के अलीगढ़ चंदौसी रेलवे लाइन किनारे गांव फिरोजपुर के जंगल में मंगलवार की दोपहर रेलवे ट्रक के किनारे एक अज्ञात अधेड महिला का शव मिला। इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। हर बिंदु पर जांच कर अग्रिम कार्रवाई होगी। और पीएम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। सूचना मिलते ही

स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी । मौके पर मौजूद लोगों से और आसपास के गांवों में पूछताछ के बावजूद अज्ञात अधेड महिला की पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन महिला की पहचान नहीं हो सकी। मृतक महिला की उम्र लगभग 50 वर्ष बताई जा रही है।

बबराला थानाध्यक्ष लवनीश चौधरी ने बताया कि अज्ञात महिला के शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी के लिए भेज दिया गया है। और शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम रिपोर्ट व मृतक महिला की पहचान होने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बछड़े को गुलदार ने बनाया अपना निवाला

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर। क्षेत्र में गुलदार का आतंक बढ़ता ही जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। सोमवार की रात मीरापुर तिराहे से कोहरपुर देवता स्थल के पास रोशन के खेत में गुलदार ने एक बछड़े को अपना निवाला बना लिया। इससे पहले मीरापुर खादर में गुलदार ने एक गाय और एक कुत्ते पर हमला कर दोनों को मार दिया था। दयालवाला में भी उसने एक (कटिया) का शिकार कर लिया था।

ये सभी घटनाएँ एक से दो माह के अंदर हुई हैं। गनीमत रही कि अब तक किसी इंसान पर हमला नहीं किया है।

62 लाख रुपये की स्मैक के साथ अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार, चोरी की स्कूटी भी बरामद

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

जिले में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए कोतवाली शामली पुलिस ने ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत एक अंतर्राज्यीय शातिर मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 280 ग्राम स्मैक, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 62 लाख रुपये बताई जा रही है, तथा एक चोरी की स्कूटी बरामद की है। आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश और हरियाणा में एनडीपीएस, आर्म्स एक्ट, चोरी और अन्य गंभीर धाराओं में करीब 20 मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी नगर जितेंद्र कुमार के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा के तहत कोतवाली पुलिस ने हरियाणा के करनाल निवासी गुरप्रीत पुत्र करनैल

सिंह को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 280 ग्राम स्मैक और यूपी-19 एएल-0457 नंबर की चोरी की स्कूटी बरामद हुई।पुलिस जांच में पता चला कि बरामद स्कूटी की चोरी के संबंध में कोतवाली शामली में पहले से मुकदमा दर्ज है। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से अंतर्राज्यीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश और हरियाणा के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास, चोरी और अन्य गंभीर अपराधों के लगभग 20 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपी के नेटवर्क की फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक के आधार पर जांच कर रही है, ताकि तस्करी से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके।

कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस अलर्ट, थाना प्रांगण में बैठक

--डीजे की ऊंचाई पर रहेगा प्रतिबंध, गाइडलाइन उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

आगामी कावड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को थाना परिसर में सीओ कैराना हेमंत कुमार की अध्यक्षता में डीजे संचालकों, डाक कांवड़ लेकर जाने वाले शिवभक्तों और शिविर संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन कराने पर जोर दिया गया।सीओ हेमंत कुमार ने कहा कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार अधिक ऊंचाई वाले डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। किसी भी डीजे

संचालक को निर्धारित मानकों से अधिक ऊंचाई वाला डीजे किराए पर देने की अनुमति नहीं होगी। डाक कांवड़ लेकर जाने वाले शिवभक्तों से भी केवल धार्मिक और भक्ति संगीत बजाने की अपील की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी बैठक में शिविर संचालकों को भी कावड़ यात्रियों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा शासन की सभी गाइडलाइन का पालन करने के निर्देश दिए गए। सीओ ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति स्थानीय स्तर पर नियमों से बच भी जाता है तो हरिद्वार तक पूरे कावड़ मार्ग पर पुलिस और प्रशासन की निगरानी रहेगी, ऐसे में नियमों का पालन करना सभी के हित में है।उन्होंने प्रभारी निरीक्षक और चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर सतर्क रहने तथा किसी भी घटना या दुर्घटना की सूचना मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही असामाजिक तत्वों को चेतावनी दी कि यदि किसी ने कावड़ यात्रा में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास किया तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।बैठक में पहल सिंह, संजीव प्रधान, राजन जावला, गुलशन खन्ना, संजीव आडवाणी, सचिन गोयल, अनिल मेंबर, इकबाल मंसूरी, भीम सैनी, तनुज कुमार, हर्ष सैनी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक और शिविर संचालक मौजूद रहे।

पोस्टर और वाद - विवाद प्रतियोगिता के जरिए विद्यार्थियों ने दिया भूजल संरक्षण का संदेश

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

भूजल संरक्षण अभियान के तहत नगर पालिका परिषद के नेतृत्व में मोहल्ला शेखजादगान स्थित संत गोरखनाथ चिल्ड्रन एकेडमी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने पोस्टर निर्माण और वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश देते हुए भूजल बचाने का संकल्प लिया।प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आकर्षक पोस्टरों के जरिए गिरते भूजल स्तर पर चिंता जताई तथा वर्षा जल संचयन के महत्व को रेखांकित किया। वहीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भूजल संरक्षण से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों और जल के महत्व पर अपने विचार रखे। विद्यालय की प्रधानाचार्या कुमारी रंजना मित्तल ने कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। यदि समय रहते भूजल के अंधाधुंध दोहन पर

रोक नहीं लगाई गई और जल संरक्षण के प्रभावी उपाय नहीं अपनाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।नगर पालिका निरीक्षक अनिल कुमार तथा विद्यालय प्रबंधक क्षितिज मित्तल ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। उन्होंने लोगों से जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा वर्षा जल संचयन को अपनाने की अपील की।कार्यक्रम में नगर पालिका के कर्मचारियों, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित लोगों ने भूजल संरक्षण की शपथ ली। इस दौरान विद्यालय का स्टाफ छात्र-छात्राएं अन्य लोग मौजूद रहे।

गंगेरू मारपीट व जानलेवा हमले के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में दो पक्षों के बीच हुए झगड़े, मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने एक और वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आसिफ पुत्र इशाक हुसैन निवासी गंगेरू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 27 जून को गांव गंगेरू में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हुआ था, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के दिन ही सात आरोपियों को जेल भेज दिया गया था। शेष आरोपियों की तलाश जारी थी। मंगलवार को अभियान के तहत पुलिस ने आसिफ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। जल्दी फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

पुलिस ने शराब तस्कर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

समाज जागरण कांधला।

पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 15 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। मंगलवार को थाना प्रभारी के निर्देशन में गंगेरू चौकी पुलिस टीम ने गांव डुढ़ार निवासी हरेन्द्र उर्फ राम भरोसा को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से पुलिस ने 15 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

मकान खाली कराने पहुंचे प्रवासी स्वामी को धमकी, किरायेदार पर कब्जा करने का आरोप

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू की एक संपत्ति को लेकर विवाद सामने आया है। महाराष्ट्र में रहकर नौकरी कर रहे संपत्ति स्वामी ने किरायेदार पर मकान पर अवैध कब्जा करने, किराया न देने तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को क्षेत्र के गांव गंगेरू के मोहल्ला गुजरान पट्टी निवासी तथा वर्तमान में महाराष्ट्र के ठाणे जनपद स्थित डोंबिवली वेस्ट में रहने वाले संजीव पुत्र रामपाल वैद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव गंगेरू में उनकी 3212 वर्ग फीट क्षेत्रफल की संपत्ति है। आरोप है कि उन्होंने 1 जनवरी 2022 को उक्त संपत्ति सुरेंद्र पुत्र खाजान निवासी गांव गंगेरू

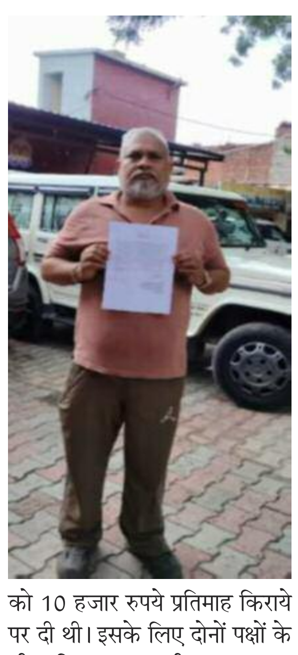

को 10 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर दी थी। इसके लिए दोनों पक्षों के बीच किरायानामा भी कराया गया था।शिकायतकर्ता का आरोप है कि किरायेदार ने 2 अक्टूबर 2025 तक संपत्ति का उपयोग किया, लेकिन इस दौरान एक भी माह का किराया अदा नहीं किया। वर्तमान में वह महाराष्ट्र में रहकर नौकरी करते हैं, जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने संपत्ति पर कब्जा कर लिया है।संजीव का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी संपत्ति खाली करने के लिए कहा तो सुरेंद्र ने अपने भाइयों रमेश, नरेश तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने मामले में पुलिस से शिकायत दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा अपनी संपत्ति का कब्जा दिलाने की मांग की है। पुलिस ने मामले में जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

ट्रक चोरी के मामले में 10 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण थानाभवन।(फुरकान जंग)

ट्रक चोरी के मामले में फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 19 मार्च 2026 को गांव मसावी निवासी नासिर पुत्र शान मोहम्मद ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपना 12 टायर ट्रक चोरी होने की तहरीर दी थी। इस मामले में थानाभवन थाने पर मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने पहले ही आजाद, इमराना और तौफीक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि एक आरोपी फरार चल रहा था।पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देश पर

चलाए जा रहे संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान के दौरान मंगलवार को थानाभवन पुलिस ने फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी आरिफ मगाड़ी पुत्र मौज खां निवासी गांव बिसरू, थाना बिछोर, जिला नूंह (मेवात), हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश करते हुए जेल भेज दिया है।

अवैध शराब की भट्टी पर पुलिस का छापा, कच्ची शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण

झिंझाना (फुरकान जंग)।पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर कार्रवाई करते हुए एक शराब की भट्टी पर छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 10 लीटर कच्ची शराब और शराब बनाने के उपकरण बरामद किए, जबकि 20 लीटर लहन को नष्ट किया है। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देशन में अवैध शराब के निर्माण, तस्करी और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी कैराना के पर्यवेक्षण में झिंझाना पुलिस ने ग्राम दुधली में छापेमारी की।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सुमित पुत्र सतपाल निवासी ग्राम दुधली, थाना झिंझाना को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची शराब, एक स्टील का ड्रम, पाइप, एल्युमिनियम का पतीला तथा शराब बनाने में प्रयुक्त अन्य उपकरण बरामद हुए। मौके पर तैयार किए जा रहे 20 लीटर लहन को भी नष्ट करा दिया गया।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार गंभीर घायल, जिला अस्पताल रेफर

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे के कैराना मार्ग स्थित नवीन सब्जी मंडी के समीप बाइक सवार ने साइकिल में टक्कर मार दी हादसें मे दोनों चालक घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद साइकिल सवार की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मंगलवार को कस्बे के मोहल्ला गुजरान निवासी एजाज हसन नवीन सब्जी मंडी से साइकिल पर अपने घर लौट रहे था। जैसे ही वह मंडी के मुख्य गेट से बाहर निकला, विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि साइकिल सवार एजाज हसन और बाइक सवार आजाद दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।हादसे के बाद आसपास की भीड़ मौके पर जुट गई और दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल मैं भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद एजाज हसन की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि बाइक सवार का उपचार कर छुट्टी दे दी। खबर लिखे जाने तक किसी की ओर से थाने पर शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी।

अनियंत्रित 108 एंबुलेंस मकान में घुसी, चालक फरार; सरकारी नल क्षतिग्रस्त, भैंस घायल

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के कैराना मार्ग स्थित गांव असदपुर जिडाना में 102 एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने मकान में जा घुसी। हादसे में सरकारी नल क्षतिग्रस्त हो गया, एक भैंस घायल हो गई और घर के बाहर मौजूद लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।हादसे के बाद एंबुलेंस चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को सरकारी अस्पताल पर तैनात 102 एंबुलेंस का चालक नरदेव सिंह कैराना की ओर कस्बे की तरफ आ रहा था जैसे ही 102 एंबुलेंस गांव असदपुर जिडाना के पास लेकर पुहुचा तो अचानक चालक का संतुलन बिगड़ने से अनियंत्रित हो गई और विजयपाल के मकान में जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि रास्ते

में लगा सरकारी हैंडपंप क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, घर के बाहर बंधी भैंस भी एंबुलेंस की चपेट में आकर घायल हो गई।हादसे के समय घर के बाहर मौजूद मासूम बच्चे और अन्य लोग किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई , जिससे बड़ा हादसा टल गया।हादसे के बाद एंबुलेंस चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित मकान स्वामी ने थाने में तहरीर देकर नुकसान की भरपाई और चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पश्चिमी घाट में एलोग्राफा की पांच नई प्रजातियों की खोज

अनुसंधानकताओं की एक टीम ने भारत के जैव विविधता से समृद्ध पश्चिमी घाट से एलोग्राफा जीनस से संबंधित लाइकेन बनाने वाले कवक की पांच नई प्रजातियों की खोज की है, जो प्रदूषण और

पर्यावास परिवर्तनों के प्रति उनकी संवेदनशीलता के कारण वनों के स्वास्थ्य और पर्यावरणीय गुणवत्ता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। इससे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने, दीर्घकालिक पर्यावरणीय निगरानी को मजबूत करने और साक्ष्य-आधारित संरक्षण नीतियों और वन पारिस्थितिक प्रणालियों के सतत प्रबंधन में योगदान में मदद मिल सकती है।

एलोग्राफा, ग्राफिडेसी जीनस में स्थित स्क्रिप्ट लाइकेन या लाइकेन बनाने वाले कवकों (एक कवक जो शैवाल या सायनोबैक्टीरिया के साथ मिलकर लाइकेन बनाता है) की एक प्रजाति है, जिनके फलने वाले भाग लंबे होते हैं। इसकी 200 से अधिक प्रजातियां हैं। भारत में एलोग्राफा प्रजातियों का आणविक ज्ञान सीमित है, विशेष रूप से पश्चिमी घाट से, जहां कई प्रजातियों की पहचान मुख्य रूप से मॉर्फोलॉजिकल आधार पर की गई थी। विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण इस जैव विविधता केंद्र में वैज्ञानिकों की ओर से प्रजाति विविधता, विकासवादी संबंधों और लाइकेन सहजीवन को बेहतर ढंग से समझने के लिए आणविक डेटा को पारंपरिक वर्गीकरण के साथ एकीकृत करने का प्रयास किया जा रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान, एमएसीएस अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे के अनुसंधानकताओं ने लाइकेन परिवार ग्राफिडेसी के सबसे विविध वंशों में से एक के भीतर प्रजाति विविधता और विकासवादी संबंधों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए पारंपरिक वर्गीकरण विधियों को आधुनिक आणविक फाइलोजेनेटिक्स के साथ संयोजित किया। यह अनुसंधान पश्चिमी घाट से एलोग्राफा प्रजातियों की पहली व्यापक आणविक फाइलोजेनेटिक जांच है। राजेशकुमार के.सी. साइंटिस्ट-ई (पीआई), डॉक्टरेट छात्र अंसिल पी.ए., सीएसआईआर-एसआरएफ और तकनीकी अधिकारी डॉ. भारती शर्मा (को-पीआई) के नेतृत्व वाली टीम ने पश्चिमी घाट में किए गए व्यापक क्षेत्र सर्वेक्षणों के माध्यम से उष्णकटिबंधीय वन आवासों से कई नमूने एकत्र किए और उनका सावधानीपूर्वक परीक्षण किया। उन्होंने प्रजाति सीमाओं का मूल्यांकन करने और इस वंश के भीतर विकासवादी संबंधों का पुनर्निर्माण

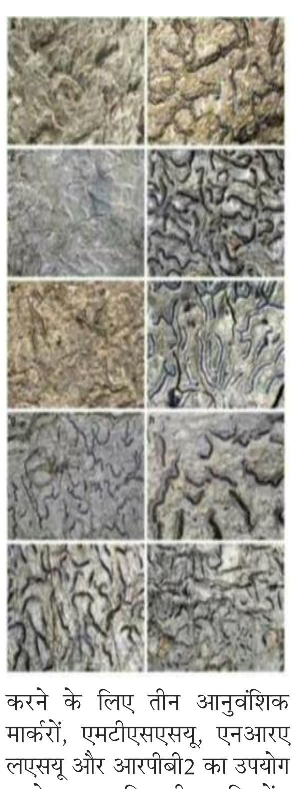

करने के लिए तीन आनुवंशिक मार्करों, एमटीएसएसयू, एनआरएलएसयू और आरपीबी2 का उपयोग करके बहु-स्थानिक डीएनए सिक्वेंस के साथ विस्तृत रूपात्मक और रासायनिक विश्लेषणों को एकीकृत किया। इस अध्ययन के परिणामस्वरूप पांच नई प्रजातियों: केरल राज्य के नाम पर नामित भारतीय लाइकेनोलॉजिस्ट डॉ. संजीव नायका के सम्मान में नामित एलोग्राफा केरलेंसिस; ए. नायका; ए. पैराकॉन्सैंगुइनिया; ए. पर्सिस्टिन्सपर्सा और ए. सेमीकार्बोनिसटा की खोज और उनका वर्णन किया गया। इसके अतिरिक्त, लेखकों ने ए. कैल्सिया, ए. मैकेला, ए. एक्विलोनिया, ए. रिमुलोसा और ए. एफ्यूसोसोरेडिका सहित कई पूर्व-ज्ञात प्रजातियों के लिए नए आणविक डेटा भी तैयार किए।

फाइलोजेनेटिक विश्लेषणों से पता चला कि कई मॉर्फोलॉजिक तौर पर समान प्रजातियां विकासवादी रूप से जरूरी नहीं कि निकट संबंधी हों, जो प्रजातियों की पहचान के लिए केवल बाहरी मॉर्फोलॉजी पर निर्भर रहने की सीमाओं को दशार्ता है। आणविक डेटा ने नए सिरे से खोजे गए और पहले से ज्ञात दोनों टैक्सोन के स्थान को स्पष्ट करने में मदद की, जिससे एलोग्राफा के भीतर प्रजाति आधारित संबंधों को समझने के लिए एक अधिक मजबूत ढांचा प्राप्त हुआ और भविष्य के अध्ययनों में अतिरिक्त आणविक डेटा और व्यापक नमूनाकरण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। नायके, जी. ए पैराकोन्सांगुइनिया, एच. ए पर्सिस्टिन स्पर्सा, आई. ए रिमुलोसा, जे. ए सेमीकार्बोनिसाटा। माइकोलॉजिकल प्रोग्रेस नामक पत्रिका में प्रकाशित अनुसंधान भारत में एलोग्राफा की विविधता के बारे में वर्तमान ज्ञान को काफी हद तक बढ़ाता है और भविष्य के वर्गीकरण और विकासवादी अध्ययनों के लिए

मूल्यवान आणविक संदर्भ सिक्वेंस प्रदान करता है। इनके निष्कर्ष पश्चिमी घाट को लाइकेन विविधता के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी दशार्ते हैं, जहां पहले से अज्ञात कई प्रजातियां पाई जाती हैं। आणविक साक्ष्यों को शास्त्रीय वर्गीकरण के साथ एकीकृत करके, यह अध्ययन ग्राफिडेसी जीनस के भीतर प्रजातियों की सीमाओं और जैव विविधता की अधिक सटीक समझ में योगदान देता है।

लेखकों ने पश्चिमी घाट से प्राप्त एलोग्राफा प्रजातियों की एक अद्यतन सूची भी संकलित की है, जिसमें आणविक सिक्वेंस

डेटा की उपलब्धता संबंधी विवरण भी शामिल है। यह कार्य भारत और अन्य स्थानों में उष्णकटिबंधीय लाइकेनों के भविष्य के जैव विविधता आकलन, संरक्षण योजना और व्यवस्थित अध्ययन के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार करता है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दो अभियुक्त दोषी, मुख्य अभियुक्त को दस वर्ष का कठोर कारावास

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनभद्र के न्यायालय के पीठासीन अधिकारी ओमकार शुक्ला ने विशेष सत्र परीक्षण संख्या 71/2019 (राज्य बनाम दिनेश कुमार एवं अन्य) में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए दोनों अभियुक्तों को दोषसिद्ध कर दंडित किया है।अभियोजन के मुताबिक दिनांक 25 जुलाई 2019 को अभियुक्त दिनेश कुमार, जो पहले से विवाहित था, अपने सह- अभियुक्त सूर्य नारायण के साथ मिलकर लगभग 17 वर्षीय नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। अभियोजन का आरोप था कि अभियुक्त दिनेश कुमार ने पीड़िता को अपने कब्जे में रखकर उसके साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी होने पर पीड़िता की माता द्वारा थाना में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई। विवेचना के दौरान पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया, उसका न्यायिक बयान दर्ज कराया गया तथा विद्यालयीय अभिलेख एवं जन्मतिथि संबंधी दस्तावेजों से यह सिद्ध किया गया कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी। विवेचना पूर्ण होने पर दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आरोपपत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया।विचारण के दौरान अभियोजन ने पीड़िता, उसकी माता, चिकित्सक, विवेचक, प्रथम सूचना रिपोर्ट के लेखक तथा विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सहित साक्षियों के बयान एवं जन्म प्रमाण पत्र, विद्यालयीय अभिलेख, चिकित्सकीय परीक्षण रिपोर्ट, धारा 164 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत दर्ज बयान सहित अन्य दस्तावेजी साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए। न्यायालय ने उपलब्ध मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर अभियोजन का मामला संदेह से

परे सिद्ध पाया। न्यायालय ने मुख्य अभियुक्त दिनेश कुमार (आयु 30 वर्ष) को भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366, 376 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/4 के अपराध में दोषसिद्ध करते हुए धारा 363 में 5 वर्ष का कारावास एवं दस हजार रुपये अर्थदंड, धारा 366 में 7 वर्ष का कारावास एवं दस हजार रुपए अर्थदंड तथा धारा 376 में 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं तीस हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। सभी सजाएँ साथ-साथ चलेंगी।सह- अभियुक्त सूर्य नारायण को भारतीय दंड संहिता की धारा 363 के अपराध में दोषसिद्ध कर 5 वर्ष के कारावास एवं दस हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया गया। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि अभियुक्तों से वसूल की गई अर्थदंड की राशि नियमानुसार पीड़िता के चिकित्सीय उपचार, मानसिक पुनर्वास एवं अन्य सहायता हेतु उपलब्ध कराई जाएगी।मुकदमे में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक दिनेश प्रसाद अग्रहरी एवं विशेष लोक अभियोजक नीरज कुमार सिंह ने प्रभावी पैरवी की। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं विधिक तर्कों के आधार पर विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, सोनभद्र ने दोनों अभियुक्तों को दोषसिद्ध करते हुए उपरोक्त दंडादेश पारित किया।

गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल जीवाना के दो विद्यार्थियों ने नीट में हासिल की सफलता, प्रबंधक ने किया सम्मानित

मोहम्मद कैफ ने 572 अंक, ओजस्वी श्योराण ने 426 अंक प्राप्त किए, दोनों ने बिना कोचिंग पाई मंजिल

समाज जागरण बड़ौत।

गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल जीवाना के दो विद्यार्थियों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट 2026 में शानदार सफलता हासिल की है। नीट का परिणाम 16 जुलाई को घोषित किया गया था। स्कूल प्रबंधक डॉ. अनिल आर्य ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उन्हें बधाई दी। प्रबंधक डॉ. अनिल आर्य ने बताया कि बरनावा निवासी मोहम्मद कैफ ने 572 अंकों के साथ 98.59 प्रतिशत प्राप्त की, जबकि ओजस्वी श्योराण ने 426 अंकों के साथ 93 प्रतिशत प्राप्त की।दोनों विद्यार्थियों का बचपन से ही डॉक्टर बनने का लक्ष्य था। पढ़ाई के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी और मोबाइल का उपयोग केवल पढ़ाई के लिए किया।

विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत और अनुशासन को दिया। उन्होंने बताया कि बिना कोचिंग के भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। सोशल मीडिया से दूरी और मोबाइल का सीमित उपयोग उनकी रणनीति का हिस्सा रहा। डॉ. अनिल आर्य ने अन्य विद्यार्थियों से इनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एकाग्रता और सही दिशा में प्रयास ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर निदेशक डॉ. सुनील आर्य, कुणाल आर्य, प्रधानाचार्य पवन कुमार त्यागी, उप प्रधानाचार्य डॉ. सुशील वत्स, सुमित तोमर, प्रशांत शर्मा, रिजवान अली, योगेश शर्मा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

रटौल में व्यापार मंडल की बैठक, बंद के दौरान दुकान खोलने पर लगेगा जुमार्ना

हर माह के दूसरे और आखिरी मंगलवार को बाजार बंद रखने का निर्णय

समाज जागरण

चांदीनगर। रटौल में नगर पंचायत कार्यालय पर व्यापारियों की बैठक हुई। बैठक में व्यापार संगठन को लेकर नई टीम का गठन किया गया। साथ ही हर माह के दूसरे और आखिरी मंगलवार को बाजार बंद

रखने का निर्णय लिया गया। बंद के आदेश का उल्लंघन करने पर जुमार्ना लगाया जाएगा।व्यापारियों ने बताया कि दो माह पहले रटौल में हर मंगलवार को बाजार बंद रखने का निर्णय लिया गया था। 98 प्रतिशत व्यापारी इससे सहमत थे। लेकिन 2 प्रतिशत दुकानदार लगातार दुकानें खोल रहे थे। इसी को लेकर सोमवार को बैठक बुलाई गई। बैठक में 98 प्रतिशत दुकानदार दुकान बंद रखने के पक्ष में रहे। अंत में निर्णय लिया गया कि अब माह के दूसरे और आखिरी मंगलवार को ही बाजार बंद रहेगा। व्यापार संगठन का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों से जुमार्ना वसूला जाएगा। जुमार्ने से एकत्रित धनराशि व्यापारी हित में खर्च की जाएगी। नगर पंचायत अध्यक्ष हाजी मुंतजिर ने कहा कि यह व्यापारियों का निजी फैसला है।

व्यापारी हित में जो भी कार्य होगा वह किया जाएगा। व्यापारियों को सभी सुविधाएं दी जाएंगी। बैठक में हबीब खान, चौधरी शहजाद, डब्बू पत्रावल, सुधीर, अरविंद, शकील, सोनू नदीम, बाऊदीन सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

विश्व हिंदू महासंघ ने सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हरिशंकर जैन को सनातन कार्य के लिए किया सम्मानित

सनातन प्रतीक चिन्ह देकर जताया आभार, हरिशंकर जैन बोले- प्राण रहते सनातन के लिए करता रहूंगा संघर्ष

समाज जागरण बड़ौत।

विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री डॉ. दीपक गौतम ने महासंघ के पदाधिकारियों के साथ माननीय सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन को उनके निवास पर जाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महासंघ ने सनातन धरोहरों की रक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनका हार्दिक आभार प्रकट किया। हरिशंकर जैन ने संभल, ताजमहल-तेजोमहालय, वाग्देवी, काशी विश्व नाथ, मथुरा जन्मभूमि सहित विभिन्न सनातन स्थलों की रक्षा के लिए

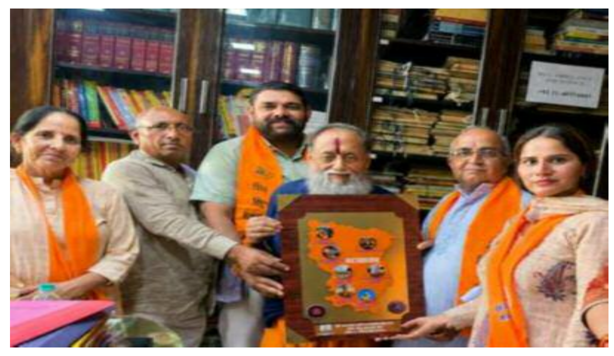

विभिन्न न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय तक पैरवी की है।महासंघ के पदाधिकारियों ने उन्हें सनातन का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस प्रतीक चिन्ह में सनातन की ऐतिहासिक और पौराणिक गौरवशाली परंपरा को दशार्या गया है, जिसे देखकर वे अत्यंत प्रसन्न हुए। डॉ. दीपक गौतम ने बताया कि इस दौरान भारत की सनातन, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने कहा कि जब तक मेरे तन में प्राण है, मैं सनातन के लिए संघर्ष करता रहूंगा। सभी को जागृत होकर सनातन की रक्षा के लिए आगे आना होगा। जब भी आपको मेरी आवश्यकता हो, मैं आपके साथ खड़ा रहूंगा। विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों ने उन्हें बागपत आने का आग्रह किया। बताया गया कि एडवोकेट जैन 24 मई 2026 के कार्यक्रम में स्वास्थ्य कारणों से ऑनलाइन ही शामिल हो पाए थे। बागपत की सनातन धरोहर लाक्षागृह, सिनौली महाभारतकालीन उत्खनन स्थल, परशुरामेश्वर महादेव मंदिर और लव-कुश जन्मस्थल के बारे में बताए जाने पर उन्होंने कहा कि मैं शीघ्र ही आपके साथ इन स्थलों के दर्शन करना चाहूंगा। इस मौके पर विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारी रामकुमार शर्मा, वैभव राजपूत, डॉ. दिव्या उज्जवल, राजेश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

बिजरोल शिव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को पद से किया निष्कासित, जल्द होगी नई कमेटी की घोषणा

ट्रस्टी और संरक्षक की मृत्यु के बाद लिया फैसला, अध्यक्ष बोले - अब इनका मंदिर से कोई लेना- देना नहीं

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत तहसील क्षेत्र के बिजरोल गांव स्थित शिव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रविंद्र पाल तोमर ने मंगलवार को मंदिर कमेटी के सभी पदाधिकारियों को उनके पद से निष्कासित कर दिया।अध्यक्ष रविंद्र पाल सिंह तोमर ने मीडिया को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मंदिर कमेटी के महामंत्री देवराज सिंह, मंत्री विजयपाल सिंह फौजी, ऑडिटर सुशील कुमार शर्मा और संयोजक देवेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से पद से निष्कासित किया गया

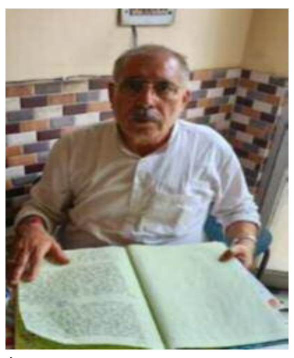

है। उन्होंने कहा कि मंदिर कमेटी के ट्रस्टी राजेंद्र कश्यप और शिव मंदिर ट्रस्ट बिजरोल के संरक्षक महंत बाबा आनंद दास की मृत्यु हो चुकी है। इसी को देखते हुए इन लोगों को भी कमेटी से निष्कासित किया गया है।अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि अब इन सभी पदाधिकारियों का मंदिर कमेटी से कोई लेना-देना नहीं है। यदि ये लोग अपने आपको मंदिर कमेटी का पदाधिकारी बताते हैं तो उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। रविंद्र पाल तोमर ने बताया कि नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा जल्द कर दी जाएगी।

43 वर्षों की वैज्ञानिक उत्कृष्टता का जश्न, नवाचार से सशक्त होगा पंजाब का भविष्य

समाज जागरण बागपत।

पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (पीएससीएसटी) ने सोमवार को अपना 43वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर पंजाब सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण विभाग के सचिव कमल किशोर यादव (आईएएस) ने कहा कि राज्य सरकार मजबूत अनुसंधान एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नॉलेज सिटी के विकास तथा सरकार, शिक्षण संस्थानों, अनुसंधान संगठनों, उद्योगों और

स्टार्टअप्स के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। विशेष सचिव डॉ शैलेंद्र कौर (आईएफएस) ने पिछले 43 वर्षों में पीएससीएसटी के योगदान की सराहना की, जबकि कार्यकारी निदेशक प्रीतपाल सिंह ने बताया कि परिषद 8,000 से अधिक औद्योगिक इकाइयों को स्वच्छ तकनीक और ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में वैज्ञानिक सहयोग दे रही है। उन्होंने सेंटर फॉर रिसर्च, इनोवेशन, पॉलिसी एंड टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट की स्थापना की भी जानकारी दी। आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो राजीव आहूजा ने युवाओं के कौशल विकास, स्टार्टअप संस्कृति और उद्योग-अकादमिक सहयोग को भविष्य की आवश्यकता बताया। वही नाबी के कार्यकारी निदेशक प्रो अश्विनी पारीक ने पोषण सुरक्षा के लिए विज्ञान आधारित नवाचार और सहयोगात्मक अनुसंधान पर बल दिया। संयुक्त निदेशक डॉ दपिंदर बक्शी ने परिषद के सहयोगी संस्थानों और नवाचार इकोसिस्टम के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर डॉ लज्जा देवी गोयल (एम्स बठिंडा), नितिका खुराना (चंडीगढ़ एंजेल्स नेटवर्क), ज्योति सरूप (उनाती कोऑपरेटिव, तलवाड़ा), प्रो मनु शर्मा (पंजाब विश्वविद्यालय) और डॉ विपाशा (एसएचई स्टार्टअप) को विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही पीएससीएसटी की स्मारिका और आईपीआर पर टीआईएससी बुलेटिन का भी विमोचन किया गया।

खेकड़ा की बिटिया तनीषा धामा को सर्व खाप 360 ने किया सम्मानित

सीएसयू बीएड परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर बढ़ाया नगर का गौरव

समाज जागरण

बागपत। खेकड़ा पट्टी रामपुर निवासी तनीषा धामा ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की बीएड परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। तनीषा जनता उत्तर माध्यमिक विद्यालय सांकरौद के प्रधानाचार्य नरेंद्र धामा की पुत्री है। इस उपलब्धि पर सर्व खाप खेकड़ा 360 चौधरियों ने तनीषा को सम्मानित किया। सर्व खाप 360 चौधरी जितेंद्र धामा और उमेश शर्मा ने पगड़ी, शाल, माला व स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दीं। चौधरी जितेंद्र धामा ने कहा कि तनीषा ने नई

पीढ़ी को प्रेरणा दी है। वह बधाई और आशीर्वाद की पात्र हैं।

चौधरी उमेश शर्मा ने कहा कि तनीषा ने नगर के साथ-साथ जनपद का भी गौरव बढ़ाया है।कार्यक्रम में अवार्चीन इंटर कॉलेज की प्राचार्या मीनाक्षी शर्मा, चौधरी अखिलेश कौशिक, प्राचार्य नरेंद्र धामा, चौधरी राजेश शर्मा, चौधरी अशोक कौशिक, संगीता धामा, बाला देवी, गार्गी, लक्की आदि मौजूद रहे।

नाली के विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट, कई घायल

बाजिदपुर गांव में लाठी-डंडे चले, पुलिस ने घायलों को भिजवाया सीएचसी

समाज जागरण बड़ौत।

क्षेत्र के बाजिदपुर गांव में घर के बाहर नाली निर्माण और उस पर आने-जाने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। मारपीट में कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार गांव निवासी ओमप्रकाश और सुनील पक्ष के बीच घर के बाहर बनाई गई नाली को लेकर पहले कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इस

दौरान दोनों ओर से लाठी-डंडे चले, जिसमें सुनील पक्ष के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। सुनील पक्ष ने ओमप्रकाश पक्ष के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एफपीओ को सशक्त बनाने पर जोर, बेहतर पैकेजिंग से मिलेगी पहचान : डीएम

बागपत ब्लूम" ब्रांड के उत्पादों की गुणवत्ता पर दिया विशेष ध्यान

समाज जागरण

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में "बागपत ब्लूम" ब्रांड के तहत एफपीओ प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि एफपीओ के उत्पादों की गुणवत्ता, पैकेजिंग और मार्केटिंग पर ध्यान दिया जाए, ताकि जनपद के उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले।उन्होंने निर्देश दिए कि सभी उत्पादों की मानक पैकिंग हो और उन पर एमआरपी,

निर्माण-एक्सपायरी तिथि, वजन व सामग्री का विवरण अंकित हो। गुणवत्ता से समझौता न किया जाए। एफपीओ को कार्यालय आवंटित करने की भी घोषणा की। बैठक में अचार, शहद, मसाले, मिलेट उत्पाद और तेल आदि प्रदर्शित किए गए। डीएम ने उत्पादों की सराहना करते हुए अधिकारियों को एफपीओ को प्रशिक्षण, ब्रांडिंग और विपणन में सहयोग देने के निर्देश दिए।इस मौके पर सीएमओ डॉ. तीरथ लाल, जिला कृषि अधिकारी बाल गोविंद यादव, कपिल शर्मा, धर्मेंद्र प्रधान, रवि शास्त्री, विजय सिंह, सूरज धामा सहित कई एफपीओ प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में आयुष का एकीकरण

आयुष का मुख्यधारा में समावेशन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत प्रमुख रणनीतियों में से एक है, जिसका उद्देश्य जनसंख्या को सुलभ, किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है ।

देश में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और स्वास्थ्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के साथ आयुष पद्धतियों के एकीकरण की रणनीति अपनाई है, जिसके अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य
केंद्रों (पीएचसीएस), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसीएस) और जिला अस्पतालों (डीएचएस) में आयुष सुविधाओं को सह-स्थापित किया गया है। यह दृष्टिकोण रोगियों को एकल खिड़की सेवा वितरण प्रणाली के अंतर्गत विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों में से चयन करने की सुविधा प्रदान करता है। आयुष चिकित्सकों/सहायक स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति और उनके प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है, जबकि आयुष अवसंरचना, उपकरण/फर्नीचर और औषधियों के लिए सहायता आयुष मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत साझा जिम्मेदारियों के रूप में प्रदान की जा रही है। 30.12.2025 तक (एमआईएस-एनएचएम), एनएचएम द्वारा 13,249 स्वास्थ्य सुविधाओं में आयुष सेवाओं का आवंटन करते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे पीएचसीएस (6,302), पीएचसीएस (3,191), डीएचएस (475) तथा अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं (3,281) में आयुष सेवाओं के सह-स्थान का समर्थन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, एनआरएचएम वित्तीय सहायता के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र में कुल 25,322 आयुष चिकित्सकों और 5,666 आयुष सहायक स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती की गई है।

इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय आधुनिक चिकित्सा के साथ उनके एकीकरण को सुगम बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक आयुष चिकित्सा पद्धति की अपनी-अपनी विशेषताओं के अनुसार उनके प्रचार-प्रसार और संस्थागत विस्तार के लिए अनेक पहलों के साथ एक तर्कसंगत दृष्टिकोण अपना रहा है। इनमें से कुछ प्रमुख पहलें निम्नलिखित हैंः

आयुष मंत्रालय तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएच एंड एफडब्ल्यू) द्वारा स्थापित स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अंतर्गत आयुष वर्टिकल, आयुष-विशिष्ट सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की योजना बनाने, निगरानी करने और पर्यवेक्षण के लिए एक समर्पित संस्थागत तंत्र के रूप में कार्य करता है। यह आयुष वर्टिकल सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवाओं, आयुष शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए रणनीतियाँ विकसित करने में दोनों मंत्रालयों को तकनीकी सहायता प्रदान करता है। आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएच एंड एफडब्ल्यू) ने समन्वित स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय सरकारी अस्पतालों में संयुक्त रूप से एकीकृत आयुष विभागों की स्थापना की है। इस पहल के अंतर्गत, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल तथा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में एकीकृत चिकित्सा विभाग की स्थापना की गई है और यह कार्यरत है।

भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) ने एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध चिकित्सा में आयुष मॉड्यूलझइंटर्नशिप इलेक्टिव्स विकसित किए हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (स्नातक आयुर्वेद शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम, 2022 के विनियम 10(7) के अंतर्गत, आधुनिक प्रगतियाँ आयुर्वेद शिक्षण पाठ्यक्रम का अधिकतम 40 प्रतिशत तक हिस्सा हो सकती हैं। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) के अंतर्गत होम्योपैथी शिक्षा बोर्ड ने भी कई पहलें शुरू की हैं, जिनमें प्रारंभिक नैदानिक अनुभव, इलेक्टिव्स, संकाय विकास कार्यक्रम, फाउंडेशन प्रोग्राम, फिनिशिंग प्रोग्राम तथा औषध विज्ञान और मनोविज्ञान जैसे नए विषयों को शामिल करना सम्मिलित है।

मंत्रालय के अंतर्गत अनुसंधान परिषद्ओं और राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा आयुष को समकालीन चिकित्सा पद्धति के साथ एकीकृत करने के लिए की गई पहलों का विवरण संलग्नक में दिया गया है।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस), केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएस), केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएच), केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (सीसीआरवाईएन) तथा केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (सीसीआरयूएम) की स्थापना की है। ये संस्थान आयुष मंत्रालय के अंतर्गत क्रमशः आयुर्वेद, सिद्ध, होम्योपैथी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा तथा यूनानी चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान के लिए स्वायत्त संगठन हैं और देश के विभिन्न भागों में उपलब्ध अपने परिधीय संस्थानों के माध्यम से विभिन्न अनुसंधान गतिविधियाँ संचालित कर रहे हैं। ये संस्थान नैदानिक अनुसंधान, औषधि अनुसंधान, औषधीय पादप अनुसंधान, मौलिक अनुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान एवं प्रलेखन, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा आयुष पद्धतियों के संवर्धन के माध्यम से संबंधित चिकित्सा पद्धतियों का वैज्ञानिक प्रमाणीकरण करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा औषधि नियम, 1945 में आयुर्वेदिक, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, यूनानी एवं होम्योपैथी (एएसएसयू एंड एच) औषधियों के लिए विशिष्ट नियामक प्रावधान हैं। निमार्ताओं के लिए यह अनिवार्य है कि वे विनिर्माण इकाइयों एवं औषधियों के लाइसेंस हेतु निर्धारित आवश्यकताओं का पालन करें, जिसमें सुरक्षा एवं प्रभावशीलता का प्रमाण, एएसएसयू एवं एच औषधियों के लिए क्रमशः औषधि नियम, 1945 की अनुसूची न एवं अनुसूची ड-क के अनुसार उत्तम विनिर्माण उत्पादन (जीएमपी) का अनुपालन तथा संबंधित औषध विज्ञान (फामाकोपिया) में निर्धारित औषधियों के गुणवत्ता मानकों का पालन करना शामिल है।

भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषजसंहिता आयोग (पीसीआईएम एंड एच), आयुष मंत्रालय के अधीनस्थ एक संगठन है जो आयुर्वेदिक, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, यूनानी एवं होम्योपैथी (एएसएसयू एंड एच) औषधियों के लिए फॉर्मूलरी विनिर्देश और फामाकोपिया मानक निर्धारित करता है और आयुर्वेदिक, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, यूनानी एवं होम्योपैथी (एएसएसयू एंड एच) औषधियों की गुणवत्ता (पहचान, शुद्धता और क्षमता) निर्धारित करने के लिए आधिकारिक संहिताओं के रूप में कार्य करता है। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार, इन गुणवत्ता मानकों का अनुपालन एएसएसयू एंड एच औषधियों के निर्माण के लिए अनिवार्य है। पीसीआईएम एवं एच, एएसएसयू एंड एच औषधियों के परीक्षण या विश्लेषण के लिए अपीलीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला के रूप में भी कार्य करता है।

औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं को एएसएसयू औषधियों की पहचान, शुद्धता, गुणवत्ता और शक्ति के ऐसे परीक्षण करने के लिए औषधि नियम, 1945 के नियम 160 क से ञ के अंतर्गत मान्यता प्रदान की जा रही है। वर्तमान तिथि तक, औषधि नियम, 1945 के प्रावधानों के अंतर्गत निमार्ताओं के लिए 118 निजी प्रयोगशालाओं को अनुमोदित या लाइसेंस प्राप्त है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की 34 औषधि परीक्षण प्रयोगशालाएँ कानूनी नमूनों के लिए आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी(एएसयू) औषधियाँ और कच्चे माल की गुणवत्ता का परीक्षण कर रही हैं।

आयुष मंत्रालय ने केंद्रीय क्षेत्रक योजना आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई) लागू की है, जिसके अंतर्गत उच्चतर मानकों को प्राप्त करने के लिए आयुष फार्मेसियों और औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन हेतु सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, इसके दूसरे घटक अर्थात भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी सहित एएसयू एंड एच औषधियों की भेषज सतर्कता के अंतर्गत, यह कार्यक्रम आयुष औषधियों पर निगरानी रखता है और भ्रामक विज्ञापनों की घटनाओं को कम करता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे देश में भेषज सतर्कता केंद्रों का त्रिस्तरीय नेटवर्क स्थापित किया गया है, जिसमें एक राष्ट्रीय भेषज सतर्कता समन्वय केंद्र (एनपीवीसीसी), 05 मध्यवर्ती भेषज सतर्कता केंद्र (आईपीवीसी) और 97 परिधीय भेषज सतर्कता केंद्र (पीपीवीसी) शामिल हैं। आयुष औषधियों के लिए औषधि सतर्कता प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु, आयुष मंत्रालय ने 30 मई, 2025 को आईटी-इनेबल ऑनलाइन पोर्टल "आयुष सुरक्षा" का शुभारंभ किया। इसके अतिरिक्त, आयुष औषधियों की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियामक उपायों को सुदृढ़ बनाने हेतु केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) में एक आयुष वर्टिकल का गठन किया गया है। साथ ही, ऐसे मानकों का अनुपालन करने वाली आयुष औषधियों के लिए सीडीएससीओ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन का फार्मास्यूटिकल उत्पाद प्रमाणपत्र (डब्ल्यूएचओझसीओपीपी) जारी किया जाता है। एएम (आयुष) के परिचालन का मुख्य उद्देश्य आयुष के सिद्धांतों एवं पद्धतियों पर आधारित समग्र स्वास्थ्य मॉडल की स्थापना करना, जनसामान्य को स्व-देखभाल के लिए सशक्त बनाकर बीमारियों के बोझ तथा जेब से होने वाले स्वास्थ्य व्यय (ओओपीई) को कम करना तथा देश के ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों को सूचित विकल्प उपलब्ध कराना है।

दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि में ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2 का शुभारंभ

दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि में 20 जुलाई 2026 को चार-दिवसीय बहुराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2 शुरू हुआ। दक्षिणी नौसेना कमान द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय नौसेना के नेतृत्व वाली संयुक्त कार्य बल 154 (सीटीएफ 154) के तत्वावधान में संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसमें 26 देशों के 254 प्रतिभागी शामिल हैं, जिन्हें 74 प्रशिक्षकों, चार अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विषय विशेषज्ञों का सहयोग प्राप्त है। यह अभ्यास भारत में ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस का पहला आयोजन है। भारतीय नौसेना और संयुक्त समुद्री बल के बीच बढ़ते सहयोग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। संयुक्त कार्य बल 154, जो सीएमएफ का समर्पित प्रशिक्षण कार्य बल है, वर्तमान में भारतीय नौसेना के नेतृत्व में है। बहुराष्ट्रीय समुद्री प्रशिक्षण के माध्यम से संयुक्त समुद्री बल भागीदार देशों की क्षमता, अंतरसंचालनीयता और व्यावसायिक तत्परता को मजबूत करने पर केंद्रित है। उद्घाटन समारोह में सीटीएफ 154 के कमांडर कमोडोर मिलिंद एम मोकाशी ने प्रारंभिक भाषण दिया, संयुक्त समुद्री बल के उप कमांडर कमोडोर डैन थॉमस ने उद्घाटन भाषण दिया और दक्षिणी नौसेना कमान मुख्यालय के मुख्य स्टाफ अधिकारी (प्रशिक्षण) रियर एडमिरल दीपक सिंघल ने मुख्य भाषण दिया। इन भाषणों में समकालीन समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, साझा शिक्षा और बहुराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर बल दिया गया। पहले दिन का कार्यक्रम मुख्य रूप से जहाज प्रबंधन और विशेष प्रशिक्षण पर केंद्रित था जिसमें विषय विशेषज्ञों के साथ पेशेवर संवाद और व्यावहारिक अनुभव का संयोजन था। संयुक्त राष्ट्र मादक द्रव्यों और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) द्वारा आयोजित सत्र में लाल सागर और पश्चिमी हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा खतरों पर चर्चा की गई। इसके बाद भारतीय नौसेना के अत्याधुनिक सिमुलेटर और संबंधित प्रशिक्षण अवसंरचना का उपयोग करते हुए जहाज संचालन, नौवहन, खगोलीय नौवहन, समुद्री संकट संचार प्रणाली और क्षति नियंत्रण एवं अग्निशमन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। अगले तीन दिनों में, प्रतिभागी समकालीन समुद्री सुरक्षा के प्रमुख पहलुओं को कवर करने वाले पेशेवर सत्रों, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण और व्यावहारिक गतिविधियों के विविध कार्यक्रम में भाग लेंगे। यह पहल क्षेत्रीय क्षमता निर्माण, अंतर-संचालनीयता और सामूहिक समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ भागीदार देशों के बीच पेशेवर आदान-प्रदान और मजबूत संबंधों को प्रोत्साहित करने में भारतीय नौसेना-संयुक्त समुद्री बल साझेदारी को दशार्ती है

प्रशासन को खुली चुनौती! 24 घंटे में फिर सरकारी जमीन पर कब्जा, भूमाफियाओं की दबंगई से सहमे ग्रामीण

ट्रैक्टर चलाकर हटाया गया अवैध चाय पत्ती का बागान, कार्रवाई के अगले ही दिन फिर कर लिया सरकारी जमीन पर कब्जा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

21 जुलाई। बेलवा काशीपुर में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन द्वारा चलाया गया अभियान महज 24 घंटे के भीतर ही सवालों के घेरे में आ गया है। रविवार को प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ट्रैक्टर चलाकर सरकारी जमीन पर लगे अवैध चाय पत्ती के बागान को हटाया था। लेकिन कार्रवाई के अगले ही दिन सोमवार को भूमाफियाओं ने उसी सरकारी जमीन पर दोबारा कब्जा कर प्रशासन को खुली चुनौती दे दी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई का दावा करते हुए सरकारी भूमि से अवैध चाय पत्ती का बागान हटाया था। कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। हालांकि अभियान समाप्त होते ही सरकारी जमीन की सुरक्षा के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की गई। इसी का फायदा उठाते हुए अतिक्रमणकारी अगले ही दिन फिर सक्रिय हो गए और दोबारा जमीन पर कब्जा कर लिया।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस जमीन को प्रशासन ने ट्रैक्टर चलाकर अतिक्रमण मुक्त कराया था, उसी पर 24 घंटे के भीतर दोबारा कब्जा हो जाना प्रशासनिक कार्रवाई की गंभीर विफलता को दर्शाता है। लोगों का आरोप है कि यदि कार्रवाई के बाद प्रशासन ने मौके पर निगरानी रखी होती तो भूमाफिया दोबारा कब्जा करने का साहस नहीं कर पाते।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि सरकारी जमीन पर लगातार हो रहे अवैध कब्जे से आम लोगों में भय और नाराजगी का माहौल है। उनका आरोप है कि भूमाफिया प्रशासनिक कार्रवाई को भी चुनौती देने से नहीं डर रहे हैं, जिससे साफ संकेत मिलता है कि उन पर कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है।

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे क्षेत्र को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, सरकारी भूमि का सीमांकन कर बोर्ड लगाया जाए तथा लगातार निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही दोबारा कब्जा करने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जे की पुनरावृत्ति न हो।

24 घंटे के भीतर सरकारी जमीन पर दोबारा कब्जा होने की घटना ने प्रशासन की कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इस खुली चुनौती का क्या जवाब देता है और सरकारी भूमि को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए क्या कदम उठाता है।

बारिश में बढ़ा डेंगू-मलेरिया का खतरा, गर्भवती रहें सतर्क

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

21 जुलाई। लगातार हो रही बारिश के कारण जिले में डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। जलजमाव और ठहरे हुए पानी में मच्छरों का तेजी से प्रजनन होने से संक्रमण का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विभाग ने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि संक्रमण मां के साथ-साथ गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डाल सकता है। जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में डेंगू एवं मलेरिया की जांच और उपचार की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, बदन दर्द, उल्टी, अत्यधिक कमजोरी या शरीर पर लाल चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देने पर बिना देर किए चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि डेंगू में प्लेटलेट्स तेजी से कम हो सकते हैं, जिससे रक्तस्राव और अन्य गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। वहीं मलेरिया गर्भपात, समयपूर्व प्रसव, नवजात के कम वजन, एनीमिया तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

महिला चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शबनम यास्मीन ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान डेंगू और मलेरिया का संक्रमण मां और गर्भस्थ शिशु दोनों के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पूरी बांह के कपड़े पहनने, नियमित रूप से मच्छरदानी का उपयोग करने, चिकित्सकीय सलाह के अनुसार सुरक्षित मच्छररोधी क्रीम लगाने तथा बुखार आने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत स्वास्थ्य संस्थान से संपर्क करने की सलाह दी।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से घर और आसपास पानी जमा नहीं होने देने, कूलर, फूलदान एवं पानी की टंकियों का पानी नियमित रूप से बदलने, दिन-रात मच्छरदानी का उपयोग करने, पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने तथा तेज बुखार या अन्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय जांच कराने की अपील की है।

सिविल सर्जन ने कहा कि डेंगू और मलेरिया से बचाव में जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। यदि प्रत्येक परिवार अपने घर और आसपास साफ-सफाई रखे तथा मच्छरों को पनपने से रोके, तो इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने बरसात के मौसम में विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की।

टाटा स्टील एथिक्स क्विज में वरिष्ठ पत्रकार परविन्दर भाटिया प्रथम, नैतिक पत्रकारिता पर दिया गया जोर

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर। टाटा स्टील द्वारा एथिक्स माह के तहत आयोजित एथिक्स क्विज प्रतियोगिता में जमशेदपुर के वरिष्ठ पत्रकार परविन्दर भाटिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंगलवार को जुस्को सहयोग केंद्र के समीप स्थित टाउन इलेक्ट्रिकल ऑफिस के प्रथम तल के कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित इस प्रतियोगिता में शहर के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य पत्रकारों के बीच नैतिक मूल्यों, कॉर्पोरेट गवर्नेंस तथा जिम्मेदार पत्रकारिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक अतुल भटनागर ने विजेता परविन्दर भाटिया को प्रथम पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में अंजनी पांडेय ने द्वितीय तथा मनप्रीत सिंह भाटिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर टाटा स्टील की चीफ एथिक्स काउंसलर सोनी सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतुल भटनागर और सोनी सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संस्थान की विश्वसनीयता उसकी नैतिक प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है और समाज में सत्य, पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने में मीडिया की भूमिका अत्यंत अहम है। इसलिए पत्रकारों के लिए नैतिक मूल्यों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार जयप्रकाश राय ने मुख्य वक्ता के रूप में पत्रकारिता में नैतिकता, निष्पक्षता और जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बदलते डिजिटल दौर में फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं की चुनौती बढ़ी है। ऐसे समय में पत्रकारों को तथ्यों की पुष्टि कर निष्पक्ष और संतुलित रिपोर्टिंग करनी चाहिए, जिससे समाज में विश्वसनीय सूचना का प्रवाह बना रहे।

एथिक्स क्विज में प्रतिभागियों से टाटा समूह के इतिहास, टाटा कोड ऑफ कंडक्ट, कॉर्पोरेट एथिक्स, बिजनेस इंटीग्रिटी, मीडिया एथिक्स, पत्रकारिता के सिद्धांतों तथा मीडिया जगत से जुड़े महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर आधारित प्रश्न पूछे गए। प्रतिभागियों ने अपने ज्ञान, समझ और त्वरित उत्तरों से प्रतियोगिता को रोचक बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान प्रतिस्पर्धा का माहौल उत्साहपूर्ण रहा।

कार्यक्रम का सफल संचालन निभा शर्मा ने किया। अंत में आयोजकों ने कहा कि टाटा स्टील द्वारा आयोजित एथिक्स माह का उद्देश्य केवल कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर मीडिया जगत में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन मीडिया और कॉर्पोरेट जगत के बीच सकारात्मक संवाद को मजबूत करने के साथ-साथ ईमानदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेंगे। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

पदमा में विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर, 50 से अधिक लोगों को मिला लर्निंग लाइसेंस

पंकज कुमार पाठक, समाज जागरण

पदमाः झारखंड सरकार के निदेशानुसार मंगलवार को पदमा अंचल कार्यालय परिसर में विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। जिले के इस तीसरे विशेष शिविर में 50 से अधिक लोगों को ऑनलाइन लर्निंग टेस्ट में सफल होने के बाद मौके पर ही लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया गया।

शिविर में आवेदकों के ऑनलाइन आवेदन, फोटो, बायोमेट्रिक सत्यापन एवं लर्निंग टेस्ट की प्रक्रिया पूरी की गई। लाभार्थियों ने प्रखंड स्तर पर यह सुविधा मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि अब लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

इस अवसर पर अंचलाधिकारी मोतीलाल हेंब्रम, जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष चौधरी, मोटरयान निरीक्षक रवीना कुमारी, सड़क सुरक्षा प्रबंधक संतोष सिंह सहित परिवहन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

अधिकारियों ने लोगों से वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही यातायात नियमों का पालन करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की।

बाइक से गिरकर महिला गंभीर रूप से घायल, हजारीबाग रेफर

पंकज कुमार पाठक, समाज जागरण

चंदवाराः चंदवारा थाना क्षेत्र के मदनगुंडी के समीप बाइक से गिरकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की पहचान पद्मा थाना क्षेत्र के अडार गांव निवासी सरिता देवी (45 वर्ष), पति सकलदेव यादव के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरिता देवी अपने निजी कार्य से बाइक पर सवार होकर कोडरमा जा रही थीं। इसी दौरान मदनगुंडी के पास अचानक बाइक से गिर जाने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, हजारीबाग रेफर कर दिया। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है।

जुगसलाई में पांच दिनों से बंद डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, पार्षदों ने जताया विरोध; एजेंसी पर कार्रवाई की मांग

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का कार्य पूरी तरह ठप होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्लों, गलियों और आवासीय क्षेत्रों में कचरे का अंबार लग गया है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। लगातार बिगड़ती स्थिति को देखते हुए गुरुवार को जुगसलाई नगर परिषद के पार्षदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कार्यपालक पदाधिकारी संदीप पासवान से मुलाकात कर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

पार्षदों ने कार्यपालक पदाधिकारी को बताया कि कचरा संग्रहण का जिम्मा संभाल रही एजेंसी लगातार अलग-अलग बहाने बनाकर नियमित रूप से घर-घर से कचरा उठाने का कार्य नहीं कर रही है। एजेंसी की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना कार्यशैली का खामियाजा सीधे तौर पर आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। लोगों के घरों के बाहर कचरा जमा होने से न केवल वातावरण दूषित हो रहा है, बल्कि नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। नागरिकों में नगर परिषद के प्रति असंतोष और आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बरसात के मौसम में कचरे का लंबे समय तक खुले में पड़े रहना स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। इससे मच्छरों और अन्य कीटों का प्रकोप बढ़ने के साथ-साथ डेंगू, मलेरिया तथा अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ जाती है। इसलिए इस समस्या का तत्काल समाधान किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

पार्षदों ने कार्यपालक पदाधिकारी से स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि वर्तमान एजेंसी निर्धारित शर्तों और अनुबंध के अनुरूप कार्य करने में सक्षम नहीं है, तो उसके विरुद्ध तत्काल नोटिस जारी किया जाए। आवश्यकता पड़ने पर एजेंसी का टेंडर रद्द कर किसी सक्षम और जिम्मेदार एजेंसी को डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की जिम्मेदारी सौंपी जाए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद को केवल अस्थायी व्यवस्था करने के बजाय स्थायी समाधान सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो और नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

पार्षदों ने यह भी कहा कि नगर परिषद की सबसे महत्वपूर्ण सेवाओं में स्वच्छता व्यवस्था शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनता का विश्वास प्रशासन से उठ जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही नियमित कचरा संग्रहण शुरू नहीं हुआ तो जुगसलाई नगर परिषद के सभी पार्षद जनहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर परिषद प्रशासन और संबंधित एजेंसी की होगी।

इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी संदीप पासवान ने पार्षदों को आश्वस्त किया कि कचरा संग्रहण करने वाली कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ लगातार वार्ता की जा रही है। उन्होंने कहा कि एजेंसी की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है और उम्मीद है कि सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर कल से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का कार्य पुनः नियमित रूप से प्रारंभ कर दिया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर परिषद नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देगी और स्वच्छता व्यवस्था को जल्द सामान्य किया जाएगा।

कार्यपालक पदाधिकारी से हुई इस वार्ता में मुख्य रूप से पार्षद अनिल मोदी, सत्यनारायण अग्रवाल (मुन्ना) तथा बड़े लाल दुबे उपस्थित रहे। पार्षदों ने एक स्वर में कहा कि नगर परिषद क्षेत्र की स्वच्छता और आम जनता की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब स्थानीय लोगों की निगाहें नगर परिषद के उस आश्वासन पर टिकी हैं, जिसके तहत अगले दिन से कचरा संग्रहण सेवा दोबारा शुरू करने की बात कही गई है।

नबीनगरः पिपरा पंचायत में सहयोग शिविर डीएम एसपी ने किया उद्घाटन

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)"प्रशासन अब जनता के दरवाजे पर" इसी संकल्प के साथ मंगलवार को नबीनगर प्रखंड की पीपरा पंचायत स्थित +2 उच्च विद्यालय सत्येंद्र नारायण सिंह परिसर में सोमवार को भव्य "सहयोग शिविर" का आयोजन किया गया।शिविर की संयुक्त अध्यक्षता जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा ने की। कार्यक्रम की शुरूआत बिहार गीत के सामूहिक गायन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई।ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डीएम अभिलाषा शर्मा ने कहा कि सहयोग शिविर केवल एक शिविर नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास, संवाद एवं समाधान का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं सम्मानजनक तरीके से पहुंचे। इसी उद्देश्य से जिले के सभी पंचायतों में शिविर आयोजित कर एक ही जगह पर सभी विभागों की सेवाएं दी जा रही हैं।डीएम ने बताया कि भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड,आय-जाति-आवासीय प्रमाण पत्र, पीएम-सीएम आवास, मनरेगा, बिजली, पेयजल, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित सभी शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता पर किया जा रहा है। सामान्य मामलों का समाधान 30 दिन और अधिकांश का 15 दिन के भीतर करने का लक्ष्य रखा गया है।जिला पदाधिकारी ने जानकारी दी कि पीपरा पंचायत से प्राप्त 56 आवेदनों में से 53 का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया।शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। इसके जरिए ई-श्रम कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड और आयुष्मान भारत कार्ड बनाए एवं वितरित किए गए। दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल भी प्रदान की गई।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष शिविर में टीबी स्क्रीनिंग, दवा वितरण, बीपी-शुगर जांच, नेत्र जांच, आयुष्मान कार्ड और यूडीआईडी कार्ड बनाए गए। डीएम ने लोगों से टीबी की जांच कराने की अपील भी की।साइबर ठगी बढ़ने के कारण शिविर में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया गया। लोगों को ओटीपी और बैंक की गोपनीय जानकारी साझा न करने की सलाह दी गई।कार्यक्रम के अंत में डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर आवेदन का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निपटारा हो, ताकि आम लोगों का प्रशासन पर भरोसा और मजबूत हो।शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पटना के खुसरूपुर में कबाड़ी गोदाम में लगी भीषण आग लाखों का सामान जलकर खाक

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के खुशरूपुर स्थित स्थानीय नगर पंचायत के वार्ड-03 स्थित एक कबाड़ी गोदाम में मंगलवार की अहले सुबह करीब चार बजे अचानक भीषण आग लग गई। इस आगजनी में गोदाम में रखा लाखों रुपये मूल्य का कबाड़, कागजात और प्लास्टिक का सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

यह कबाड़ दुकान बिहारशरीफ निवासी विजय कुमार की है, जो दुकान से कुछ ही दूरी पर किराए के मकान में रहते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर दो दमकल गाड़ियां पहुंचीं। अग्निशामक कर्मियों और स्थानीय ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों से करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिए जाने से आसपास के रिहायशी मकानों को सुरक्षित बचा लिया गया, अन्यथा एक बड़ा हादसा हो सकता था। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन आग लगने के कारणों की गहराई से जांच कर रहा है।

पटना के नदी थाना पुलिस की दोहरी सफलता पांच किलो गांजा और देशी कट्टा-कारतूस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ पुलिस के अपराध नियंत्रण और नशा मुक्ति अभियान के तहत नदी थाना पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग छापों में सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक तरफ जहां पांच किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया, वहीं दूसरी छापेमारी में एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी जब्त किया। दोनों मामलों में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फतुहा एसडीपीओ-1 अवधेश कुमार ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गुप्त सूचना के आधार पर नदी थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दंडाधिकारी की मौजूदगी में भोजीपुर कृपाल टोला में दो अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कृपाल टोला निवासी गुड्डू कुमार (23 वर्ष) के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान कमरे में चौकी के नीचे छिपाकर रखा गया पांच किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया और उसके खिलाफ नदी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, दूसरी गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने इसी इलाके के जितेंद्र प्रसाद (26 वर्ष) के घर की तलाशी ली। इस दौरान बक्से के नीचे छिपाकर रखा गया एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। इस सफल अभियान में थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन के साथ कई पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है।

पटना के बिक्रम में बिहटा-मुख्य मार्ग पर गिरा विशाल पेड़, दो घंटे से यातायात ठप

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा-बिक्रम मुख्य मार्ग पर मोरियावां गांव के समीप गुरुवार को एक विशालकाय पेड़ अचानक सड़क पर आ गिरा। इस घटना के कारण स्टेट हाईवे-2 पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। पिछले करीब दो घंटे से यातायात पूरी तरह बाधित है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रशासनिक अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन की देखरेख में पेड़ को सड़क से हटाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है, ताकि जल्द से जल्द यातायात को सुचारू किया जा सके। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से राहत कार्यों में तेजी लाने और मार्ग को शीघ्र चालू कराने की मांग की है। वहीं, ट्रैफिक जाम की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों से फिलहाल वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करने की अपील की है। समाचार लिखे जाने तक राहत एवं बचाव कार्य जारी था और मार्ग पर आवागमन बहाल नहीं हो सका था।

पटना के दानापुर में 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ

राज्यपाल ने सिंदूर पार्क में किया पौधारोपण, शौर्य और स्वावलंबन का हुआ संगम

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ दानापुर मिलिट्री कैंप के संत लुका चर्च के पास 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल (सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल) सैयद अता हसनैन और झारखंड व बिहार सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल जितेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से 'सिंदूर पार्क' में पौधारोपण किया। इस दौरान देश में पहली बार इस पार्क में एक साथ 350 पौधे लगाए गए। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बिहार में सैनिकों के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए ऐसे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को याद करते हुए कहा कि हम बहनों का छिना हुआ सुहाग तो वापस नहीं लौटा सकते, लेकिन दुश्मनों से सिंदूर का बदला अवश्य लिया गया है। यह पार्क सैनिकों के शौर्य, संस्कृति और स्वावलंबन का एक अनूठा संगम है।मेजर जनरल जितेंद्र सिंह ने बताया कि सैनिक चौक के पास स्थित इस पार्क के जरिए 'ऑपरेशन सिंदूर' की गौरवशाली यादों को हमेशा के लिए जीवंत रखा जाएगा। सबौर स्थित बिहार कृषि विश्वविद्यालय (BAU) के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने कहा कि यह पार्क सैन्य परिसर की हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखेगा। पारंपरिक रूप से सुहाग का प्रतीक माने जाने वाले सिंदूर और उससे जुड़े पौधों को अब महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का मजबूत जरिया बनाया जाएगा। बीएयू सबौर के मॉडल की तर्ज पर विकसित हो रहे इस पार्क में 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प की स्पष्ट झलक देखने को मिल रही है। यह पहल सैन्य गरिमा के साथ-साथ ग्रामीण व महिला विकास को एक नई दिशा प्रदान करेगी।

पौधरोपण भावी पीढ़ी को स्वस्थ भविष्य देने का संकल्प है: के0 एन0 सिंह

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी पौधरोपण करना पर्यावरण की रक्षा ही नहीं बल्कि भावी पीढ़ी को स्वस्थ भविष्य देने का विकल्प व संकल्प है। माँ जीवन देती है और पौधे हमें प्राणवायु !ऐसे में 'एक पेड़ माँ के नाम लगाना सबसे बड़ा पुण्य व सम्मान का कार्य है।

उक्त बातें एस0 आर0 प्लेटिनम इंग्लिश स्कूल हरहुआ में आज मंगलवार को 'पर्यावरण संरक्षण और हरित विद्यालय के संकल्प' के साथ पौधरोपण कार्यक्रम में 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाकर शुभारंभ कर बतौर मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक कौशलेंद्र नारायण सिंह ने व्यक्त किया।और कहा कि पौधरोपण का उद्देश्य छात्रों में प्रकृति के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना और देखरेख करते हुए विद्यालय को हरियाली प्रदान करें।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेंद्र प्रताप सिंह , कोआर्डिनेटर देवांश नारायण राय, उप निदेशक डॉ0 सीमा राय, अखिलेश सिंह, अभिभावक गण, शिक्षकगण एवं समस्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विद्यालय प्रांगण में सभी बच्चों ने मिलकर कुल 250 छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए। कार्यक्रम राष्ट्रगान और पौधों को पानी देने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

माटीकला के परम्परागत कारीगरों का साक्षात्कार 23 जुलाई जिला मुख्यालय में होगा संपन्न

समाज जागरण

मीरजापुर /उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित माटीकला टूलकिट्स वितरण योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में माटीकला के परम्परागत कारीगरों को निःशुल्क टूलकिट वितरित किए जाने हेतु कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों के आवेदकों का चयन शासन द्वारा गठित चयन समिति द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, मीरजापुर अमितेश कुमार सिंह ने बताया कि आवेदकों का साक्षात्कार दिनांक 23 जुलाई को दोपहर 12 बजे विकास भवन सभागार, मीरजापुर में मुख्य विकास अधिकारी, मीरजापुर की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने समस्त आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अपने समस्त मूल अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर साक्षात्कार में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

हरहुआ में भटकते पहुंचा इटली का पर्यटक, पुलिस ने भेजा शहर

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। हरहुआ बाजार में आज मंगलवार को एक विदेशी पर्यटक घूमते हुए पहुंच गया।दुकानो और ठेलों से खाने पीने का सामान उठा लिया।मना करने पर उलझ गया।उसकी हरकत पर स्थानीय लोगो ने हरहुआ पुलिस चौकी पहुंचाया।

चौकी में उसने पुलिस को बताया कि मैं इटली का निवासी हूँ मेरा सामान चोरी हो गया है और इसी वजह से वह अपने देश वापस नहीं जा पा रहा है।चौकी में घंटों बैठा रहा और अंग्रेजी भाषा मे वार्ता करता रहा।

स्थानीय लोगो ने बताया कि कई दिनों से यह वाराणसी में जगह -जगह घूमकर हंगामा करता फिरता है। चर्चा यह रही कि यदि विदेशी पर्यटक लगातार शहर में भटक रहा है। तो संबंधित एजेंसियों और दूतावास से संपर्क कर उसकी मदद क्यों नहीं की जा रही है।

इस बारे में चौकी प्रभारी विवेकानन्द द्विवेदी ने बताया कि विदेशी हरहुआ में मिला था। वह जगह-जगह हंगामा कर रहा है। जो मच्छोदरी शहर जाना चाह रहा था उसे ऑटो से भेज दिया गया।

करीमुद्दीनपुर पुलिस ने चोरी के मामले में दो आरोपीयों को किया गिरफ्तार

समाज जागरण

करीमुद्दीनपुर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत करीमुद्दीनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना पर दर्ज मु0अ0सं0 109/2026 धारा 304(2), 317(2) बीएनएस से संबंधित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 12 हजार रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

प्रभारी निरीक्षक राज नारायण के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 20 जुलाई को ग्रीनफील्ड रोड पड़राव पर चेकिंग अभियान के दौरान संतोष चौहान पुत्र स्व. गुलाब चौहान एवं किशन डोम पुत्र अमरजीत डोम, निवासी ग्राम लट्ठूडीह, थाना करीमुद्दीनपुर को गिरफ्तार किया। पूछताछ एवं बरामदगी के आधार पर दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त संतोष चौहान के पास से 7,000 रुपये, किशन डोम के पास से 5,000 रुपये तथा मोटरसाइकिल संख्या यूपी61बीक्यू6354 बरामद की गई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक राज नारायण एवं थाना करीमुद्दीनपुर की पुलिस टीम शामिल रही।

बंद मकानों में चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। कपसेठी थाना पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए बंद मकानों में चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का एक मोबाइल फोन और 3,900 नकद बरामद किया है। मामले में उनके फरार साथी की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, देखभाल क्षेत्र एवं संदिग्ध व्यक्ति-वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्राम गजेपुर स्थित एक ईंट भट्ठे के सामने से अनुज तिवारी और पार्थ उर्फ साहिल को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे अपने साथी सतीश गौड़ निवासी जंसा के साथ मिलकर बंद मकानों और दुकानों की रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।

अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि 16 जून 2026 को उन्होंने ग्राम सिरीहरा स्थित एक बंद मकान में चोरी कर सोने-चांदी के आभूषण और मोबाइल फोन चोरी किया था। इसके बाद उसी दिन ग्राम लोहराडीह के दो बंद मकानों में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी का सामान सतीश गौड़ बेच देता था और उससे प्राप्त धनराशि तीनों आपस में बांट लेते थे।

पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों के कब्जे से बरामद मोबाइल चोरी की घटना से संबंधित पाया गया, जबकि बरामद नकदी भी चोरी से प्राप्त हिस्से की धनराशि है। पूछताछ और बरामदगी के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है। वहीं, फरार आरोपी सतीश गौड़ की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

श्रावण मास, बारावफात एवं अन्य पर्वो को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क - जिलाधिकारी

श्रद्धालुओं एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए सुनिश्चित

समाज जागरण

मीरजापुर / आगामी श्रावण मास, बारावफात एवं अन्य प्रमुख त्योहारों को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार एवं पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने पुलिस लाइन सभागार में जनपद स्तरीय पीस कमेटी की बैठक आयोजित कर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी त्योहारों के दौरान पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा अप्रिय स्थिति उत्पन्न न होने पाए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने नगर निकाय, विद्युत, जल निगम, स्वास्थ्य, लोक निर्माण एवं अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि पर्वों से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। श्रद्धालुओं एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कावंड़ यात्रा वाले मार्गो पर बनाए जा रहे विश्राम स्थलों को निरीक्षण करते हुए समय से पूर्व सभी सुनिश्चित कर ली जाए। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा वाले मार्गो पर आवश्यकतानुसार टेबल टाप संकेतक लगवाया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि कावंड़ यात्रा, गुरू पूर्णिमा सहित आने अन्य त्यौहारो को दृष्टिगत रखते हुए 25 जुलाई तक सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि डाक्टरो, एम्बुलेंस एवं सम्बन्धित मेडिकल टीम की 23 जुलाई 2026 उनकी सूची पुलिस कंट्रोल रूम उपलब्ध करा दी जाए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से भी अपील की कि सभी लोग आपसी भाईचारे, प्रेम एवं सद्भाव के साथ त्योहार मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। यदि कोई संदिग्ध गतिविधि अथवा सूचना प्राप्त हो तो तत्काल प्रशासन अथवा पुलिस को अवगत कराएं, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष सतर्क दृष्टि रखी जाए तथा अफवाह फैलाने वाले अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले तत्वों के विरुद्ध तत्काल प्रभावी एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं एवं पीस कमेटी के सदस्यों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने के भी निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों से कहा गया कि त्योहारों के दौरान किसी भी समस्या की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर उसका त्वरित एवं प्रभावी समाधान किया जाए, ताकि जनपद में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्द का वातावरण बना रहे। उन्होंने कहा कि डीजे ऊचाई मानक के अनुसार रहे तथा उसके ऊपर कोई नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित तहसीलों के उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी पहले यह सुनिश्चित कर लें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक नक्सल राजकुमार मीणा, अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, उप जिलाधिकारी चुनार अनेग सिंह, लालगंज अजीत कुमार, मड़िहान संतोष कुमार ओझा सहित सभी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी एवं प्रबुद्धजनो में सोनावर खां, एडवोकेट अशफाक खां, अरशद व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

बाइक चोरी से राजगढ़ क्षेत्र में दहशत चोरों ने दी पुलिस को चुनौती

समाज जागरण

मीरजापुर / राजगढ़ थाना क्षेत्र के नदीहार गांव से चोरों ने बाइक चोरी करके पुलिस को दी खुली चुनौती। बीती रात चोरों ने बाइक चोरी करके चोरों के हौसले बुलंद।जानकारी के अनुसार नदिहार गांव निवासी क्षेत्र पंचायत सदस्य दुर्गेश श्रीवास्तव अपने घर के बाहर रोजाना की भांति अपनी पल्सर बाइक खड़ी करके सोने चले गए। घर के बाहर खड़ी पल्सर बाइक को चोरों ने बाइक को चुरा लिया।सुबह में जैसे ही जानकारी वाहन स्वामी को हुई तो काफी खोजबीन की लेकिन पल्सर बाइक का कहीं भी आता-पता नहीं चला।उन्होंने इसकी सूचना राजगढ़ थाने में लिखित दी है और चोरों को जल्द से जल्द पकड़ने की पुलिस से गुहार लगाई है। खोराडीह गांव से अभी 2 दिन पूर्व ही घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई और पुलिस खुलासा नहीं कर पाई इसके बाद राजगढ़ के पत्रकार अश्वनी मिश्रा की बाइक 1 महीने पूर्व निकरिका गांव से शादी समारोह से बाइक चोरी हो गई पुलिस उसका भी खुलासा नहीं कर पाई। राजगढ़ क्षेत्र में लगभग आधा दर्ज से ज्यादा की चोरियां हो चुकी है लेकिन अभी भी किसी भी चोरी का खुलासा नहीं हो पाया है।राजगढ़ क्षेत्र में आए दिन हो रही चोरियों से चोरों के हौसले बुलंद हो गए हैं वाहन स्वामी डरे हुए हैं कहीं अगला नंबर उनका ना हो। इस संबंध में जब राजगढ़ थाना प्रभारी बालमुकुंद मिश्रा से बात हुई तो उन्होंने कहा कि बाइक चोरी का खुलासा जल्द ही कर दिया जाएगा।

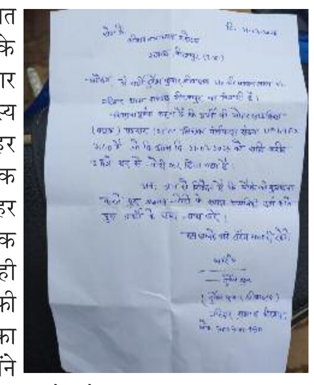

जिलाधिकारी ने ई0वी0एम0 वी0वी0 पैट गोदाम का किया निरीक्षण

समाज जागरण

मीरजापुर/जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने भिस्कुरी स्थित ई0वी0एम/वी0वी0 पैट गोदाम का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सफाई एवं सुरक्षा के दृष्टिगत तैनात कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने तैनात सुरक्षा कमियों को निर्देशित करते हुये कहा कि ई0वी0एम0/वी0वी0 पैट को सुरक्षित वातावरण में रखा जाये। निरीक्षण के अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी अशोक कुमार त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष भाजपा चंद्राशु गोयल, जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी अलगू राम भारती, जिला उपाध्यक्ष सद्दाम राइन, प्रवक्ता कांग्रेस पार्टी छोटे खान, प्रदेश सचिव कांग्रेस अंकुर श्रीवास्तव आजाद, जिला सचिव सपा अनीस खान, जिला प्रवक्ता आम आदमी पार्टी मनबोध दूबे, नगर अध्यक्ष आम आदमी पार्टी संतोष सोनी उपस्थित रहें।

एबीसी किड्स मॉन्टेसरी स्कूल में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत 400 से अधिक पौधों का रोपण

समाज जागरण

चन्दौसी।एबीसी किड्स मॉन्टेसरी स्कूल, चन्दौसी में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने नन्हे नन्हे हाथों से 400 से अधिक पौधों का रोपण किया। पूरे विद्यालय परिसर में हरियाली, उत्साह और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देखने को मिला।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण तथा जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याओं के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता उत्पन्न करना तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। प्रत्येक विद्यार्थी ने अपनी माँ के सम्मान एवं प्रेम का प्रतीक मानकर एक पौधा लगाया और उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

विद्यालय की संचालिका श्रीमती संगीता भार्गव ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि "एक पेड़ माँ के नाम" केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी मातृभूमि, प्रकृति और माँ के प्रति सम्मान एवं समर्पण की भावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाले समय में स्वच्छ वायु, हरित पर्यावरण और सुरक्षित भविष्य का आधार बनेगा। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे, तो पर्यावरण संरक्षण का यह संकल्प एक जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को पेड़ों के महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि पेड़ हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, वातावरण को शुद्ध रखते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं तथा अनेक जीव-जंतुओं को आश्रय प्रदान करते हैं। पेड़ प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं। वे जन्म से ही बिना किसी स्वार्थ के मानव जीवन को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने में लगे रहते हैं। पेड़ प्रदूषण से निरंतर लड़ते हुए हमें शुद्ध वातावरण प्रदान करते हैं और पृथ्वी की सुंदरता एवं हरियाली को बनाए रखते हैं। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे केवल पौधे लगाकर ही न रुकें, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करें ताकि वे बड़े होकर विशाल वृक्ष बन सकें।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण रहा तथा बच्चों ने पौधारोपण कर प्रकृति के प्रति अपने प्रेम और जिम्मेदारी का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षक शिक्षिकाएँ प्रिया, शालू निशा काजल, इशिता, सिल्की, लक्षिता, हुमा, दीपा, वंशिका, अध्या, दीपिका, दिया, शिल्पा, निशा, सोनल, सरिता, रूपाली, संतोष, दीक्षा, रक्षा, अर्शी कुमुद अंकुश हर्ष गौरव अंकिता मीनू मनन मनप्रीत आदि सहित समस्त विद्यालय परिवार का सराहनीय सहयोग रहा।

पशुपालको से अपील गावों में टीकाकरण टीमों को प्रदान करे सहयोग

समाज जागरण

मीरजापुर / मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा० भूपेन्द्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया है कि जनपद मीरजापुर में दिनांक 22 जुलाई से एफ०एम०डी०सी०पी० टीकाकरण अभियान आठवां चरण की शुरूआत किया जा रहा है जिसमें जनपद के 758800 गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं को निःशुल्क टीकाकरण किया जायेगा जिससे पशुओं में खुरपका-मुहपका रोग से बचाव होता है। टीकाकरण हेतु जनपद में कुल 43 टीमें बनाई गयी है। टीकाकरण हेतु टीम प्रातः 8 बजे रवाना हो जायेगी। पशुपालको से अपील की जाती है कि गावों में टीकाकरण टीमों का सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

चन्दौसी-अलीगढ़ रेलवे लाइन पर अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी, पहचान में जुटी पुलिस

बबराला स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक किनारे मिला शव, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगा मौत के कारणों का खुलासा

समाज जागरण बहजोई

चन्दौसी-अलीगढ़ रेलवे लाइन पर बबराला रेलवे स्टेशन से करीब एक किलोमीटर दूर गांव फिरोजपुर स्थित रेलवे अंडरपास के निकट रेलवे ट्रैक किनारे एक अज्ञात अधेड़ महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। शव मिलने की खबर से आसपास के ग्रामीणों की भीड़ भी मौके पर जुट गई।

पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र लगभग 45 वर्ष प्रतीत हो रही है। समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने आसपास के गांवों में पूछताछ कर महिला की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि महिला रात के समय किसी ट्रेन से गिर गई होगी। हालांकि, शव पर प्रथम दृष्टया गंभीर चोटों के स्पष्ट निशान नहीं मिलने से मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का मिलान भी कराया जा रहा है, ताकि मृतका की पहचान की जा सके।

बबराला थाना प्रभारी लवनीश चौधरी ने बताया कि अज्ञात महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उसकी पहचान कराने के प्रयास जारी हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है।

राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग ने कलेक्ट्रेट सभागार में की जनसुनवाई

समाज जागरण

संभल। उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग, लखनऊ के अध्यक्ष एवं सदस्यगणों का जनपद सम्भल भ्रमण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह को कलेक्ट्रेट परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इसके उपरांत कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्री गोरखनाथ भट्ट द्वारा पुष्पगुच्छ एवं भगवान गणेश जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया गया। आयोग के माननीय सदस्यों बृजेश कुमार (सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश), संतोष कुमार विश्वकर्मा (सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश) तथा एस.पी. सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस) का भी अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत तथा जिला विकास अधिकारी द्वारा पुष्पगुच्छ एवं भगवान गणेश जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा समूहों द्वारा तैयार उत्पाद माननीय आयोग को भेंट किए गए। साथ ही समस्त ब्लॉक प्रमुखों एवं जिला पंचायत सदस्यों का भी स्वागत एवं सम्मान किया गया।

जिला विकास अधिकारी राम आशीष ने आयोग को अवगत कराया कि जनपद की कुल जनसंख्या 17,31,335 है, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की जनसंख्या 9,70,492 तथा अनुसूचित जाति की जनसंख्या 3,87,025 है।

इसके पश्चात आयोग के साथ आए विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) मोहम्मद अंसारी ने आयोग की कार्यप्रणाली, रूपरेखा तथा जनपद भ्रमण के उद्देश्य के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

जनसुनवाई (आपत्तियाँ एवं सुझाव) के दौरान आयोग द्वारा विकासखंडवार पंचायतों में होने वाले आगामी निर्वाचन के संदर्भ में पिछड़ा वर्ग के राजनीतिक आरक्षण पर चर्चा की गई। माननीय अध्यक्ष एवं सदस्यों ने जिला पंचायत सदस्यों, ब्लॉक प्रमुखों, ग्राम प्रधानों एवं उपस्थित नागरिकों से ग्रामों में पिछड़ा वर्ग की स्थिति, आरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आर्थिक स्थिति तथा सामान्य एवं अनुसूचित जाति वर्ग की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के संबंध में सुझाव एवं आपत्तियाँ प्राप्त कीं।

आयोग द्वारा यह भी बताया गया कि नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनावों से पूर्व राजनीतिक आरक्षण की वर्तमान स्थिति तथा पिछड़ेपन के वास्तविक स्वरूप का आकलन किया जाना आवश्यक है। इस संबंध में सभागार में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई।

कार्यक्रम के उपरांत माननीय अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें मीडिया प्रतिनिधियों से भी सुझाव प्राप्त किए गए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रिय सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत आशीष सिंह, अपर जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह, समस्त ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चेकिंग या डाका? अनूपपुर में यातायात विभाग का खौफनाक एंट्री सिंडिकेट, हाईवे पर सरेआम कट रही जनता की जेब!

प्राइवेट गाड़ियों में घूम रहे वसूली भाई, बॉर्डर पर भारी वाहनों से हो रही अंधाधुंध अवैध उगाही –आखिर किसके शह पर चल रहा है खाकी का यह गोरखधंधा?

सड़क पर कानून या खुली लूट?

समाज जागरण
अनूपपुर (विशेष संवाददाता): नियम-कायदों की हिफाजत करने वाली खाकी जब खुद वसूली की ढाल बन जाए, तो आम जनता की फरियाद सुने कौन? अनूपपुर जिले में इन दिनों यातायात विभाग के नाम पर जो कुछ चल रहा है, वह किसी 'चेकिंग अभियान' से ज्यादा अवैध उगाही का संगठित सिंडिकेट नजर आ रहा है! पिछले 15 दिनों से अमलाई-अमरकंटक हाईवे से लेकर अनूपपुर-वेंकटनगर मार्ग तक सड़कों पर नाकेबंदी तो है, लेकिन यह नाकेबंदी हादसों को रोकने के लिए नहीं, बल्कि वाहनों से "एंट्री फीस" वसूलने के लिए लगाई गई है।

चालान का दिखावा, वसूली का धंधा! जांच के नाम पर सड़कों पर जो खेल चल रहा है, उसका गणित बेहद सीधा और खौफनाक है:

30% का चालानः महज कागजी खानापूर्ति और उच्च अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकने के लिए सिर्फ 30 से 40 फीसदी वाहनों की सरकारी रसीद काटी जाती है।

70% से एंट्री फीसः बाकी 60 से 70 फीसदी गाड़ियों को नियम-कायदों की धज्जियां उड़ाने की खुली छूट दे दी जाती है–बस शर्त एक ही है, "काले खजाने" में गुप्त एंट्री का नजराना पेश करो! बड़ा सवालः अगर गाड़ी के कागज सही हैं, तो घंटों रोककर परेशान क्यों किया जाता है? और अगर गाड़ी ओवरलोड या अनफिट है, तो बिना सरकारी चालान के सिर्फ 'एंट्री' लेकर उसे सड़क पर मौत बनकर दौड़ने की छूट कैसे मिल जाती है? प्राइवेट गाड़ियों का 'वसूली नेटवर्क'... कौन है असली मास्टर माइंड? इस पूरे काले खेल का सबसे सनसनीखेज पहलू है–यातायात विभाग द्वारा इस्तेमाल की जा रही प्राइवेट गाड़ियां! अनूपपुर से वेंकटनगर के बीच अक्सर एक प्राइवेट वाहन मंडराता देखा जाता है। छत्तीसगढ़ और अंतरराज्यीय बॉर्डरों से आने वाले भारी वाहनों (ट्रकों और डंपरों) को इसी गाड़े के इर्द-गिर्द रोककर सीधे 'एंट्री वसूली' का सौदा तय किया जाता है।

क्या यह गैर-कानूनी नहीं? क्या किसी भी सरकारी अभियान में किसी निजी वाहन का इस्तेमाल कर चेकिंग और वसूली करना नियमों के खिलाफ नहीं है?

किसके इशारे पर? यह प्राइवेट गाड़ियां और इनमें बैठे 'अज्ञात लोग' आखिर किसके शह पर बॉर्डर पर समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं? सिस्टम की चुप्पी पर उठे गंभीर सवाल! हाईवे पर हो रहे इस दिन-दहाड़े 'डाके' से स्थानीय व्यापारियों, ट्रक मालिकों और आम चालकों में भारी आक्रोश उबल रहा है। सड़कों पर खड़ी पुलिस की साख पर अब सीधे सवाल खड़े हो रहे हैं।

अब देखना यह होगा कि पुलिस अधीक्षक (SP) और जिला प्रशासन इस वायरल होती 'एंट्री वसूली' की जमीनी हकीकत पर क्या कड़ा एक्शन लेते हैं? क्या इन 'वसूली बाजों' पर गाज गिरेगी या खाकी का यह काला कारोबार यूँ ही बेखौफ चलता रहेगा?

प्रथम प्रयास में याना सचदेव ने फतह किया नीट,99.4 परसेंटाइल से जिले का बढ़ाया मान

समाज जागरण
विजय तिवारी उमरिया

मेहनत,अनुशासन और आत्मविश्वास के दम पर उमरिया की होनहार छात्रा याना सचदेव ने नीट-2026 परीक्षा अपने पहले ही प्रयास में शानदार सफलता हासिल की है।याना ने परीक्षा में 99.4 परसेंटाइल प्राप्त कर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है।याना ने इसी वर्ष कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा भी लगभग 94 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी।बोर्ड परीक्षा के साथ नीट जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर इतनी बड़ी सफलता हासिल करना उनकी लगन और निरंतर मेहनत का प्रमाण माना जा रहा है।याना के पिता अनिल सचदेव एक सफल कारोबारी हैं,जबकि उनकी माता गृहिणी

हैं।परिवार ने हमेशा याना को पढ़ाई के लिए सकारात्मक माहौल और पूरा सहयोग दिया,जिसका परिणाम आज इस शानदार उपलब्धि के रूप में सामने आया है।मुख्यालय स्थित जुड्वा ब्रदर्स के संचालक पिता अनिल सचदेव पिता रमेश सचदेव ने कहा कि बेटी याना ने पूरे समर्पण और अनुशासन के साथ तैयारी की।हमें उसकी मेहनत पर हमेशा भरोसा था।यह सफलता उसी के अथक प्रयासों का परिणाम है।हम उसकी इस उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।माता ने भावुक होकर कहा कि बेटी ने दिन-रात मेहनत की और कभी हार नहीं मानी।उसकी सफलता हर उस विद्यार्थी के लिए प्रेरणा है जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करता है। हमें उस पर बहुत गर्व है।याना की इस सफलता पर परिजनों, मित्रों,शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।जिले में उनकी उपलब्धि चर्चा का विषय बनी हुई है।

मनोनीत पार्षदों का चीनी मित्र मंडली ने किया भव्य स्वागत, फूल-मालाओं और बैंड-बाजे के बीच अमलाई में दिखा उत्साह

सुभाष कुमार मिश्रा और अनिल बैग के मनोनयन पर अंडरब्रिज तिराहे में जुटे भाजपा कार्यकर्ता, पार्षद पवन कुमार चीनी ने दी बधाई; मिठाई खिलाकर मनाया जश्न

समाज जागरण

अमलाई। नगर परिषद बरगवां-अमलाई में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) की घोषणा के बाद अमलाई नगर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नवमनोनीत पार्षद सुभाष कुमार मिश्रा एवं अनिल बैग के स्वागत के लिए वार्ड क्रमांक 5 अंतर्गत अंडरब्रिज तिराहे पर चीनी मित्र मंडली की ओर से भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पत्रकार मौजूद रहे। कार्यक्रम में नवमनोनीत पार्षदों के पहुंचते ही कार्यकताओं ने फूल-मालाओं के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। बैंड-बाजे की धुन और कार्यकताओं के उत्साह के बीच पूरा क्षेत्र जश्न के माहौल में नजर आया। समर्थकों ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और दोनों मनोनीत पार्षदों को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं। पवन कुमार चीनी ने दोनों मनोनीत पार्षदों का किया स्वागत इस अवसर पर नगर परिषद के पार्षद पवन कुमार चीनी ने वार्ड क्रमांक 1 से सुभाष कुमार मिश्रा तथा वार्ड क्रमांक 11 से अनिल बैग का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने दोनों मनोनीत पार्षदों को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। चीनी मित्र मंडली के सदस्यों एवं भाजपा कार्यकताओं ने भी दोनों मनोनीत पार्षदों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। फूल-मालाओं, बैंड-बाजे और मिठाई वितरण के साथ मनोनयन की

खुशी मनाई गई। नगर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जताई उम्मीद कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि नवमनोनीत पार्षद नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र के विकास और आम नागरिकों की समस्याओं को परिषद स्तर पर प्रमुखता से उठाएंगे। स्थानीय स्तर पर सड़क, नाली, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में सभी जनप्रतिनिधि मिलकर कार्य करेंगे। मनोनीत पार्षदों के स्वागत को लेकर अंडरब्रिज तिराहा क्षेत्र में काफी चहल-पहल रही। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को भव्य स्वरूप दिया। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता रहे मौजूद स्वागत कार्यक्रम में पार्षद पवन कुमार चीनी, राकेश तिवारी गुड्डू, डॉ राज पांडेय ,संजय मौर्य, शिव शंकर पांडे, नीरज गुप्ता, राजू रावत, राजीव तिवारी, प्रकाश राय, प्रभाकर उरमालिया, नीरज नामदेव, अवनीश पांडे, विजय तिवारी, राहुल मिश्रा, जीवन लाल यादव, यादुराज पनिका, अखंड प्रताप सिंह, ज्ञानेंद्र पांडे, राहुल सिंह, नीरज केसरवानी, विजय पांडा, अनिल केवट सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी ने नवमनोनीत पार्षद सुभाष कुमार मिश्रा और अनिल बैग को फूल-मालाएं पहनाकर बधाई दी। इसके बाद मिठाई खिलाकर खुशी साझा की गई। बैंड-बाजे के साथ हुए स्वागत ने कार्यक्रम को उत्सव का रूप दे दिया। चीनी मित्र मंडली द्वारा आयोजित इस स्वागत कार्यक्रम के माध्यम से दोनों नवमनोनीत पार्षदों के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए उनके सफल कार्यकाल और नगर के सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर कार्य करने की शुभकामनाएं दी गईं।

लैपटॉप खरीदी के नाम पंचायत को लगाया चूना,

एक दिन के अंतराल में खरीदा दूसरा लैपटॉपै एक साल बाद फिर उसी फर्म से 22 हजार की कंप्यूटर मरम्मत, नियमों पर उठे सवाल

समाज जागरण

उमरिया --- उमरिया जिले की करकेली जनपद पंचायत की धनवार ग्राम पंचायत में 5वें राज्य वित्त आयोग की राशि से लैपटॉप खरीदी और मरम्मत के नाम पर नियम विरूद्ध खरीदी के नाम पर शासकीय धन राशि का व्यापक रूप से दुरूपयोग और बंदरबांट करने का मामला प्रकाश में आया है।बताया जाता है की पंचायत दर्पण पोर्टल के अनुसार एक दिन के अंतराल में धनवार ग्राम पंचायत में एक ही फर्म से एक ही रेट में 2 लैपटॉप खरीदी कर ₹1.15 लाख का भुगतान कर पंचायत को चूना लगाया गया है, इतना ही नहीं इसके साथ ही एक साल में उसी फर्म से ₹22,850 की कंप्यूटर मरम्मत के नाम पर भुगतान कर भी अपनी झोली भरने का काम किया गया है। इन सब से साफ जाहिर होता है की दो लैपटॉप के अलावा भी ग्राम पंचायत में कम्प्यूटर पहले से उपलब्ध था, फिर भी एक साथ दो लैपटॉप खरीदी के नाम पर शासकीय धन राशि को हडपने का लैपटॉप खरीदी को जरिया बनाया गया। जानकर सूत्रों के अनुसार एक ग्राम पंचायत के लिए एक लेपटॉप खरीदने का ही नियम है, जब एक कंप्यूटर पहले से था तो दो लैपटॉप खरीदने की जरूरत कहा से आ गयी।ग्राम पंचायत में एक सचिव और एक रोजगार सहायक की पद स्थापना का प्रावधान है,तो तीसरे लैपटॉप कि उपयोगिता सिर्फ पैसे की हवस पूरी करने के लिए की गयी थी। वैसे भी सचिव धनवार से जब काम की बात की जाती है तो यह कहते देखे जाते हैं कि मुझसे कंप्यूटर चलाते नहीं बनता, तब इस खरीदी पर संदेह और गहरा जाता है। बसे बड़ा सवाल है की क्या लैपटॉप खरीदने के पहले सक्षम अधिकारियों की अनुमति ली गई थी। लैपटॉप खरीदी का भुगतान पंचायत ने 07.03.2023 को बिल संख्या 232 और 09.03.2023 को बिल संख्या 233 प्रेम कम्प्यूटर्स से ऐसर स्पायर आई -5 / 8 जी बी /512 जी बी लैपटॉप की खरीदी दिखाकर की गयी ।दोनों लैपटॉप की कुल कीमत ₹57,500-₹57,500 दर्शाई गई है। यह दोनों दोनों लैपटॉप खरीदी में जिसका भुगतान 1.15 लाख 20.03 .2023 को दोनों लैपटॉप का एक साथ प्रेम कंप्यूटरर्स को कर दिया गया।इन दोनों लैपटॉप की खरीदी में सिर्फ एक दिन का अंतराल दिखाया गया है। इतना ही नहीं इसके बाद अगस्त 2024 में कंप्यूटर रिपेयरिंग के नाम पर बिल संख्या 174 के माध्यम से उसी प्रेम कम्प्यूटर्स फर्म से ₹22,850 का रिपेयरिंग का भुगतान 28 अगस्त 2024 को किया गया है।

धनवार ग्राम पंचायत के लैपटॉप खरीदी और रिपेयरिंग के नाम पर हुये भुगतानों ने शासकीय धन राशि का जिस तरह से दोहन किया गया है,वह गंभीर सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों ने लैपटॉप खरीदी और रिपेयरिंग के नाम पर लगभग एक लाख अडतीस हजार के धन राशि के बंदरबांट करने की बात कही है। इस बंदरबांट पर ग्रामीणों ने तीखे सवाल करते हुए कहा है की एक साथ दो लैपटॉप की उपयोगिता क्या थी, अगर थी तो क्या इसकी प्रशासकीय स्वीकृति ली गई है की यह खेल सिर्फ बिलों तक सिमट कर रह गया है और कंप्यूटर रिपेयरिंग के नाम पर भारी भरकम बिल लगाया गया है, जबकि इतने धन राशि में दुसरा कंप्यूटर खरीदा जा सकता है, इत्यादि यक्ष प्रश्न सरपंच सचिव का पीछे लगे हुये हैं।इस संबंध में सरपंच सचिव का पक्ष लेने की कोशिश की गयी, लेकिन उनका पक्ष नहीं मिल सका।

अमलाई हत्याकांड में शहडोल पुलिस का बड़ा एक्शन: SP संजय अग्रवाल के निर्देशन में TI भूपेंद्रमणि पांडे की टीम को मिली बड़ी सफलता, मुख्य आरोपी को पनाह देने वाले 2 सलाखों के पीछे!

समाज जागरण
शहडोल (विशेष रिपोर्ट)। कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले अपराधियों और उनके मददगारों के खिलाफ शहडोल पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए कड़ा संदेश दिया है। अमलाई थाना क्षेत्र के रामपुर में हुए सनसनीखेज हत्याकांड के मामले में पुलिस अधीक्षक (SP) डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन और अमलाई थाना प्रभारी (TI) भूपेंद्रमणि पांडे की अगुवाई में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी की फरारी में मदद करने वाले दो शातिर सह-आरोपियों को धर दबोचा है। SP डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के कड़े तेवर, गठित की विशेष टीम 13 जुलाई को रामपुर में हुई गोलीबारी की घटना और उपचार के दौरान पीड़ित दुकानदार की मौत के मामले को एसपी डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने बेहद गंभीरता से लिया। उन्होंने अपराधियों की धरपकड़ के लिए बिना समय गंवाए विशेष टीमों का गठन किया और अमलाई थाना प्रभारी भूपेंद्रमणि पांडे को सख्त निर्देश दिए कि वारदात में शामिल किसी भी दोषी या मददगार को बख्शा न जाए।

TI भूपेंद्रमणि पांडे की रणनीति आई काम, पनाह देने वाले दबोचे गए एसपी के निदेर्शों पर अमलाई थाना प्रभारी भूपेंद्रमणि पांडे और उनकी टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए तकनीकी

साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र का जाल बिछाया। जांच में खुलासा हुआ कि वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी राजकुमार शर्मा को छिपाने, सुरक्षित ठिकाना मुहैया कराने और पुलिस से बचाने में दो सह-आरोपियों की सक्रिय भूमिका थी। थाना प्रभारी भूपेंद्रमणि पांडे की टीम ने तुरंत घेराबंदी कर दोनों मददगारों को हिरासत में ले लियाः पवन मिश्रा (33 वर्ष) – निवासी ग्राम बैरिहा, थाना बुढ़ार। सतीश सोनी (35 वर्ष) – निवासी Ward No. 2, सोनी मोहल्ला, थाना सोहागपुर। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है। मुख्य आरोपी की उल्टी गिनती शुरू, पुलिस दे रही लगातार दबिश अमलाई पुलिस का यह एक्शन स्पष्ट करता है कि जिले में अपराध और अपराधियों को संरक्षण देने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। थाना प्रभारी भूपेंद्रमणि पांडे ने बताया कि मुख्य आरोपी राजकुमार शर्मा की तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं और जल्द ही मुख्य आरोपी भी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

पुलिस का सख्त संदेशः "अपराध करना जितना बड़ा जुर्म है, अपराधी को पनाह देना भी उतना ही बड़ा अपराध है। कानून से खिलवाड़ करने वाले किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा।"

पटना के बिहटा और नेउरा क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ी

तीन नए पुलिस पिकेट स्थापित, अपराधियों पर कसेगा शिकंजा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा, आईआईटी अमहरा और नेउरा थाना क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए पटना पुलिस ने सुरक्षा का एक नया और मजबूत घेरा तैयार किया है। वरीय पुलिस अधीक्षक (SSP) के कड़े निदेर्शों के बाद क्षेत्र के तीन अत्यंत संवेदनशील इलाकों में नए पुलिस पिकेट (ओपी) बनाए गए हैं, जहां पुलिस अधिकारियों के साथ सशस्त्र बलों की स्थायी तैनाती कर दी गई है। हाल के दिनों में इन क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण को लेकर लगातार मांग उठ रही थी। इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस मुख्यालय ने औद्योगिक हब, प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के आसपास और व्यस्त बाजारों को सुरक्षित करने के लिए यह बड़ा कदम उठाया है। जिसके तहत चीनी मिल (बिहटा) में पुलिस अवर निरीक्षक मनीष कुमार को पिकेट प्रभारी बनाया गया है। वही कन्हौली बाजार स्थित व्यस्त बाजार क्षेत्र की जिम्मेदारी पुलिस अवर निरीक्षक राजू कुमार को सौंपी गई है। जबकि लई चौक के पास सामरिक और महत्वपूर्ण मार्ग पर पुलिस अवर निरीक्षक आयुष ए को प्रभारी नियुक्त किया गया है। नवागत प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार संभालने का निर्देश दिया गया है। इन पिकेटों के सक्रिय होने से किसी भी आपराधिक घटना की सूचना मिलने पर पुलिस का रिस्पॉन्स टाइम (प्रतिक्रिया समय) काफी कम हो जाएगा। पुलिस का मुख्य उद्देश्य हत्या, लूट, छिनतई, और वाहन चोरी जैसी वारदातों पर रोक लगाना है। इसके साथ ही, प्रमुख मार्गों पर गश्त तेज कर दी गई है और जेल से छूटे अपराधियों तथा सक्रिय बदमाशों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। चीनी मिल, कन्हौली बाजार और लई चौक क्षेत्र के लोगों ने पटना पुलिस के इस कदम की सराहना की है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि इन व्यस्त इलाकों में पुलिस की चौबीस घंटे मौजूदगी से न सिर्फ अपराध नियंत्रित होंगे, बल्कि आम जनता और व्यापारियों में सुरक्षा का भाव भी मजबूत होगा। पुलिस प्रशासन का यह फैसला क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर साबित होगा।

पटना के बिहटा में मुख्यमंत्री सहयोग शिविर बना खानापूर्ति

अधिकारियों के न पहुंचने से निराश लौटे ग्रामीण

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार सरकार द्वारा पंचायत स्तर पर आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आयोजित 'मुख्यमंत्री सहयोग शिविर' बिहटा प्रखंड की विष्णुपुरा, लई और पुरुषोत्तमपुर पैनाठी पंचायतों में महज औपचारिकता बनकर रह गया। शिविर में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों की अनुपस्थिति के चलते अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे ग्रामीणों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। ग्रामीण जमीन विवाद, जाति-निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, बिजली, पेयजल और कृषि योजनाओं से जुड़ी शिकायतें लेकर पहुंचे थे। अधिकारियों के न होने से

न तो शिकायतें दर्ज हुईं और न ही कोई समाधान निकला। विशेषकर लई पंचायत में राशन कार्ड और वृद्धा पेंशन से जुड़े सबसे अधिक मामले आए, लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी नदारद रहे, जिससे लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली।सरकार की मंशा थी कि लोगों को प्रखंड या जिला मुख्यालय के चक्कर न काटने पड़ें और पंचायत स्तर पर ही सेवाएं मिल जाएं। लेकिन धरातल पर लचर व्यवस्था ने इस पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिविर के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। पहले भी कई मामलों में सिर्फ आश्वासन मिले, जिन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में लगने वाले ऐसे शिविरों में सभी विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की जाए, ताकि जनता को वास्तविक लाभ मिल सके। इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों का पक्ष फिलहाल प्राप्त नहीं हो सका है।

पटना में मुख्यमंत्री आवास, सचिवालय और चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार की राजधानी पटना से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां मुख्यमंत्री आवास, मुख्यमंत्री सचिवालय और दानापुर के चार प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी मंगलवार सुबह 7:57 बजे मुख्यमंत्री सचिवालय को भेजे गए एक ईमेल के माध्यम से मिली। ईमेल में धमाकों की टाइमिंग का भी जिक्र किया गया है। धमकी देने वाले ने दावा किया है कि मंगलवार दोपहर 3:11 बजे सचिवालय में और रात 9:11 बजे मुख्यमंत्री कार्यालय व आवास में धमाका किया जाएगा। इस मेल के सामने आते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया और मुख्यमंत्री आवास व सचिवालय की सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। धमकी भरे ईमेल में दानापुर के चार प्रमुख स्कूलों को भी उड़ाने की बात कही गई है। इनमें आर्मी पब्लिक स्कूल (दानापुर कैंट), रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल, तथा चांदमारी रोड स्थित डीपीएस (सीनियर और जूनियर) स्कूल शामिल हैं। एहतियात के तौर पर तुरंत सभी स्कूलों को खाली करा लिया गया और बच्चों की छुट्टी कर दी गई। चूंकि वर्तमान में बिहार विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है, इसलिए सुरक्षा पहले से ही चाक-चौबंद थी। हालांकि, ईमेल मिलने के बाद पुलिस मुख्यालय के अधिकारी पूरी तरह सतर्क हो गए हैं। डॉग स्क्वॉड और बम डिस्पोजल स्क्वॉड की टीमें मुख्यमंत्री सचिवालय और सभी संबंधित स्कूलों में पहुंचकर चप्पे-चप्पे की गहन छानबीन और सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां ईमेल भेजने वाले की पहचान और उसके आईपी एड्रेस का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

नबीनगर: "साइबर मंगलवार" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक समाज जागरण
अनील कुमार संवाददाता
नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)साइबर अपराधों से बचाव को लेकर नबीनगर प्रखंड के पीपरा पंचायत स्थित +2 उच्च विद्यालय सत्येंद्र नारायण सिंह परिसर में "साइबर मंगलवार" के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं सेमिनार आयोजित किया गया।जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा की उपस्थिति में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।डीएम ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही "डिजिटल एम्बेसडर" बनकर समाज को साइबर अपराधों से बचा सकते हैं। उन्होंने छात्रों को अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी-पासवर्ड साझा न करने और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी न डालने की सलाह दी। साथ ही साइबर ठगी होने पर राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 औरwww.cybercrime.gov.in पर तुरंत शिकायत करने को कहा।एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने कहा कि समय पर शिकायत से ठगी की राशि वापस

मिलने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने फर्जी कॉल, ऑनलाइन प्रलोभन और डिजिटल अरेस्ट से सतर्क रहने की हिदायत दी।कार्यक्रम में एमएससी के राज्य समन्वयक राहुल कुमार एवं स्वाधार फिनएक्सेस के जिला प्रभारी मनोरंजन पाठक ने छात्रों को साइबर सुरक्षा के उपाय बताए। मजबूत पासवर्ड, ऑनलाइन गेमिंग-निवेश में ठगी और सोशल मीडिया की सावधानियों पर भी चर्चा हुई।जिला प्रशासन ने बताया कि हर मंगलवार को जिले में "साइबर मंगलवार" अभियान चलाकर लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

देश में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कदम उठाए गए

एनपी-एनसीडी के तहत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 524 डे केयर कैंसर सेंटर, 233 कार्डियक केयर यूनिट और 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए 1.86 लाख एएएम के माध्यम से उप स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करके व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती है एबी पीएम-जेएवाई योजना का विस्तार किया गया है ताकि 4.5 करोड़ परिवारों से संबंधित 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को, उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना कवर किया जा सके स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत प्राप्त कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के आधार पर, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और रोग निवारण को बढ़ावा देने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है। भारत सरकार मानदंडों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार कार्यवाही अभिलेख (आरओपी) के रूप में इन प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करती है। सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में चलाई जा रही विभिन्न पहलों में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) का संचालन, निशुल्क दवा सेवा पहल, निशुल्क निदान सेवा पहल, राष्ट्रीय एम्बुलेंस सेवाएं, मोबाइल मेडिकल यूनिट, आशा कार्यकर्ता, 24 घंटे सेवाएं और प्राथमिक रेफरल सुविधाएं, प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां, एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) रणनीति, टीबी मुक्त भारत अभियान और सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम शामिल हैं। गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार एवं प्रबंधन के लिए उपयुक्त स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में भेजना और ग्रीवा कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य संवर्धन एवं जागरूकता पैदा करना है। एनपी-एनसीडी के अंतर्गत 770 जिला गैर-संचारी रोग क्लिनिक, 524 डे केयर कैंसर केंद्र, 233 हृदय रोग देखभाल इकाइयां और 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैर-संचारी रोग क्लिनिक स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के एक भाग के रूप में आम गैर-संचारी रोगों की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए एक जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है।

मीनाबाजार घाघर नदी पर बना वैकल्पिक संपर्क मार्ग तेज बहाव में बहकर धराशायी

~ जिला कारागार गुरमा का संपर्क टूटा, 7-8 किमी अतिरिक्त सफर को मजबूर लोग

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। गुरमा स्थित जिला कारागार को मारकुंडी से जोड़ने वाले मुख्य संपर्क मार्ग पर घाघर नदी पुल के नव निर्माण कार्य के दौरान लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा आवागमन बनाए रखने के लिए मीनाबाजार घाघर नदी के किनारे एक वैकल्पिक संपर्क मार्ग तैयार कराया गया था। लेकिन मानसून की पहली ही तेज बारिश में नदी के बढ़े जलस्तर और तेज बहाव के कारण यह वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह बह गया। इसके बाद जिला कारागार गुरमा का सीधा संपर्क मार्ग बाधित हो गया है, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।वैकल्पिक मार्ग के बह जाने के बाद अब लोगों के पास केवल एक लंबा और घुमावदार रास्ता ही बचा है। आमजन को मारकुंडी, मीना बाजार, तेलाई, चकरिया, घाघर नदी पुल, पेड़रहवा, कुशहिया और काला पानी होते हुए गुरमा जिला कारागार तक पहुंचना पड़ रहा है। इस मार्ग से यात्रा करने में लगभग 7 से 8 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे समय और धन दोनों की बबार्दी हो रही है।

इस समस्या का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों, दैनिक मजदूरों, व्यापारियों, मरीजों और ग्रामीण महिलाओं पर पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चों को रोजाना लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जबकि आवश्यक कार्यों से आने-जाने वाले लोगों को भी अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में यह वैकल्पिक रास्ता भी कई स्थानों पर जोखिम भरा बना हुआ है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पुल निर्माण शुरू होने के समय से ही क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों, व्यापारियों, ग्राम प्रधानों तथा ग्रामीण महिला-पुरुषों ने कई बार लिखित और मौखिक रूप से संबंधित विभाग को अवगत कराया था कि बरसात से पहले मजबूत और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाए।इसके लिए प्रदर्शन और ज्ञापन भी दिए गए, लेकिन विभाग ने समय रहते कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया।

ग्रामीणों का आरोप है कि यदि वैकल्पिक मार्ग का निर्माण तकनीकी मानकों के अनुरूप और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ किया गया होता, तो पहली ही बारिश में यह मार्ग नहीं बहता। अब स्थिति यह है कि जिला कारागार, आसपास के गांवों और मुख्य बाजारों के बीच आवागमन प्रभावित हो गया है तथा लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि तत्काल अस्थायी वैकल्पिक मार्ग की सुरक्षित व्यवस्था कराई जाए तथा पुल निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे जनहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए जल्द से जल्द सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि क्षेत्र के लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

खरीफ सीजन में किसानों को राहतः सोनभद्र की 38 सहकारी समितियों को डीएपी व एनपीकेएस उर्वरक आवंटित

~ कालाबाजारी, ओवररेटिंग या कृत्रिम अभाव की शिकायत मिले तो किसान तत्काल करें संपर्क नंबर पर शिकायत

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। खरीफ अभियान 2026 के दौरान फास्फेटिक उर्वरकों की बढ़ती मांग को देखते हुए जिला प्रशासन ने किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के बाद जिलाधिकारी की स्वीकृति से जनपद की 38 सहकारी समितियों को डीएपी तथा 38 समितियों को एनपीकेएस उर्वरक आवंटित किया गया है। सहकारिता विभाग एक प्रेस विज्ञप्ति मे बताया गया कि 598.250 मीट्रिक टन डीएपी (निर्धारित बिक्री मूल्य 1350 रुपये प्रति बैग) तथा 549.750 मीट्रिक टन एनपीकेएस (निर्धारित बिक्री मूल्य 1450 रुपये प्रति बैग) का आवंटन किया गया है। इस प्रकार कुल 1148.00 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक जनपद की 76 सहकारी समितियों एवं उर्वरक बिक्री केंद्रों के लिए स्वीकृत किया गया है।विभाग ने बताया कि आवंटन के अनुरूप पीसीएफ द्वारा सहकारी समितियों और उर्वरक बिक्री केंद्रों तक खाद पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिससे किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराया जा सके। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी सहकारी समिति या उर्वरक केंद्र से संपर्क कर खाद की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें तथा केवल शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें।यदि कहीं भी कालाबाजारी, ओवररेटिंग या कृत्रिम अभाव की शिकायत मिले तो किसान तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम 9198788248, 945 163 7073, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय 9452165778 अथवा अपर जिला कृषि अधिकारी 8881173660 पर सूचना दें, ताकि संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।यह जानकारी सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता, सोनभद्र द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई है।

सीएमबी चिट फंड कंपनी के संचालक की 1.42 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क

समाज जागरण/ अकबर अली

सोनभद्र। आम लोगों से निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये जमा कराकर भुगतान न करने के मामले में जेल में बंद सीएमबी चिट फंड कंपनी के संचालक के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने आरोपी की अपराध से अर्जित लगभग 1 करोड़ 42 लाख रुपये मूल्य की चल एवं अचल संपत्ति को कुर्क एवं जब्त कर लिया। कार्रवाई से निवेशकों में उम्मीद जगी है कि आर्थिक अपराधियों के विरुद्ध प्रशासन का अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस के अनुसार थाना अनपरा में दर्ज मुकदमा अपराध
संख्या 149/2025 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत भागीरथी मौर्या पुत्र रमापति मौर्या, निवासी मुंहकुचवां राजपुर, थाना कोतवाली देहात, जनपद मिजार्पुर तथा वर्तमान पता पद्ममिनी होटल के पास, मुर्धवा, रेणुकूट के विरुद्ध कार्रवाई की गई। आरोपी पर सीएमबी नाम से चिट फंड कंपनी संचालित कर लोगों से निवेश के नाम पर धनराशि जमा कराने और समय आने पर भुगतान न करने का आरोप है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया था। वर्तमान में वह न्यायिक अभिरक्षा में जेल में निरुद्ध है।

मामले की सुनवाई के दौरान अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन), सोनभद्र ने 15 जुलाई 2026 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 के तहत आरोपी की अपराध से अर्जित संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश पारित किया था। इसी आदेश के अनुपालन में उपजिलाधिकारी दुद्धी रवि पासवान एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। संयुक्त टीम ने मुर्धवा स्थित आराजी संख्या 557ग, रकबा 0.0195 हेक्टेयर भूमि (अनुमानित मूल्य 17.55 लाख रुपये) तथा उस पर निर्मित मकान (अनुमानित मूल्य 1.09 करोड़ रुपये) को कुर्क कर लिया। इसके अलावा मौजा कटौधी स्थित आराजी संख्या 97क, रकबा 0.273 हेक्टेयर भूमि, जिसकी अनुमानित कीमत 4.10 लाख रुपये है, को भी जब्त किया गया। अचल संपत्तियों का कुल मूल्य लगभग 1.31 करोड़ रुपये आंका गया है। साथ ही आरोपी की लगभग 11 लाख रुपये कीमत की किया सोनेट कार भी न्यायालय के आदेश के तहत जब्त कर ली गई।

पुलिस अधि कारियों ने बताया कि आम लोगों की गाढ़ी कमाई हड़पने वाले आर्थिक अपराधियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। अपराध से अर्जित संपत्तियों को चिन्हित कर विधिक प्रक्रिया के तहत कुर्क किया जाएगा, ताकि निवेशकों के हितों की रक्षा हो सके और इस प्रकार के आर्थिक अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

ओबरा-सी तापीय परियोजना की दोनों इकाइयां बंद, 1320 मेगावाट बिजली उत्पादन पूरी तरह ठप

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश की ओबरा-सी तापीय परियोजना में बिजली उत्पादन पूरी तरह ठप हो गया है। 660-660 मेगावाट क्षमता वाली इसकी दोनों उत्पादन इकाइयां बंद हो गई हैं, जिससे कुल 1320 मेगावाट बिजली उत्पादन शून्य पर पहुंच गया है। इस स्थिति से प्रदेश की विद्युत व्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका है। परियोजना की पहली इकाई 9 जुलाई से डिस्ट्रिब्यूटेड कंट्रोल सिस्टम (DCS) में तकनीकी खराबी के कारण बंद थी। रविवार दोपहर दूसरी 660 मेगावाट इकाई में भी तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद उसे भी बंद करना पड़ा। दोनों इकाइयों के एक साथ बंद होने से ओबरा-सी परियोजना से बिजली उत्पादन पूरी तरह रुक गया है। परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि दोनों इकाइयों में आई तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए इंजीनियरों और विशेषज्ञों की टीम लगातार काम कर रही है। उत्पादन जल्द से जल्द बहाल करने के प्रयास जारी हैं, ताकि विद्युत आपूर्ति सामान्य हो सके। ओबरा-सी परियोजना उत्तर प्रदेश के बिजली उत्पादन का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। 1320 मेगावाट उत्पादन ठप होने से राज्य के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए विद्युत विभाग को वैकल्पिक स्त्रोतों से बिजली की व्यवस्था करनी पड़ सकती है। परियोजना प्रबंधन ने उम्मीद जताई है कि तकनीकी खराबियां दूर होते ही दोनों इकाइयों को चरणबद्ध तरीके से फिर से चालू कर दिया जाएगा।

तेज रफ्तार का कहरः टाटा मैजिक के चपेट में आने से बाइक सवार दो घायल

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के भभाईच पटेल मोड़ के समीप मंगलवार को लगभग 8 बजे पटवध से करगरा से तेज रफ्तार जा रही टाटा मैजिक वाहन के चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो लोग घायल हो गये हैं ।जिसमें एक को हल्की फुल्की चोट आई है वही महिला को गम्भीर रुप से घायल हो गई ।जिसकी जानकारी डायल पुलिस को मिलने पर डायल पुलिस ने दोनों घायलों को चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज हेतु भेज दिया। जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल से अनिल (35 वर्ष) पुत्र बिहारी उर्फ गजेड़ी और पूनम (30वर्ष) पुत्री नाथू निवासी गुरदह टोला करमडाड से चोपन जा रहे थे कि भभाईच पटेल मोड़ के समीप तेज रफ्तार से आ रही टाटा मैजिक वाहन के चपेट में आने से जहां अनिल को छिटपुट चोट लगने से घायल हो गया वहीं महिला पूनम को गम्भीर चोट आने से गंभीर रूप से घायल हो गई है ।जिसे दोनो को डायल पुलिस चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज हेतु भेजकर परिजनों को सूचना देने के पश्चात दोनों वाहनों को चोपन थाना भेज दिया गया।

पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, गोल्डन आवर में कैशलेस उपचार पर दिया गया प्रशिक्षण

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के सभागार में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रिया न्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रेम नाथ, क्षेत्राधिकारी परिवहन राज सोनकर, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुमन कुमार, प्रभारी निरीक्षक यातायात नरेन्द्र कुमार सिंह, विभिन्न थानों के उपनिरीक्षक, एनआईसी के डीआरएम मो. सैफ, चिन्हित निजी चिकित्सालयों के कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि पीएम-राहत योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों एवं शहरी क्षेत्रों में होने वाली सभी प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को गोल्डन आवर के दौरान त्वरित एवं कैशलेस उपचार उपलब्ध कराना है, ताकि समय पर उपचार मिलने से अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके।

क्षेत्राधिकारी परिवहन राज सोनकर ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटना के बाद का पहला घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसी अवधि में पीड़ित को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है, जिससे योजना का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंच सके।

कार्यशाला के दौरान चिन्हित निजी अस्पतालों के कम्प्यूटर ऑपरेटरों को टीएमएस (TMS) पोर्टल एवं ई-डार (e-DAR) पोर्टल के संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। साथ ही
आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली के अंतर्गत 112 हेल्पलाइन के माध्यम से एम्बुलेंस एवं त्वरित सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।

छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में सपा का प्रदर्शन, केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी कार्य कताओं ने मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा जिला सचिव प्रमोद यादव ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर छात्रों एवं युवाओं के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। प्रमोद यादव ने कहा कि जंतर-मंतर पर अपने अधिकारों की मांग को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा बेरहमी से लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय भाजपा सरकार मूकदर्शक बनी रही और अपनी बात रखने वाले युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि आज अपना हक मांगने पर छात्रों के खिलाफ लाठी-डंडे और बल प्रयोग का सहारा लिया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत है। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के भविष्य कहे जाने वाले छात्र-युवाओं पर जिस तरह कार्रवाई की गई, उसकी पूरी जिम्मेदारी केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लगातार पेपर लीक के मामले सामने आ रहे हैं, जिससे करोड़ों छात्र प्रभावित हुए हैं, लेकिन सरकार दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने के बजाय प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठियां बरसाने का काम कर रही है। प्रमोद यादव ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दें। उन्होंने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद भवन से निकलकर चले गए, जबकि प्रदर्शन कर रहे छात्रों की पीड़ा सुनने की आवश्यकता थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि समाजवादी पार्टी के 37 सांसदों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही कहा कि सांसद डिंपल यादव छात्रों के समर्थन में डटी रहीं और इस दौरान उन्हें भी चोटें आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान 15 से 17 वर्ष की छात्राओं तक पर लाठीचार्ज किया गया।प्रमोद यादव ने कहा कि यह कैसा "अमृत काल" है, जहां छात्रों और युवाओं पर लाठियां बरसाई जा रही हैं, जबकि पेपर लीक और भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी छात्रों और युवाओं के हितों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी और जरूरत पड़ने पर अपने खून का एक-एक कतरा भी उनके अधिकारों के लिए समर्पित करेगी।

मकरीबारी में तेज बारिश से पहाड़ी चेकडैम टूटा, किसानों की फसलें जलमग्न

किसानों की टूटी कमर, काफी क्षति

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। नगवां विकास खंड के पहाड़ी ग्रामीण क्षेत्र मकरीबारी में सोमवार की रात हुई मूसलाधार तेज बारिश के बाद एक चेकडैम टूट कर क्षतिग्रस्त हो गया। चेकडैम टूटने से आसपास के खेतों में अचानक पानी भर गया, जिससे गरीब आदिवासी किसानों की फसल जलमग्न हो गई। किसानों का

कहना है कि जलभराव के कारण उनकी फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय किसान रामविलास गोड़ ने बताया कि चेकडैम के निर्माण के समय ही गुणवत्ता को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों से शिकायत की गई थी। उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद निर्माण कार्य की जांच या जिम्मेदार एजेंसी के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिसका खामियाजा अब किसानों को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, चेकडैम टूटने से दर्जनों किसानों की फसल प्रभावित हुई है। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में चिंता और नाराजगी का माहौल है प्रभावित आदिवासी किसानों ने जिलाधिकारी से मौके का निरीक्षण कराकर नुकसान का आकलन कराने, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा और राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

नाबालिग लड़की के अपहरण के प्रकरण में 26 दिन बीतने के बाद भी पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता के कारण पीड़ित पिता ने लगाई डीआईजी मिजार्पुर से गुहार

(रङग्रह्वऔर सर्विलांस टीम शामिल करने की मांग ।सोनभद्र/मिजार्पुर,)

समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के थाना शाहगंज के ग्राम औरहथा में रहने वाले एक अत्यंत पीड़ित और भयभीत पिता रामलाल श्रीवास्तव अपनी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री खुशबू (जन्मतिथिः 01.01. 20 09) की सकुशल बरामदगी के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। खुशबू का बीती 04 जून 2026 को आरोपी शिवम मौर्य पुत्र राजेश मौर्य (निवासीः बलुआ) द्वारा बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया गया था, जिसके संबंध में थाना शाहगंज में मुकदमा भी पंजीकृत है ।स्थानीय शाहगंज पुलिस द्वारा मामले में घोर शिथिलता बरतने पर पीड़ित पिता ने न्याय की आस में दिनांक 18 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक (SP), सोनभद्र के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर त्वरित कार्रवाई हेतु गुहार लगाई थी। अत्यंत खेद का विषय है कि पुलिस अधीक्षक महोदय को प्रार्थना पत्र सौंपने के 12 दिन बीत जाने के बाद भी जिला पुलिस प्रशासन द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी या पीड़ित की नाबालिग पुत्री की बरामदगी के लिए कोई भी ठोस या प्रभावी कदम नहीं उठाया गया ।स्थानीय थाने से लेकर जनपद के सर्वोच्च पुलिस अधिकारी (SP) स्तर से कोई कार्रवाई न होने से निराश होकर, पीड़ित पिता ने आज पुलिस उपमहानिरीक्षक (DIG), मिजार्पुर परिक्षेत्र की शरण ली है। डीआईजी महोदय को सौंपे गए प्रार्थना पत्र में पीड़ित ने जिले की पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल SOG (Special Operation Group) एवं सर्विलांस टीम को इस केस से संबद्ध किया जाए, ताकि तकनीकी साक्ष्यों (लोकेशन व कॉल डिटेल) के आधार पर बेटी को सकुशल बरामद किया जा सके ।अपहरण को लगभग 26 दिन बीत जाने के कारण आरोपी पक्ष के हौसले बुलंद हैं और वे पीड़ित परिवार को लगातार केस वापस लेने की धमकियां दे रहे हैं। पीड़ित रामलाल श्रीवास्तव ने मीडिया के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश और उच्च पुलिस अधिकारियों से अपील की है कि उनकी नाबालिग बेटी की जान को खतरा है, और यदि उसके साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस और जनपद प्रशासन की होगी।

हवाई अड्डों पर बेहतर बाजार पहुंच के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा (पीएमवी) कारीगरों का सशक्तिकरण

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के समर्थन हेतु दूसरा परिचालन स्टॉल चंडीगढ़ के शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थापित यह स्टॉल पीएम विश्वकर्मा योजना के उस परिवर्तनकारी प्रभाव को दशार्ता है जिसके तहत कुशल शिल्पकारों को व्यापक बाजारों से जोड़कर समृद्ध पारंपरिक शिल्प विरासत को बढ़ावा दिया जा रहा है

मौत के सौदागर कौन? प्रसूता को निजी अस्पताल ले जाने पर उठे सवाल, प्रसूता की जिंदगी से खिलवाड़ कब तक?

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। जनपद के चोपन क्षेत्र में प्रसूता को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से निजी क्लिनिक ले जाने और ऑपरेशन के दौरान मृत नवजात के जन्म का मामला केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं है, बल्कि ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी है। यदि परिजनों के आरोप सही हैं, तो यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं में व्याप्त दलाली, अवैध निजी अस्पतालों के संचालन तथा गरीब एवं आदिवासी क्षेत्रों के मरीजों के शोषण की भयावह तस्वीर प्रस्तुत करती है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से महज 500 मीटर की दूरी पर एक कथित रूप से अवैध निजी अस्पताल न्यू जन सहायता हॉस्पिटल संचालित हो रहा था। यदि उस अस्पताल के वैध पंजीकरण पर सवाल उठ रहे हैं, तो यह पूछना भी आवश्यक है कि आखिर वह अब तक किसकी निगरानी में संचालित हो रहा था? स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी केवल घटना के बाद अस्पताल को सील करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह भी तय होना चाहिए कि उसकी कार्यप्रणाली की समय-समय पर जांच क्यों नहीं हुई। परिजनों द्वारा आशा बहू पर सरकारी अस्पताल से निजी क्लिनिक ले जाने का आरोप अत्यंत गंभीर है। आशा कार्यकताओं की भूमिका ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की है, न कि मरीजों को निजी अस्पतालों तक पहुंचाने की। यदि किसी आर्थिक लाभ या कमीशन के लिए मरीजों को निजी संस्थानों में भेजा जा रहा है, तो यह जनविश्वास के साथ खुला विश्वासघात है। इस पूरे मामले में मृत नवजात के जन्म ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया है। ऐसे मामलों में केवल विभागीय कार्रवाई पर्याप्त नहीं होती। आवश्यकता इस बात की है कि निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि प्रसूता को सरकारी अस्पताल से निजी क्लिनिक क्यों ले जाया गया, ऑपरेशन की आवश्यकता क्या थी, अस्पताल के पास आवश्यक अनुमति और विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध थे या नहीं तथा इस घटना के लिए वास्तविक जिम्मेदार कौन है। स्वास्थ्य विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि जिले में संचालित सभी निजी अस्पतालों और क्लिनिकों की व्यापक जांच की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े। गरीब, ग्रामीण और आदिवासी परिवार स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर शोषण के लिए मजबूर न हों, यह शासन और प्रशासन दोनों की समान जिम्मेदारी है। जनता की मांग बिल्कुल उचित है—दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई हो, पीड़ित परिवार को न्याय मिले और स्वास्थ्य व्यवस्था में ऐसी खामियों को तत्काल दूर किया जाए। क्योंकि एक नवजात की मृत्यु केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता और जवाबदेही के अभाव का सबसे दर्दनाक प्रमाण है।

पुलिस का बड़ा अभियान, 620 मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर किए नष्ट

समाज जागरण
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद में ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए सोनभद्र पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात निदेशालय उत्तर प्रदेश के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी यातायात राज सोनकर के मार्गदर्शन में चलाए गए अभियान के तहत कुल 620 अवैध उपकरणों को जब्त कर मंगलवार को नियमानुसार नष्ट कर दिया गया। पुलिस के अनुसार 18 अप्रैल 2026 से प्रत्येक शनिवार और रविवार को यातायात पुलिस तथा जनपदीय पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। अभियान के दौरान मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर का अवैध रूप से प्रयोग करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर तेज आवाज में अश्लील, अभद्र और भड़काऊ गाने बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों को भी चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई और भविष्य में ऐसा न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

अभियान के दौरान पुलिस ने वाहनों से 70 मॉडिफाइड साइलेंसर, 450 प्रेशर हॉर्न और 100 हूटर उतरवाकर जब्त किए। मंगलवार को थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के स्वर्ण जयंती चौक (बढ़ौली चौराहा) पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में इन सभी 620 उपकरणों का विनष्टीकरण किया गया। विनष्टीकरण कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार ने बताया कि शासन और प्रशासन की मंशा है कि समाज में अश्लीलता और ध्वनि प्रदूषण किसी भी रूप में न फैले। उन्होंने कहा कि ट्रक, चारपहिया और दोपहिया वाहन चालक तेज आवाज वाले साइलेंसर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग कर अश्लील गाने बजाते हैं, जिससे समाज में गलत संदेश जाता है और आम लोगों तथा यात्रियों को परेशानी होती है। इसी उद्देश्य से जब्त किए गए उपकरणों को नष्ट किया गया है ताकि लोगों में जागरूकता आए।

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी यातायात राज सोनकर, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा और यातायात प्रभारी नरेंद्र कुमार मौजूद रहे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, हूटर तथा तेज आवाज में अश्लील या भड़काऊ गाने बजाने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

नारियल का तेल जुओं को खत्म करने में उपयोगी

आयुर्वेद के अनुसार नारियल का तेल जुओं को खत्म करने में उपयोगी है। यह तेल न केवल सिर की त्वचा को पोषण देता है, बल्कि बालों को टूटने से भी बचाता है। जब इसमें कपूर मिलाया जाता है, तो यह मिश्रण प्राकृतिक कीटनाशक की तरह काम करता है। कपूर में मौजूद एंटीसेप्टिक और एंटीपैरासिटिक गुण जुओं और उनके अंडों को नष्ट करने में मदद करते हैं।

इस उपाय के लिए नारियल तेल की एक कटोरी में 2-3 टुकड़े कपूर घोलकर रात को सोने से पहले बालों की जड़ों में लगाना चाहिए। मालिश के बाद सिर को कपड़े से ढककर सोना और सुबह शैम्पू से धोना लाभकारी माना जाता है। कुछ ही दिनों में इसके सकारात्मक परिणाम दिखने लगते हैं। सिरका भी एक कारगर विकल्प है। हल्के गुनगुने पानी में दो चम्मच सफेद सिरका या एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर सिर धोने से जुओं और लीखों की पकड़ ढीली पड़ जाती है और वे आसानी से हटने लगती हैं।

यह उपाय खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो रसायनों से बचना चाहते हैं। इसी तरह नींबू का रस भी प्राकृतिक उपचार के रूप में काम करता है। इसे नारियल तेल में मिलाकर लगाने से इसका असर और बढ़ जाता है। नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड जुओं की त्वचा को नुकसान पहुंचाकर उन्हें नष्ट करता है। साथ ही यह स्कैल्प की सफाई करता है और डैंड्रफ जैसी समस्याओं से भी राहत देता है। कुछ लोग पेट्रोलियम जेली का भी इस्तेमाल करते हैं। यह जुओं की सांस रोक देती है और उनके जीवन चक्र को खत्म करती है। हालांकि, इसका इस्तेमाल बालों में काफी चिपचिपापन पैदा करता है और धोने में कठिनाई हो सकती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन प्राकृतिक उपायों को नियमित रूप से अपनाने से जुओं से छुटकारा मिल सकता है और स्कैल्प भी स्वस्थ रहता है।

बता दें कि सिर में अचानक खुजली बढ़ना अक्सर रूसी के साथ-साथ जुओं की मौजूदगी का संकेत भी हो सकता है। यह समस्या न केवल असुविधा और परेशानी पैदा करती है बल्कि कई बार सामाजिक स्थितियों में शर्मिंदगी का कारण भी बन जाती है। जूं बालों में अंडे देती हैं, जिन्हें लीख कहा जाता है। ये लीखें इतनी मजबूती से चिपकी होती हैं कि सामान्य पानी या कंघी से आसानी से नहीं हटतीं। ऐसे में कई लोग रासायनिक उत्पादों का सहारा लेते हैं, लेकिन आयुर्वेद और घरेलू नुस्खे भी इसमें प्रभावी साबित हो सकते हैं।

मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है मौसम में बदलाव का

सितंबर से दिसंबर के बीच मौसम में बदलाव के साथ पेड़ों से पत्ते झड़ने लगते हैं। मौसम बदलने का असर इंसानी मनोभावों पर भी देखने को मिलता है। शरद ऋतु का आगमन गर्मी से सर्दी की ओर बढ़ने का संकेत देता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि इस दौरान कई लोगों के मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है।

दिन छोटे और रातें लंबी होने के साथ ही थकान, नींद की गड़बड़ी और उदासी महसूस होना आम हो जाता है। इस स्थिति को विज्ञान की भाषा में सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी) कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौसम बदलने पर धूप की कमी से दिमाग में सेरोटोनिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर घटने लगता है। यह हार्मोन मूड को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाता है। वहीं अंधेरा और ठंड बढ़ने पर शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे नींद अधिक आती है और ऊर्जा घट जाती है।

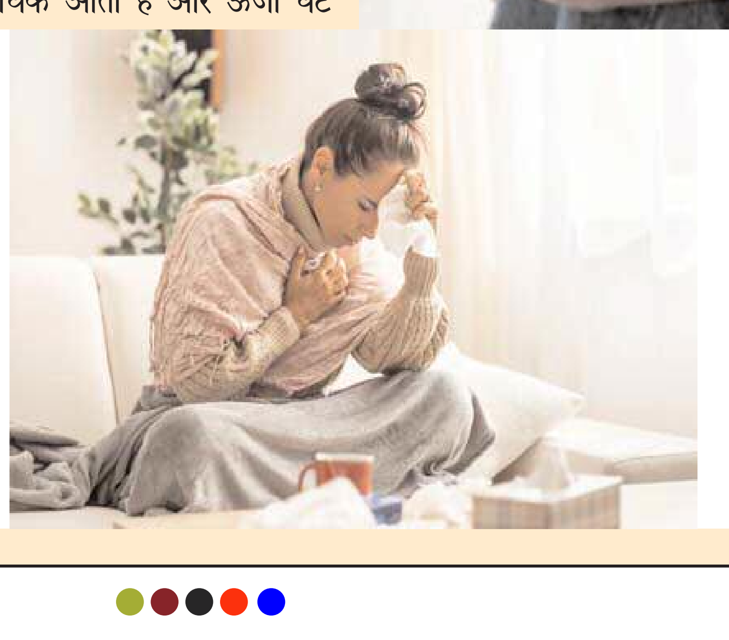

इस बदलाव से शरीर की सर्केडियन रिद्म भी बिगड़ जाती है, जिससे नींद और जागने का प्राकृतिक पैटर्न प्रभावित होता है। अध्ययन बताते हैं कि उत्तरी और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों पर सैड का प्रभाव अधिक होता है क्योंकि वहां धूप का समय सीमित होता है। महिलाओं और 18 से 30 वर्ष के युवाओं में इसके मामले ज्यादा पाए जाते हैं। एक अध्ययन में खुलासा हुआ था कि अर्बन इंडिया में 12 से 15 प्रतिशत लोग हल्के या गंभीर मौसमी डिप्रेशन का सामना करते हैं। इसके लक्षण पहचानना अपेक्षाकृत आसान है।

लगातार थकान रहना, अधिक नींद आना, उदासी और चिड़चिड़ापन, काम में रुचि कम होना, ज्यादा मीठा और कार्बोहाइड्रेट खाने की इच्छा, तथा सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाना सैड के प्रमुख संकेत माने जाते हैं। कई देशों में लाइट थेरेपी का उपयोग किया जाता है, जिसमें विशेष लाइट बॉक्स का इस्तेमाल प्राकृतिक धूप जैसी रोशनी देने के लिए किया जाता है। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम भी इस समस्या को कम कर सकते हैं। ताजे फल-सब्जियां और ओमेगा-3 युक्त भोजन मूड को बेहतर बनाने में मददगार हैं। यदि लक्षण लगातार बने रहें तो मनोचिकित्सक से परामर्श लेना आवश्यक है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे बचाव के लिए कुछ साधारण उपाय कारगर साबित हो सकते हैं। रोजाना कम से कम 20 से 30 मिनट धूप में समय बिताना सबसे प्रभावी तरीका है।

पांचवें दिन भी उमड़ा जनसैलाब, काले कंबल वाले बाबा के निःशुल्क आरोग्य शिविर में बढ़ा विश्वास

पहले बैच का पांच दिवसीय उपचार कोर्स हुआ पूरा, मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ मिलने पर जताया संतोष

प्रवीन गोदारा बोले— जनसेवा के इस अभियान को मिल रहा क्षेत्रवासियों का अपार स्नेह और सहयोग

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

लोहारू। अनाज मंडी रोड, लोहारू में काले कंबल वाले बाबा गणेश यादव के सानिध्य में आयोजित आठ दिवसीय निःशुल्क आरोग्य शिविर के पांचवें दिन भी मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से देर शाम तक लोहारू, बहल तथा आसपास के गांवों के अलावा दूर-दराज क्षेत्रों से लोग उपचार एवं स्वास्थ्य परामर्श के लिए शिविर में पहुंचे। लगातार बढ़ती मरीजों की संख्या शिविर के प्रति लोगों के बढ़ते विश्वास और सकारात्मक परिणामों का प्रमाण बन रही है। शिविर के पांचवें दिन पहले बैच का पांच दिवसीय उपचार कोर्स सफलतापूर्वक पूरा हो गया। उपचार पूरा करने वाले अनेक मरीजों ने अपने स्वास्थ्य में सुधार होने की बात कहते हुए संतोष व्यक्त किया। कई मरीजों ने आयोजकों और काले कंबल वाले बाबा का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें निःशुल्क उपचार और उचित स्वास्थ्य परामर्श का लाभ मिला है। समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रवीन गोदारा हांसीवाले ने बताया कि बहल में आयोजित सफल शिविर के बाद क्षेत्रवासियों की मांग पर लोहारू में इस स्वास्थ्य सेवा अभियान का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले बैच का उपचार कोर्स पूरा होने के बाद लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। बड़ी संख्या में नए मरीज भी शिविर में पहुंच रहे हैं, जो इस सेवा कार्य के प्रति समाज के बढ़ते भरोसे को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श और उपचार की सुविधा पहुंचाना है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि अधिक से अधिक लोग शिविर में पहुंचकर इस जनसेवा अभियान का लाभ उठाएं। आयोजकों के अनुसार शिविर में गठिया, सर्वाइकल, उच्च रक्तचाप (बीपी), मधुमेह (शुगर), लकवा, पोलियो, निसंतान दंपतियों की समस्याएं, जोड़ों के दर्द सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी रोगों का निःशुल्क परीक्षण, परामर्श एवं उपचार किया जा रहा है। मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

शिविर के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता प्रवीन गोदारा, भाजपा नेता कमलेश भोडूका, बहल पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन रामचंद्र टांडी, श्यामलाल शर्मा (भिवानी), वीरेंद्र सोनी (शेरला), मास्टर दिनेश कुमार, परमवीर मोरका, रणसिंह गाढ़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक 23 को

समाज जागरण

सिरसा/कालांवाली 21 जुलाई (सुरेश जोरासिया) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में 23 जुलाई को स्थानीय पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में 3 लंबित व 16 नई शिकायत सहित 19 शिकायतें सुनी जाएंगी। जिला प्रशासन द्वारा बैठक की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जिला प्रशासन की ओर से सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अपने-अपने विभागों से संबंधित मामलों का विवरण बैठक में प्रस्तुत किया जाए। --

खंड स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में मॉडल संस्कृति विद्यालय बहल बना चैंपियन

११ विद्यालयों के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, रागनी व लघु नाटिका में शानदार प्रदर्शन

एसडीएम मनोज दलाल रहे मुख्य अतिथि, विजेता प्रतिभागियों को किया सम्मानित

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 21 जुलाई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ओबरा में सोमवार को खंड स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें खंड बहल के 21 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में लघु नाटिका, ग्रुप डांस, सोलो डांस तथा रागनी जैसी विभिन्न विधाओं में प्रतिभागियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई। प्रथम ग्रुप में कक्षा 5 से 8 तथा द्वितीय ग्रुप में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सीनियर वर्ग की रागनी प्रतियोगिता में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। द्वितीय स्थान कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहल तथा तृतीय स्थान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ओबरा को मिला। वहीं सीनियर वर्ग की लघु नाटिका प्रतियोगिता में ओबरा प्रथम, मॉडल संस्कृति विद्यालय बहल द्वितीय तथा शेरला विद्यालय तृतीय स्थान पर रहा। जूनियर वर्ग में भी मॉडल संस्कृति विद्यालय बहल का दबदबा कायम रहा।

रागनी प्रतियोगिता में विद्यालय ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि गोकुलपुरा उच्च विद्यालय द्वितीय स्थान पर रहा। जूनियर वर्ग की लघु नाटिका प्रतियोगिता में भी मॉडल संस्कृति विद्यालय बहल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा बिधनोई की टीम दूसरे स्थान पर रही। सीनियर वर्ग के सोलो डांस में ओबरा प्रथम, कन्या विद्यालय बहल द्वितीय तथा मॉडल संस्कृति विद्यालय बहल तृतीय स्थान पर रहा। कार्यक्रम में एसडीएम मनोज दलाल मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी दर्शना कुमारी ने की। इस अवसर पर प्राचार्य कृष्ण कुमार, विष्णु कुमार, जयप्रकाश, राजवीर सिंह, सुनील कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों के अध्यापक एवं प्रवक्ता अनिल कुमार, आदित्य कुमार तथा अन्य शिक्षकों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

शादियों में फिजूलखर्ची पर लगेगी रोक : एकजुट हुआ अग्रवाल समाज, तीन बड़े फैसलों पर लगी मुहर

भविष्य में अन्य सामाजिक कुरीतियों पर भी लगाई जाएगी रोक : रामदेव तायल

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी 21 जुलाई : शादी-ब्याह में बढ़ती फिजूलखर्ची और सामाजिक दिखावे के खिलाफ छोटी काशी भिवानी के अग्रवाल समाज ने एकजुट होकर एक मिसाल पेश की है। अग्रसेन विवाह प्रकोष्ठ के तत्वावधान में कमला भवन धर्मशाला में समाज के गणमान्य लोगों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें फिजूलखर्ची रोकने और कुरीतियों को समाप्त करने के लिए सर्वसम्मति से तीन ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। बैठक में अग्रसेन ट्रस्ट और श्री अग्रवाल सभा के पदाधिकारियों सहित समाज के अनेक मौजिज लोग मौजूद रहे। इस दौरान शादी में फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने के लिए 3 मुख्य निर्णय गए, जिसमे बेटी की शादी में मिठाई का डिब्बा देने और लेने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, लडके की शादी में शगुन लेने और देने, दोनों प्रक्रियाओं पर रोक लगा दी गई है। तिलक, पुरोजन या शादी के अन्य संस्कारों में दोस्तों व रिश्तेदारों को मिलनी के नाम पर होने वाले भारी खर्च को रोकते हुए मिलनी की राशि अधिकतम 100 तय की गई, आदि रहे। इन सभी प्रस्तावों को उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से हाथ उठाकर सर्वसम्मति से पारित किया। साथ ही रमेश बंसल के सुझाव पर इन निर्णयों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए घर-घर जाकर संकल्प पत्र भरवाने का फैसला भी लिया गया। इस मौके पर अग्रसेन विवाह प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामदेव तायल ने कहा कि यह तो अभी शुरूआत है, भविष्य में अन्य सामाजिक कुरीतियों पर भी धीरे-धीरे रोक लगाई जाएगी। इन सुधारों से समाज के करोड़ों रुपये बचेंगे। इसके अलावा यदि अग्र समाज की किसी शादी योग्य बेटी के विवाह में आर्थिक तंगी आड़े आती है, तो प्रकोष्ठ जांच-परख के बाद उस परिवार को 2 लाख की नकद सहायता प्रदान करेगा। बैठक में मौजूद श्री अग्रवाल सभा के प्रधान सुनील सर्राफ ने भी इन सभी निर्णयों पर अपनी पूर्ण स्वीकृति दी। उनका कहना था कि भिवानी का अग्रवाल समाज अब सुधार की दिशा में एक नई करवट ले रहा है, जिसके सुखद परिणाम जल्द ही समाज के सामने आएंगे। कार्यक्रम का सफल संयोजन सचिव सुरेंद्र जैन एडवोकेट ने किया। प्रकोष्ठ के संयोजक दीपक गर्ग ने पिछली कार्रवाई का वाचन किया और सहसंयोजक नरेश बंसल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पवन बवानीवाला, प्रवीण कोकड़ा, रामनिवास सीवानी वाला, राजकुमार लालावासिया, नरेश गर्ग, सुभाष खरकिया, मनोज रामपुरिया, सुरेश बंसल, मनोज दीवान, दीपक बंसल, सुनील बंसल, रमन जैन, दिनेश गुप्ता, देवी चंद बंसल, दीपक लच्छीरामका, पंकज कसेरा, मदन कुमार, अशोक बंसल, राकेश गर्ग, सुमित खेमका, सज्जन अग्रवाल एडवोकेट, लक्ष्मण अग्रवाल, नथु राम केडिया, वरुण सिंगला और राहुल गुप्ता सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए 5,756.62 करोड़ रुपये की 117 परियोजनाओं को मंजूरी दी

पर्यटन मंत्रालय ने पिछले दो वर्षों के दौरान बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल प्रचार और देश भर में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। मंत्रालय स्वदेश दर्शन 2.0, चुनौती आधारित गंतव्य विकास, तीर्थयात्रा पुनरुद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशासित), पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए जुगा)

जैसी योजनाओं के तहत राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासनों को पर्यटन अवसंरचना के विकास और बुनियादी सुविधाओं के संवर्धन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है, बशर्ते योजना के दिशानिदेर्शों और निधियों की उपलब्धता हो। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार की पहल 'राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' के तहत, 2024-25 के दौरान पर्यटन परियोजनाओं के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। पिछले दो वर्षों में, मंत्रालय ने उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत 5756.62 करोड़ रुपये की 117 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान इन योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत केंद्रीय वित्तीय सहायता का राज्य/केंद्र शासित प्रदेशवार विवरण अनुलग्नक में दिया गया है। पर्यटन मंत्रालय 'इंक्रेडिबल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म' के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देता है, जिसमें वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन शामिल हैं। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने वाला डिजिटल प्लेटफॉर्म है। सितंबर 2024 में लॉन्च किया गया यह नया पोर्टल कई भाषाओं में उपलब्ध है

और ऑनलाइन ट्रैवल एजेंटों (ओटीए) और अन्य हितधारकों के साथ साझेदारी के माध्यम से चुनिंदा यात्रा सामग्री, आवश्यक जानकारी और फ्लाइट, होटल, कैब, बस और एएसआई स्मारक टिकटों की आसान बुकिंग की सुविधा प्रदान करता है। आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, डिजिटल अभियान और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के साथ सहयोग के माध्यम से भी प्रचार को बढ़ावा दिया जाता है। एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) पहल का कार्यान्वयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाता है, जो ईबीएसबी के लिए नोडल मंत्रालय है। हालांकि, ईबीएसबी पहल के तहत, पर्यटन मंत्रालय भी पर्यटन कार्यक्रमों और संस्थागत कार्यकलापों के माध्यम से कई कार्यक्रम चला रहा है। मंत्रालय गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में प्रतिवर्ष अपना प्रमुख कार्यक्रम भारत पर्व आयोजित करता है, जिसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भागीदारी होती है, ताकि भारत की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन क्षमता और विविध परंपराओं को प्रदर्शित किया जा सके। इस पहल के तहत, मंत्रालय ने गुजरात के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस 2025 में भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय के केंद्रीय स्वायत्त निकाय, जिनमें 21 होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम), भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), भारतीय पाक

कला संस्थान (आईसीआई) और भारतीय पर्यटन कार्यालय शामिल हैं, ईबीएसबी पहल के तहत नियमित रूप से छात्र विनिमय कार्यक्रम, परिचयात्मक यात्राएं, टूर ऑपरेटर नेटवर्किंग सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्षेत्रीय व्यंजन उत्सव, भाषा शिक्षण गतिविधियां और अन्य गतिविधियां आयोजित करते हैं जो युग्मित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की संस्कृति, परंपराओं, खानपान और विरासत को उजागर करती हैं।

ये पहल सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देती हैं, लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करती हैं, राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करती हैं और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देती हैं। पर्यटन मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाने, यात्रा को सुगम बनाने और विशिष्ट पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। भारत को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पर्यटन रोडशो, व्यापार सम्मेलनों, परिचयात्मक दौरों, मीडिया और सोशल मीडिया अभियानों, खाद्य उत्सवों और भारतीय दूतावासों, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और पर्यटन हितधारकों के सहयोग से प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है।

यात्रा को सुगम बनाने के लिए, सरकार ने ई-वीजा सुविधा के माध्यम से वीजा व्यवस्था को उदार और सरल बनाया है, जो वर्तमान में 174 देशों के नागरिकों के लिए नौ उप-श्रेणियों के तहत उपलब्ध है। मंत्रालय 24 घंटे बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन भी प्रदान करता है और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित पर्यटक सुविधाकताओं और गाइडों का एक समूह बनाने के लिए इनक्रेडिबल इंडिया टूरिस्ट फैसिलिटेटर सर्टिफिकेशन (आईआईटीएफसी) कार्यक्रम भी शुरू किया है, जबकि विद्यमान क्षेत्रीय स्तर के गाइडों को अखिल भारतीय मान्यता प्राप्त इनक्रेडिबल इंडिया टूरिस्ट गाइड (आईआईटीजी) प्रणाली में एकीकृत किया गया है। इसके अलावा, मंत्रालय क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस-उड़ान) के तहत पर्यटन स्थलों की कनेक्टिविटी में सुधार के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ काम कर रहा है, जिसके तहत 53 पर्यटन मार्गों की पहचान की गई है, और पर्यटकों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबंधित और संरक्षित क्षेत्रों में यात्रा से संबंधित उपायों पर गृह मंत्रालय के साथ नियमित रूप से समन्वय करता है। मंत्रालय नीतिगत पहलों, अवसंरचना विकास और प्रमोशन संबंधी कार्यकलापों के माध्यम

से आध्यात्मिक, आर्थिक, रोमांचक, ग्रामीण, जनजातीय, वेलनेस, चिकित्सा, एमआईसीई, विवाह और हैरिटेज पर्यटन जैसे विशेष टूरिज्म प्रोडक्ट्स को प्रमोट करती है। इसने राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा कार्यान्वयन के लिए स्थायी पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, रूरल होमस्टे, एमआईसीई, एडवेंचर टूरिज्म, इको-टूरिज्म और मेडिकल एवं वेलनेस टूरिज्म के लिए

राष्ट्रीय कार्यनीति बनाई हैं। मंत्रालय ने एमआईसीई टूरिज्म के लिए "मीट इन इंडिया" सब-ब्रांड, डेस्टिनेशन वेडिंग्स के लिए "इंडिया सेज आई डू" अभियान भी लॉन्च किया है। सुरक्षित और सस्टेनेबल एडवेंचर टूरिज्म के लिए मॉडल एडवेंचर टूरिज्म सेफ्टी फ्रेमवर्क जारी किया है।

डिजिटल इंडिया के भाषिनी प्रभाग ने कोंकणी और भारतीय भाषाओं में एआई-संचालित शासन को बढ़ावा देने के लिए गोवा में 'भाषिनी राजयम' का शुभारंभ किया

मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रोहन ए. खौंटे और वरिष्ठ अधिकारियों ने बहुभाषी एआई पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (डीआईसी) के डिजिटल इंडिया भाषिनी प्रभाग (डीआईबीडी) ने गोवा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के सहयोग से पणजी में ह्यभाषिनी राजयमः राज्य सहभागिता कार्यशालाह्न का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बहुभाषी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बढ़ावा देना और भाषा आधारित डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं के ढांचे को मजबूत बनाना था। कार्यक्रम में नीति निमार्ता, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत प्रतिनिधि, शिक्षाविद, स्टार्टअप संस्थापक और भाषा विशेषज्ञ शामिल हुए। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत और सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, पर्यटन, मुद्रण एवं स्टेशनरी मंत्री श्री रोहन ए. खौंटे भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम डिजिटल शासन को अधिक समावेशी, सरल और बहुभाषी बनाने की दिशा में सरकार और विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग एवं साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है। कोंकणी भाषा पर विशेष ध्यान देते हुए आयोजित इस कार्यशाला में बताया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित भाषा तकनीकें डिजिटल शासन को अधिक समावेशी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इन तकनीकों के माध्यम से नागरिक अपनी पसंदीदा भाषा में सरकारी सेवाओं, आवश्यक जानकारियों और

डिजिटल प्लेटफार्मों तक आसानी से पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। चचाओं के दौरान बहुभाषी एआई के महत्व पर बल दिया गया, जो एक ऐसे आवाज-आधारित

डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण में सहायता करता है, जहां भाषा सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में बाधा नहीं बल्कि सुविधा का माध्यम बनती है। उद्घाटन सत्र को गोवा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के सचिव श्री संतोष सुखदेव, आईएएस, गोवा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री प्रसाद लोलायेकर, आईएएस, बिचोलिम के विधायक एवं इन्फोटेक कॉर्पोरेशन ऑफ गोवा

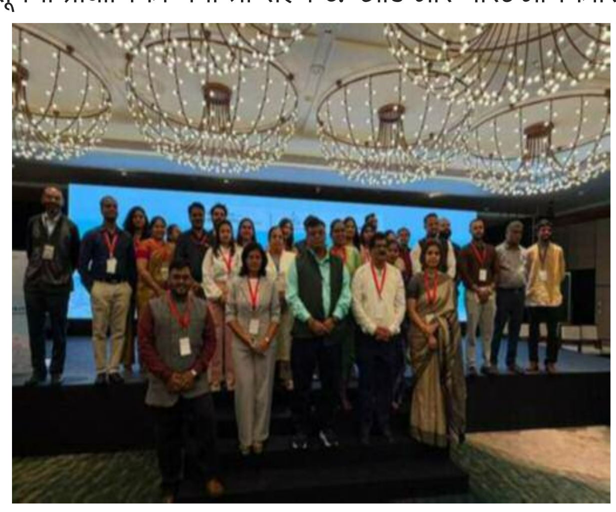

लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत शेट्टी, गोवा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, पर्यटन, मुद्रण एवं स्टेशनरी मंत्री श्री रोहन ए. खौंटे, तथा गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने संबोधित किया।

डिजिटल इंडिया भाषिनी प्रभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमिताभ नाग ने अपने संबोधन में बहुभाषी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित भाषा-केंद्रित डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के लिए भाषिनी के दृष्टिकोण को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने शासन, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बैंकिंग और नागरिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में भाषिनी के बढ़ते प्रभाव की जानकारी दी। उन्होंने कोंकणी सहित क्षेत्रीय भाषाओं के डिजिटल विकास को बढ़ावा देने और समावेशी डिजिटल परिवर्तन को तेज करने के लिए सरकारों, शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स तथा भाषा विशेषज्ञों के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय भाषा प्रौद्योगिकी केंद्र (एनएचएलटी) पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसमें भाषिनी के बहुभाषी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) समाधानों के तेजी से विकसित हो रहे इकोसिस्टम को प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों को भाषिनी ऐप मित्र, भाषिनी मित्र और भाषिनी वक्ता जैसे समाधानों से परिचित कराया गया। इन सत्रों में बताया गया कि एआई आधारित अनुवाद, वाक पहचान, टेक्स्ट-टू-स्पीच, लिप्यंतरण और बहुभाषी एपीआई जैसी तकनीकों को सरकारी अनुप्रयोगों तथा नागरिकों के लिए उपलब्ध डिजिटल सेवाओं में किस प्रकार प्रभावी ढंग से जोड़ा जा सकता है।

भाषिनी टीम ने अपने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित भाषा समाधानों का लाइव प्रदर्शन किया, जिससे प्रतिभागियों को बहुभाषी वाक तकनीक, अनुवाद, प्रतिलेखन और दस्तावेज आधारित समाधानों का प्रत्यक्ष अनुभव मिला। इन प्रदर्शनों के

माध्यम से यह दिखाया गया कि भाषिनी किस प्रकार नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूत बनाने में सहायता कर सकती है। साथ ही, पर्यटन सेवाओं, सार्वजनिक सूचनाओं और डिजिटल प्लेटफार्मों तक आसान एवं निर्बाध बहुभाषी पहुंच उपलब्ध कराते हुए नागरिकों और आगंतुकों दोनों के डिजिटल अनुभव को बेहतर बनाया जा सकता है।

एक विशेष सत्र में सरकार, शिक्षाविदों, भाषा विशेषज्ञों और प्रौद्योगिकी भागीदारों के सहयोग से कोंकणी भाषा के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर चर्चा की गई। सत्र के दौरान भाषा से जुड़े डेटासेट का विस्तार करने, एआई मॉडलों को और बेहतर बनाने तथा गोवा में बहुभाषी एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य-विशिष्ट उपयोग के मामलों की पहचान करने के अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया।

उपयोग के मामलों पर आधारित ओपन माइक सत्र में शासन, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और नागरिक सेवाओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बहुभाषी एआई के राज्य-विशिष्ट उपयोग पर चर्चा की गई। सत्र के दौरान गोवा के डिजिटल प्लेटफार्मों में भाषिनी के एकीकरण की संभावनाओं पर भी विचार किया गया, ताकि अधिक समावेशी और भाषा-केंद्रित सार्वजनिक सेवाएं विकसित की जा सकें।

इस कार्यशाला ने भाषा-केंद्रित डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों के साथ सहयोग की भाषिनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। कार्यशाला के माध्यम से गोवा सरकार के साथ कोंकणी भाषा के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने, प्राथमिकता वाले उपयोग के मामलों की पहचान करने और सरकारी सेवाओं में बहुभाषी एआई के उपयोग का विस्तार करने के लिए सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ किया। इससे अधिक सुलभ, समावेशी और नागरिक-केंद्रित शासन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

गोवा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, पर्यटन, मुद्रण एवं स्टेशनरी मंत्री श्री रोहन ए. खौंटे ने कहा कि भाषिनी राजयम कार्यशाला समावेशी और एआई-संचालित डिजिटल गोवा के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। डिजिटल इंडिया भाषिनी प्रभाग के साथ हमारे सहयोग का उद्देश्य भाषा से जुड़ी बाधाओं को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि गोवा के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों सहित सभी लोग कोंकणी भाषा में डिजिटल सेवाओं का आसानी से लाभ उठा सकें। एआई के तेजी से सुलभ होने के साथ, हमारी भाषा का संरक्षण और सशक्तिकरण गोवा के डिजिटल भविष्य तथा नवाचार की यात्रा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल इंडिया भाषिनी प्रभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमिताभ नाग ने कहा कि एक विस्तृत प्रदर्शन के माध्यम से गोवा के एक युवक की आवाज आधारित डिजिटल यात्रा को प्रस्तुत किया गया। इसमें दिखाया गया कि भाषिनी का बहुभाषी एआई इकोसिस्टम किस प्रकार आवाज के माध्यम से शासन और सार्वजनिक सेवाओं के साथ सहज संवाद को संभव बना सकता है। इस व्यक्तित्व-आधारित प्रस्तुति में सरकारी योजनाओं और डिजिटल सेवाओं से लेकर शिक्षा एवं नागरिक सहायता तक के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। इसके माध्यम से यह दशार्या गया कि एआई आधारित वाक प्रौद्योगिकियां सेवाओं की पहुंच को अधिक समावेशी, सरल और भाषा-केंद्रित बना सकती हैं। सत्र में एआई क्षमताओं को और मजबूत करने तथा कोंकणी भाषा में आवाज-सक्षम डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं के विकास को गति देने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले भाषा डेटासेट तैयार करने के महत्व पर भी बल दिया गया। डिजिटल इंडिया भाषिनी प्रभाग (डीआईबीडी) के बारे में भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन का डिजिटल इंडिया भाषिनी प्रभाग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बहुभाषी डिजिटल समावेशन के लिए भारत का राष्ट्रीय मंच है। भाषिनी 800 से अधिक सरकारी वेबसाइटों को समर्थन प्रदान करता है और 8 अरब से अधिक एआई अनुमानों को सक्षम बना चुका है। यह प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक एआई अनुमानों को संसाधित करता है तथा 36 भारतीय पाठ भाषाओं, 23 भारतीय वाक भाषाओं और 35 अंतरराष्ट्रीय भाषाओं का समर्थन करता है।